जन शिक्षण संस्थान

हस्त पुस्तिका

असिस्टेंट ड्रेस मेकर (दिव्यांगजन)

लेवल - 2

भारत सरकार
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय
जन शिक्षण संस्थान निदेशालय
नई दिल्ली

फॉर
लोकोमोटर डिसेबिलिटी (LD)
स्पीच और हियरिंग (SHI)
इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी (ID)

All Rights Reserved.

Second Edition

ISBN: 978-93-86620-59-0

Printed in India

Copyright ©

Disclaimer

The information contained herein has been obtained from sources reliable to JSS. JSS disclaims all warranties to the accuracy, completeness or adequacy of such information. JSS shall have no liability for errors, omissions, or inadequacies, in the information contained herein, or for interpretations thereof. Every effort has been made to trace the owners of the copyright material included in the book. The publishers would be grateful for any omissions brought to their notice for acknowledgements in future editions of the book. No entity in JSS shall be responsible for any loss whatsoever, sustained by any person who relies on this material. The material in this publication is copyrighted by JSS No parts of this publication may be reproduced, stored or distributed in any form or by any means either on paper or electronic media, unless authorized by the JSS.

Note: SCPwD
SCPwD has borrowed the qualification of Assistant Dress Maker (Divyangjan) from JSS which is approved by NCVET in the 40th meeting of NSQC on 22 Oct 2024 (Link of MOM
https://ncvet.gov.in/wp-content/uploads/2024/11/MoM-for-40th-NSQC-Meeting-1.pdf
And uploaded on NQR WWW.nqr.gov.in
The book caters to the job role aligned to the following disabilities as per the NQR codes mentioned below.
LD - QG-02-PD-03334-2024-V1-SCPWD
SHI - QG-02-PD-03335-2024-V1-SCPWD
ID - QG-02-PD-03336-2024-V1-SCPWD

Certificate

COMPLIANCE TO
QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

Skill Council for Persons with Disability

for

SKILLING CONTENT: PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of

Job Role/ Qualification Pack: Assistant Dress Maker (Divyangjan) , Version 1.0, NSQF LEVEL 2

Date of Issuance: 22/10/2024
Valid up to*: 21/10/2027

*Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'Valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)

Authorised Signatory
(Skill Council for Persons with Disability)

विषय सूचि

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	परिचय	13
2	शरीर माप एवं उपयुक्त उपकरणों की जानकारी	16
3	बुनियादी टाँके	46
4	सिलाई एंव फिटिंग	76
5	कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग करते समय सुरक्षा सावधानियां एंव	106
6	महिला सशक्तिकरण	116
7	बाजार एक्सपोजर	120
8	प्रलेखन	126
9	लागत पत्रक	128
10	प्राथमिक चिकिस्ता	129
11	उद्यमिता विकास	157

असिसटेंट ड्रेस मेकर

लक्ष्य समूह: ऐसी लड़कियां और महिलाएं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की कम से कम 5वीं कक्षा पूरी कर ली हो

क्रमांक	मॉड्यूल / पाठ्यक्रम	अवधि का विवरण	
3	**असिसटेंट ड्रेस मेकर**	**कुल घंटे**	2 घंटे/दिन/सत्र का पाँच महीने का मॉड्यूल (125 सत्र)
		240	

<u>पाठ्यक्रम के उद्देश्य</u>

पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, छात्रों को सक्षम होना चाहिए:

1. कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग के बुनियादी सिद्धांतों की समझ प्रदर्शित करें
2. महिलाओं के परिधान के लिए कपड़ों की विभिन्न श्रेणियों की पहचान करें
3. परिधान बनाने के लिए उपयुक्त उपकरण और तकनीक लागू करें
4. भारतीय और निर्यातोन्मुख उद्योग दोनों के लिए महिलाओं के कपड़ों के लिए डिज़ाइन की विविधताओं के नमूने विकसित करना

और जीवन संवर्धन शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी।

<u>पाठ्यक्रम संरचना</u>

नॉलेज डोमेन

1. महिलाओं के परिधान के लिए बाजार विभाजन की समझ प्रदर्शित करें
2. महिला परिधानों को पहचानें और वर्गीकृत करें
3. अनुकूलित कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग के लिए शरीर के सही माप लेने की उपयुक्त पद्धति का उपयोग करें
4. पैटर्न बनाने और मानकीकृत आकारों के अनुसार परिधान/पोशाक बनाने की उपयुक्त पद्धति का प्रयोग करें
5. डिज़ाइन विविधताओं का विश्लेषण करें और नमूना वस्त्र बनाएं

कौशल डोमेन

1. कपड़े की विशेषताओं को पोशाक बनाने के लिए सह-संबंधित करें
2. मूल की आवश्यकता के अनुसार प्रारूप पैटर्न और महिला परिधान परिधान के डिजाइन की विविधताएं
3. उपयुक्त तकनीकों के साथ अच्छी गुणवत्ता और परिष्कृतिक कपड़ो की सिलाई करे।

सत्र योजना

क्र मांक	विषय	विषय	क्रियाविधि	सत्र	निर्देश घंटे	अपेक्षित सीखने के परिणाम
1	परिचय • जेएसएस • 'पोशाक बनाने' पर पाठ्यक्रम	• जेएसएस और उसके उद्देश्यों का परिचय • पाठ्यक्रम का परिचय • विभिन्न प्रकार की पोशाक का परिचय	• कैटलॉग आदि में परिधान चित्रों / दृश्यों की चर्चा और प्रदर्शन • उद्देश्य के दृष्टिकोण पर चर्चा		2	जेएसएस और 'ड्रेस मेकिंग' पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी • आय-सृजन में 'कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग' पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता को समझना
2	शरीर माप एवं उपयुक्त उपकरणों की जानकारी	• काटने और सिलाई में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और उपकरणों का विवरण - मापने, प्रारूपण, काटने के उपकरण जैसे। ट्रेसिंग व्हील, मापने वाला टेप, ट्रेसिंग चाक • टूल्स का नाम और उपयोग।	• उपकरणों और उपकरणों के उपयोग की पहचान और परिचय • वर्णन करना		10	कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग के लिए आवश्यक विभिन्न उपकरणों की जानकारी होना

3	बुनियादी टाँके	विभिन्न फैब्रिक पर उपयुक्त सीम फिनिश चुनना: • सादा सीवन • टेलर्स एज सीम (फोल्डेड एज) • फ्लैट फेल सीवन • फ्रेंच और नकली फ्रेंच सीम ● ओवरलॉक ● टक्स ● प्लीट ● डार्ट विभिन्न कपड़ों के लिए उपयुक्त हेम फिनिश चुनना: • टेलर्स हेम (हाथ) • स्लिप हेम (हाथ) • रिबन खत्म • मशीन खत्म (डबल फोल्ड) पिकोट	सीम फ़िनिश यानी कपास, पॉलिएस्टर, जॉर्जेट, वेलवेट, सिल्क/तफ़ता, साटन/क्रेप के लिए एक स्वैच फ़ाइल (स्वैच आकार 6” गुणा 6”) बनाना। हेम फ़िनिश यानी कॉटन, पॉलिएस्टर, जॉर्जेट, वेलवेट, सिल्क/तफ़ता, साटन/क्रेप के लिए एक स्वैच फ़ाइल (स्वैच साइज़ 6” बाय 6”) बनाना।		75	कपड़े की विशेषता के अनुसार अलग-अलग सीम फिनिश को समझता है और लागू करता है कपड़े की विशेषता के अनुसार अलग-अलग हेम फ़िनिश को समझता है और लागू करता है
4	सिलाई एंव फिटिंग बच्चों के कपड़ों की श्रेणियां	उम्र के अनुसार संबंधित कपड़ों के डिजाइन विवरण • बच्चों के लिए आकार चार्ट	चित्रों के माध्यम से लड़कों और लड़कियों के लिए कपड़ों		10	बच्चों के कपड़ों की श्रेणियों को समझता और पहचानता है

	बच्चों के परिधानों का पैटर्न प्रारूपण (लड़कियों के कपड़ों पर ध्यान दें) पैटर्न- लड़कियों की स्कर्ट और फ्रॉक की कटिंग और सिलाई पैटर्न बनाना, काटना और सिलाई करना (लड़कों के कपड़ों पर ध्यान देना)	प्रत्यक्ष माप कैसे लें उचित पैटर्न प्रारूपण का महत्व • बोडिस कॉलर सिलाई करने के लिए चोली और कॉलर पैटर्न का अनुप्रयोग •स्कर्ट फ्रॉक फिट के लिए उचित पैटर्न प्रारूपण के महत्व की व्याख्या	और डिजाइन के विवरण की चर्चा और पहचान प्रारूपण विधियों का प्रदर्शन- शिशुओं और बालिकाओं के लिए प्रत्यक्ष प्रारूपण और मानकीकृत प्रारूपण विधियाँ दोनों: कॉलर के प्रारूपण विधियों का प्रदर्शन- पीटर पैन कॉलर (एक टुकड़ा और दो टुकड़ा), बैंड कॉलर, झालरदार कॉलर ● झाबला ● एकत्रित स्कर्ट ● फ्रॉक - अम्ब्रेला कट • ब्लाउज / टॉप		5 5 2 2	लड़कियों के लिए परिधान डिजाइन के पैटर्न बनाने, काटने और सिलाई को समझता है और लागू करता है लड़कियों के लिए परिधान डिजाइन के पैटर्न बनाने, काटने और सिलाई को समझता है और लागू करता है लड़कों के लिए परिधान डिजाइन के पैटर्न बनाने, काटने और सिलाई को समझता है और लागू करता है

	• जेबों का मसौदा तैयार करना विभिन्न प्रकार	पॉकेट पैटर्न का मसौदा तैयार करना	प्रारूपण विधियों का प्रदर्शन- बालकों के लिए प्रत्यक्ष प्रारूपण और मानकीकृत		2	पॉकेट विविधताओं के लिए प्रारूपण के सिद्धांतों को लागू करता है
	कॉलर का प्रारूपण	कॉलर का पैटर्न प्रारूपण	प्रारूपण विधियाँ दोनों: •कमीज • कुर्ता		10	कॉलर विविधताओं के लिए प्रारूपण और सिलाई के सिद्धांतों को लागू करता है
	पुरुषों के कपड़ों की श्रेणियां	• पुरुष परिधान डिजाइन श्रेणियों और विवरण के साथ परिचित	पॉकेट्स का पैटर्न ड्राफ्टिंग- फ्लैप के साथ/बिना प्लीट्स के साथ/बिना		5	पुरुष परिधान कपड़ों की श्रेणियों को समझता और पहचानता है
	पुरुषों के परिधानों का पैटर्न बनाना, काटना और सिलाई करना (शर्ट पर ध्यान देना)	• पुरुषों के परिधानों के लिए आकार चार्ट पुरुषों के पैटर्न प्रारूपण का महत्व और महिलाओं के पैटर्न के साथ अंतर:	प्लीट्स, क्रॉस पॉकेट्स, वेल्ट/बाउंड पॉकेट के साथ पैच पॉकेट कॉलर का पैटर्न प्रारूपण- शर्ट कॉलर, टेनिस कॉलर, नाविक कॉलर		10	पुरुषों के लिए परिधान डिजाइन के पैटर्न बनाने, काटने और सिलाई को समझता है और लागू करता है
	पतलून का प्रारूपण और सिलाई	चोली ब्लॉक और शर्ट ब्लॉक	चित्रों के माध्यम से पुरुषों के लिए वस्त्रों और		5	पतलून की विविधताओं के

	महिलाओं के कपड़ों की श्रेणियां महिलाओं के लिए कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस-मेकिंग सदा ब्लाउज़ साड़ी पेटीकोट नाइट गाउन (सलवार/चूड़ीदार) का पैटर्न बनाना और सिलाई करना महिलाओं के ब्लाउज / टॉप	ट्राउजर ब्लॉक का पैटर्न ड्राफ्टिंग और सिलाई • महिलाओं के कपड़ों की डिज़ाइन श्रेणियों और विवरणों से परिचित होना • महिलाओं के परिधानों के लिए आकार चार्ट आकार और फिट के लिए पैटर्न प्रारूपण नाइट गाउन बनाने के लिए पैटर्न ड्राफ्टिंग के अनुकूलन की आवश्यकता	डिजाइन विवरण की चर्चा और पहचान प्रारूपण विधियों का प्रदर्शन- दोनों के लिए प्रत्यक्ष प्रारूपण और मानकीकृत प्रारूपण विधियाँ: • कमीज कुर्ता, बैंड कॉलर पैटर्न प्रारूपण: • प्लीट्स और पॉकेट्स के साथ/बिना बेसिक ट्राउजर पजामा महिलाओं के कपड़ों की चर्चा और पहचान और चित्रों के माध्यम से डिजाइन विवरण		2 10 2 10	लिए प्रारूपण और सिलाई के सिद्धांतों को लागू करता है महिलाओं के कपड़ों की श्रेणियों को समझता और पहचानता है परिधान डिजाइन के आधार के रूप में शरीर के फिट होने के विशेष संदर्भ में पैटर्न बनाने को समझता है और लागू करता है परिधान डिजाइन के आधार के रूप में शरीर के फिट होने के विशेष संदर्भ में पैटर्न बनाने को समझता है और लागू करता है महिलाओं के लिए नाइटवियर बनाने के लिए पैटर्न बनाने और सिलाई तकनीक को

	(आस्तीन के लिए विशेष संदर्भ)	प्रारूपण • सलवार (सादा, पटियाला, डब्ल्यू/बिना बेल्ट के) • चूड़ीदार • स्लीव पैटर्न का पेपर ड्राफ्टिंग	प्रारूपण विधियों का प्रदर्शन- दोनों के लिए प्रत्यक्ष प्रारूपण और मानकीकृत प्रारूपण विधियाँ 4 कली 6 कली डिजाइन में बदलाव करने के लिए प्रारूपण और सिलाई विधियों का प्रदर्शन: • नाइटी पैटर्न प्रारूपण और सिलाई का प्रदर्शन • सलवार (सादा, पटियाला) चूड़ीदार ●स्लीव्स का पैटर्न ड्राफ्टिंग - प्लेन स्लीव, पफेड स्लीव,			समझता है और लागू करता है सलवार और चूड़ीदार बनाने के लिए पैटर्न बनाने और सिलाई तकनीक लागू करता है सैंपल स्लीव्स का पैटर्न बनाने के लिए ड्राफ्टिंग और सिलाई तकनीक लागू करता है

			फ्लेयर्ड स्लीव, एंजल स्लीव, लेग ऑफ मटन स्लीव कफ के साथ आस्तीन के किनारे और पाइपिंग और इलास्टिक के साथ परिष्करण			
5	कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग करते समय सुरक्षा सावधानियां एंव प्राथमिकता उपचार सिलाई मशीन और उसके पुर्जों को समझना	महत्त्व • नुकीले कैंची से थिम्बल का प्रयोग करते हुए कपड़ों और उंगलियों की सुरक्षा करना ● प्राथमिकता उपचार की आवयश्कता एंव जानकारी • सिलाई करते समय रखी जाने वाली सावधानियाँ बिजली से चलने वाली ● मशीनों का उपयोग करते समय, पावर	व्याख्यान और प्रदर्शन हाथ/पैर सिलाई मशीन के संचालन में प्रदर्शन और		5 5	कटिंग, टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग के दौरान आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतने के महत्व को समझना ● उपकरणों और माप उपकरणों के बारे में

		प्लग/आउटलेट की जांच सिलाई मशीन के पुर्जों की पहचान	अभ्यास। उचित कामकाज के लिए मशीन के घटकों की असेंबली, सफाई और रखरखाव।			जानकारी है और उनका रखरखाव ● निर्माण की उचित गुणवत्ता के लिए सिलाई मशीन के कुछ हिस्सों को समायोजित करने की समझ बनाना
LEE 6	महिला सशक्तिकरण बाजार एक्सपोजर	● महिलाओं की स्थिति और महिलाओं के उत्थान को समझने की आवश्यकता ● लैंगिक भेदभाव से लड़ना ● मेन्सवियर, चिल्ड्रनवियर और वूमेनवियर परिधान के दृश्य सर्वेक्षण के लिए बाजार (घरेलू) का दौरा	लैंगिक समानता के संबंध में समसामयिक विषयों पर संवादात्मक चर्चा बाजार सर्वेक्षण/विजिट		2	लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता को समझता है बाजार में उपलब्ध डिजाइनों को कक्षा के इनपुट के साथ पहचानना और सह-संबंधित करना
7	जनसंपर्क कौशल	● ग्राहकों के साथ प्रभावी संचार	● विचार - विमर्श		1	पारस्परिक और संचार कौशल की

		● सहकर्मियों के साथ अच्छा पारस्परिक कौशल ● समय प्रबंधन ● व्यक्तिगत स्वछता	● भूमिका निभाना			आवश्यकता को समझता है
8	उद्यमिता विकास	व्याख्यान: • अवसर मार्गदर्शन • उद्यम शुरू करने की विधि ● उद्यम का प्रबंधन	● भाषण ● व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट ● उद्यमिता के मामले का अध्ययन		60	उद्यम शुरू करने से पहले SWOT विश्लेषण के महत्व को समझता है संगठन, प्रबंधन और व्यवसाय के निर्वाह के लिए रणनीति

जन शिक्षण संस्थान का परिचय

जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) की योजना जिसे पहले श्रमिक विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, 1967 से देश में गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से भारत सरकार की एक अनूठी रचना थी। इस योजना का नाम बदलकर 2000 में जन शिक्षण संस्थान कर दिया गया था। जेएसएस योजना को मंत्रालय से स्थानांतरित कर दिया गया था। जुलाई, 2018 में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय को शिक्षा (तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय)। वर्तमान में, 27 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों में 304 जेएसएस कार्य कर रहे हैं। लाभार्थियों का वार्षिक कवरेज लगभग 4 लाख है, जिनमें से 85% महिलाएं हैं।

जन शिक्षण संस्थान (JSS) योजना भारत सरकार से 100% अनुदान के साथ गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है। जन शिक्षण संस्थान सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत हैं। जन शिक्षण संस्थान के मामलों का प्रबंधन भारत सरकार द्वारा अनुमोदित संबंधित प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है। योजना का अधिदेश गैर-साक्षर, नव-साक्षर, 8वीं तक की शिक्षा के प्राथमिक स्तर वाले व्यक्तियों और 15-45 वर्ष के आयु वर्ग में 12वीं कक्षा तक स्कूल छोड़ने वाले व्यक्तियों को अनौपचारिक मोड में व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है। प्राथमिकता समूह महिलाएं, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और समाज के अन्य पिछड़े वर्ग हैं।

जेएसएस गरीब से गरीब व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। वे न्यूनतम बुनियादी ढांचे और संसाधनों के साथ लाभार्थियों के घर-द्वार पर काम करते हैं।

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- जन शिक्षण संस्थान को _____ द्वारा अनुदान दिया जाता है|
- भारत सरकार द्वारा _____ प्रतिशत अनुदान जन शिक्षण संस्थान को दिया जाता है |
- अभी 304 जे एस एस _____ राज्य और _____ केंद्र शासित प्रदेश में है |
- _____ वर्तमान में जे एस एस के एडिशनल डायरेक्टर हैं |
- _____ वर्तमान में स्किल डेवलपमेंट और एन्टरप्रेनरशिप के मिनिस्टर हैं |
- जन शिक्षण संस्थान का पुराना नाम है _____ |
- श्रमिक विद्या पीठ _____ में अस्तित्व में आया |

- जन शिक्षण संस्थान एक _____ है |
- जन शिक्षण संस्थान _____ में मिनिस्ट्री ऑफ़ एडुकेशन से मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेनरशिप में स्थानांतरित हो गया |
- जन शिक्षण संस्थान _____ ट्रेनिंग देता है |

सही गलत

- जन शिक्षण संस्थान का पुराना नाम जन शिक्षा केंद्र है | ( )
- जन शिक्षण संसथान 1985 में अस्तित्व में आया | ( )
- वर्तमान में जन शिक्षण संसथान मिनिस्ट्री ऑफ़ एडुकेशन के तहत आता है | ( )
- जन शिक्षण संसथान 27 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशो में है | ( )
- जन शिक्षण संसथान के अधिकतम लाभार्थी महिलाएं हैं | ( )
- जन शिक्षण संसथान को 50 % फण्ड भारत सरकार से मिलता है | ( )
- 2018 में जन शिक्षण संसथान का स्थानांतरण मिनिस्ट्री ऑफ़ एडुकेशन से मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेनरशिप में हो गया | ( )
- डॉ. रामाकृष्णा शूरा जन शिक्षण के वर्तमान में एडिशनल डायरेक्टर हैं | ( )
- जन शिक्षण संस्थान का हेड ऑफिस दिल्ली में है | ( )
- जन शिक्षण संस्थान से हर साल लगभग 2 लाख लाभार्थी लाभ पाते हैं | ( )
- जन शिक्षण संस्थान को भारत सरकार से 100 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है | ( )

सही मिलान करें-

जन शिक्षण संस्थान	वोकेशनल
ट्रेनिंग देती है	304
हेड ऑफिस	महिलाएं
नामांकन के लिए उम्र	भारत सरकार
ग्रांट प्राप्ति	श्रमिक विद्यापीठ
कुल ब्रांच	22
कुल कोर्स	दिल्ली
रजिस्टर्ड अंडर	सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860
ज्यादातर लाभार्थी	15 से 45 वर्ष

एक शब्द में उत्तर दें-

- जन शिक्षण संस्थान का पुराना नाम क्या है ?
- जन शिक्षण संस्थान कब अस्तित्व में आया ?
- श्रमिक विद्यापीठ का नाम बदल के जन शिक्षण संस्थान कब पड़ा ?
- जे एस एस स्कीम पहले किस मिनिस्ट्री में था ?
- जे एस एस स्कीम मिनिस्ट्री ऑफ़ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेनरशिप में कब आया ?
- जन शिक्षण संस्थान क्या है ?
- वर्तमान में जन शिक्षण संस्थान के कितने ब्रांच हैं ?

- जन शिक्षण संस्थान से ट्रेनिंग प्राप्त करने वाले अधिकतम लाभार्थी कौन है ?
- जन शिक्षण संस्थान किसके लिए कार्य करता है ?
- जन शिक्षण संस्थान में नामांकन के लिए कितनी उम्र होनी चाहिए?

परिधान श्रेत्र -उद्योग अवलोकन

भारतीय कपडा और कपड़े (परिधान) उद्योग में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है | भारतीय वस्त्र और कपड़ो के श्रेत्र में INR 3.92 के वर्तमान मूल्य से अगले 10 वर्षो में 10. 01 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है 2012-13 में लाख करोड़ रूपये से 2021-22 में 7. 54 लाख करोड़ रूपये हो गए | इनमे से , गारमेंट्स श्रेत्र में वृद्धि का अनुमान है वर्षो में 15. 44 प्रतिशत की औसत दर , जिससे कुल उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा होता हैं

भारतीय वस्त्र उप-श्रेत्र पांरपरिक रूप से अर्थव्यवस्था और जनशक्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है साथ ही विनिर्माण श्रेत्र में सरचनात्मक परिवर्तनों के लिए 2012 तक , इस श्रेत्र ने 4 प्रतिशत का योगदान दिया सकल घरेलू उत्पाद ,विनिर्माण श्रेत्र का 32 प्रतिशत कुल निर्यात का 9 प्रतिशत है |

औज़ार एवं उपकरण

परिचय

पुराने समय में, अधिकांश काम किसी भी उपकरण के उपयोग के बिना पूरा किया जाता था। यह बहुत मुश्किल होता था और काम करने में कोई आसानी नहीं थी। आज विभिन्न प्रकार के उपकरण हैं जो परिधान निर्माण की प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। परिधान निर्माण से जुड़े किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध उपकरणों और उपकरणों का पर्याप्त ज्ञान होना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि काम सुचारू रूप से और कुशलता से पूरा हो सके। उपकरणों को उनके उपयोग के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:-

- मापक औजार
- प्रारूपण औजार
- कर्तन औजार
- सिलाई उपकरण

औजार और उपकरण क्या हैं?

परिधान निर्माण की प्रक्रिया में सहायता के लिए उपयोग की जाने वाली कोई भी वस्तु, मापने से लेकर सिलाई तक, औजार और उपकरण के रूप में जाना जाता है। उनके उपयोग से काम की सुविधा मिलती है और अंतिम उत्पाद साफ और सुंदर होता है।

लाभ

1. यह गुणवत्ता उत्पाद सुनिश्चित करता है ।
2. काम साफ और व्यवस्थित है ।
3. समय और ऊर्जा बचाता है ।
4. अधिक से अधिक उत्पादन सुनिश्चित करता है ।

ड्राफ्टिंग उपकरण

1. स्केल:

यह स्टील, लकड़ी या प्लास्टिक जैसी विभिन्न सामग्रियों से बना है। यह सीधा और सपाट है और एक तरफ इंच में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और दूसरी तरफ सेंटीमीटर। यह मसौदा तैयार करने में उपयोग किया जाने वाला मूल उपकरण है।

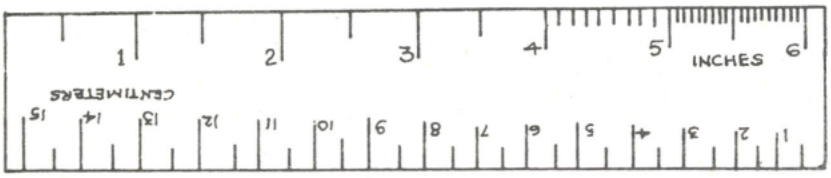

L स्केल

यह भी, धातु, लकड़ी या प्लास्टिक से बना है। यह अंग्रेजी में अक्षर 'एल' की तरह आकार का है। इसमें छोटे पैर पर 12 "चिह्नित" और लंबे पैर पर 24" चिह्नित हैं। इसका उपयोग प्रारूपण करते समय क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाओं को एक साथ चिह्नित करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग मसौदा तैयार करते समय समानांतर रेखाओं को चिह्नित करने के लिए भी किया जाता है।

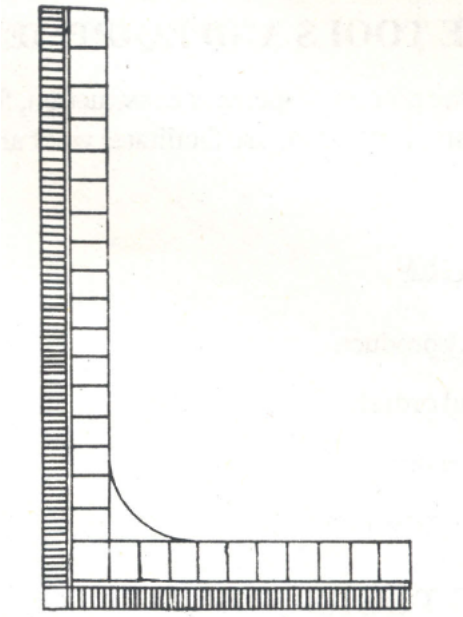

लेग शेपर

यह या तो लकड़ी या प्लास्टिक से बना है। इसकी लंबाई 24" से 30" तक भिन्न होती है। एक छोर 3" चौड़ा है और दूसरा छोर 1/2" चौड़ा है। यह इंच के साथ-साथ सेंटीमीटर दोनों में चिह्नित किया गया है। पैमाने में एक मामूली वक्रता होती है जिसका उपयोग पतलून के पैरों को आकार देने या कोट आदि के लिए आस्तीन के लिए किया जाता है।

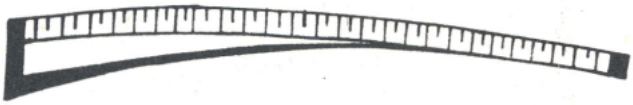

दर्जी कला वक्र

यह लकड़ी, प्लास्टिक या लोहे से बना है। यह भी एक तरफ 'एल' के आकार का है। इसमें एक तरफ 116 और दूसरी तरफ 114 के निशान हैं।

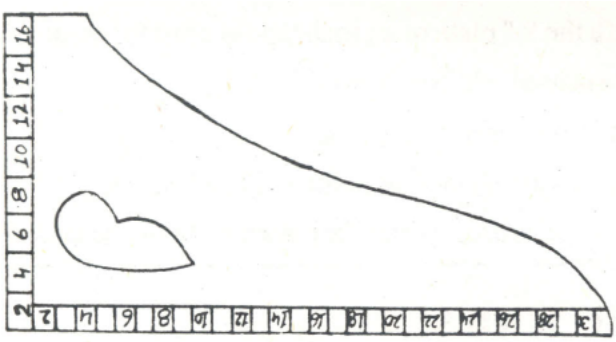

शेपर

शेपर्स विभिन्न आकार में आते हैं, कुछ अंग्रेजी अक्षर 'एस' और 'यू' के अनुरूप हैं। इन्हें फ्रेंच वक्र के रूप में भी जाना जाता है। ये आमतौर पर 12 के एक सेट के रूप में उपलब्ध होते हैं, लेकिन केवल 3 या 4 का उपयोग आमतौर पर सिलाई में किया जाता है। शेपर प्लास्टिक से बने होते हैं। वे गर्दन की रेखाओं, आर्महोल, फ्लेयर, आदि को आकार देने में उपयोग किए जाते हैं, वास्तव में जहां भी किसी को घुमावदार आकार देने की आवश्यकता होती है।

ट्रेसिंग व्हील

यह लकड़ी के हैंडल से जुड़े एक स्पाइक्ड व्हील से बना है। इसका उपयोग पैटर्न से कपड़े या कपड़े की एक परत से दूसरे में निशान को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग कपास, रेशम या सिंथेटिक्स के लिए किया जाता है लेकिन ऊनी कपड़ों के लिए नहीं।

इंच टेप या माप टेप

यह कपड़े या प्लास्टिक से बना है। 60" की कुल लंबाई के साथ, इसमें एक छोर पर 3" लंबी धातु की प्लेट और दूसरे छोर पर 1/2" प्लेट है। 3" प्लेट के साथ अंत का उपयोग लंबाई को मापने के लिए किया जाता है जबकि छोटी प्लेट के साथ अंत का उपयोग एक माप चौड़ाई और परिपत्र उपायों के लिए किया जाता है। इसमें एक तरफ इंच और दूसरी तरफ सेंटीमीटर अंकित है।

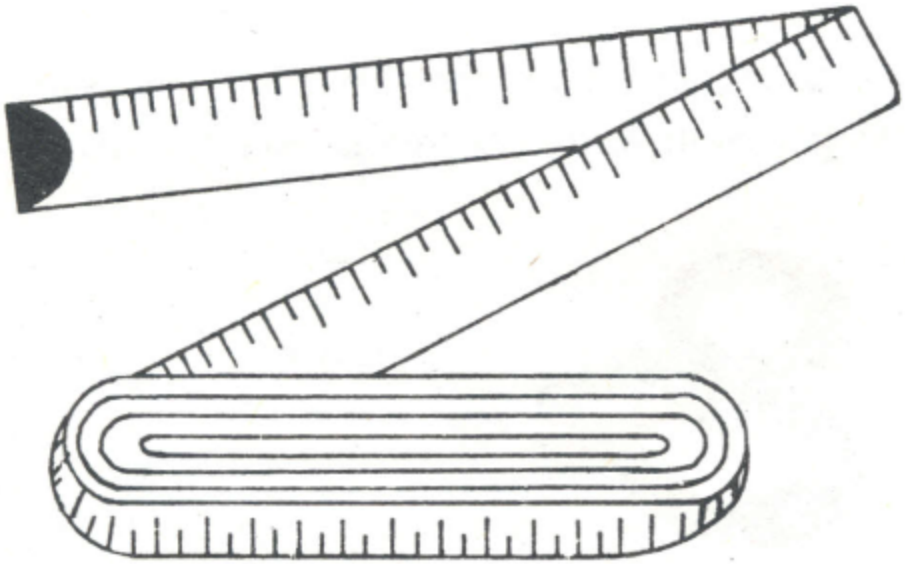

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- इंची टेप में _____ निशान होते हैं ।
- इंची टेप _____ का बना होता है ।
- सीपीजी मेजरिंग टेप में एक बार में _____ नाप लिए जाते हैं ।
- इंची टेप के दोनों तरफ _____ होती है
- _____ से नाप लिया जाता है ।
- 1 मीटर में _____ और _____ इंच होते हैं ।
- L स्केल की एक भुजा _____ और दूसरी भुजा की होती है ।
- फुट्टा _____ कहां बना होता है ।
- दर्जी कला कर्व _____ का होता है ।
- फ्रेंच कर्व से _____ की गोलियां की जाती है।
- कार्ड के फूटे का प्रयोग _____ किसके लिए किया जाता है ।
- टेलरिंग में परकार का प्रयोग _____ घेरे की शेप बनाने के लिए किया जाता है।
- ब्राउन पेपर का प्रयोग _____ बनाने के लिए किया जाता है ।
- ड्राफ्टिंग में ब्रिज का प्रयोग _____ को मिटाने के लिए किया जाता है
- गर्म कपड़े का प्रयोग _____ पर होता है ।

सही गलत -

- इंची टेप से नाप लिया जाता है । ( )

- इंची टेप में इंच नहीं होते हैं । ( )
- इंची टेप रवैया प्लास्टिक का होता है । ( )
- इंची टेप में पीतल के दली लगी होती है । ( )
- सीपीजी मेजरिंग टेप में एक बार में दो नाप लिए जाते हैं । ( )
- नाप के स्टैंड से नाप लिया जाता है । ( )
- गीदरी मापक इंची टेप से टांग के अंदरूनी भाग का नाप लिया जाता है । ( )
- सीटीजी मेजरिंग टेप से सूट का नाप लिया जाता है । ( )
- L स्केल में 90 का कोण बनता है। ( )
- फ्रेंच कर्व पीतल का बना होता हैं। ( )
- गर्म कपड़े को ड्राफ्टिंग मेज पर बिछाया जाता है। ( )
- बरुश के प्रयोग से ड्राफ्टिंग करते हैं। ( )
- कार्ड के फुट्ठे से कटिंग की जाती है। ( )
- L स्केल कटिंग में प्रयोग होता है ? ( )
- L स्केल की एक भुजा 12 इंच और दूसरी भुजा 24 इंच की होती है ? ( )
- L स्केल में 90 डिग्री का कोण बनता है ? ( )
- फ्रेंच कर्व ड्राफ्टिंग के काम आता है फ्रेंच कर्व पीतल का बना होता है ? ( )
- गर्म कपड़े को ड्राफ्टिंग मेज़ पर बिछाया जाता है ? ( )
- ब्रूस के प्रयोग से ड्राफ्टिन करते हैं ? ( )
- कार्ड के पुट्ठे से कटिंग की जाती है ? ( )
- ड्राफ्टिंग की कॉपी भी ड्राफ्टिंग इंच में बनाई जाती है? ( )
- दर्जी कला कर्व

मिलान करें-

1 मीटर में	3 नाप
ली मेजरिंग	रबड़ प्लास्टिक
सीपीज	100 सेंटीमीटर
इंची टेप	गिदरी मापक
1 इंच में	39.5

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ इंची टेप का प्रयोग क्यों किया जाता है ?

- ❖ इंची टेप के सही प्रयोग में क्या लाभ होता है ?
- ❖ टेलरिंग में गिद्री मापक का महत्व बताइए ?
- ❖ सीपीजी मेजरिंग टेप का महत्व बताइए ?
- ❖ नाप के स्टैंड का महत्व बताइए ?
- ❖ सही नाप लेने से क्या लाभ होता है ?
- ❖ ड्राफ्टिंग में एल स्केल का क्या कार्य है ?
- ❖ ब्रश का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
- ❖ ड्राफ्टिंग में फ्रेंच कर्व का क्या कार्य है ?
- ❖ फुट्टे का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
- ❖ ब्राउन पेपर से क्या कार्य होता है ?
- ❖ ब्राउन पेपर की किस स्तर पर कार्य किया जाता है ?
- ❖ लेग शेपर की सहायता से ड्राफ्टिंग में क्या कार्य किया जाता है ?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम सुनीता है, मैं आठवीं कक्षा तक पढ़ी हूं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के वजह से आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर सकी मेरे घर में दो भाई और एक बहन है घर में चार भाई बहन होने के कारण आर्थिक स्थिति पर बहुत प्रभाव पड़ा जिस कारण पढ़ाई के अलावा हम कोई कोर्स नहीं कर पाए ।

एक दिन हमारे घर पर सर्वेक्षण में मैडम आई उन्होंने बताया कि आपके घर के पास J.S.S सेंटर है । इस सेंटर में अनेक प्रकार के कोर्स कराए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इन कोर्स को करने के बाद तुम्हारे हाथों में हुनर आ जाएगा और आप अपने पैरों पर खड़े हो सकते हो मैंने J.S.S के सेंटर में दाखिला लिया और मैंने वहां से सिलाई का कोर्स किया उसके बाद में बुटीक खोला, खोलने से हमें अपने बुटीक से 10000 से 15000 कमा लेते हूं, जिस वजह से मैं अपने पापा की आर्थिक स्थिति मे मदद कर सकती हूं ।

- ❖ विद्यार्थी का क्या नाम है ?
- ❖ विधार्थी कौन सी कक्षा तक पढ़ी है ?
- ❖ विद्यार्थी के घर में कितने सदस्य हैं ?
- ❖ विद्यार्थी ने J.S.S सेंट्र से कौन सा कोर्स सीखा है?
- ❖ क्या विद्यार्थी ने अपना बुटीक खोला है ?
- ❖ विद्यार्थी को J.S.S सेंटर का पता कहां से चला ?
- ❖ विधार्थी J.S.S सेंटर से कोर्स करने के बाद महीने का कितना कमा लेती है ?

Question on job role

- टेलरिंग में इंची टेप का महत्व बताइए नाप लेने के उपकरण व सहायक सामान को कौन-कौन से हैं ?
- इंची टेप और सीपीजी मेजटिग टेप में अंतर स्पष्ट कीजिए ?
- गिदरी की सहायता से क्या लाभ होता है ?
- सीपीजी मैचतिग टेप का इस्तेमाल कहां किया जाता है ?
- सीपीजी मेजटिग टेप की सहायता से क्या लाभ होता है?
- ड्राफ्टिंग में फूटे का क्या उपयोग है ?
- L स्केल की सहायता से क्या कार्य होता है?
- ड्राफ्टिंग के उपकरण एवं सहायक सामान कौन-कौन से है ?
- L स्केल का चित्र बनाओ ?
- लेग शेपर का चित्र बनाओ ?
- फ्रेंच कर्व से कहां-कहां की गोलाइयां की जाती है ?
- दर्जी कलाकार का इस्तेमाल कहां किया जाता है ?
- कार्ड के पुट्ठे का उपयोग ड्राफ्टिंग में कहां किया जाता है और कार्ड फुट इंच या सेंटीमीटर किसमें होता है?

बहु विकल्पीय प्रश्न

इंची टेप की सहायता से क्या होता हैं ?

- नाप
- कटिंग
- कुछ भी नहीं
- कपड़े को सजाया जाता हैं

सी.पी .जी मेजटिग टेप से एक बार में कितने नाप लिए जाते हैं ?

- 10 नाप
- 2 नाप
- 8 नाप
- 3 नाप

सीपीजी मेस्टिक टेप की सहायता से किस वस्त्र का नाप लिया जाता है?

- फ्रॉक
- सूट
- पेंट
- कोट

इंची टेप में कौन से निशान होते हैं ?

- इंच के
- गंज के
- सेंटीमीटर के
- सभी

1 मीटर में कितने सेंटीमीटर और कितने इंच होते हैं ?

- 100 सेंटीमीटर 50 इंच
- 100 सेंटीमीटर 30
- 100 सेंटीमीटर 29 इंच
- 100 सेंटीमीटर 60 इंच

इंची टेप किसका बना होता है टेल्टिंग में ?

- लकड़ी
- लोहा
- रब्बर
- हाथी दांत

इंची टेप के दोनों सिरे में कितने इंच की पीतल की पट्टी लगी होती है ?

- 2 से 5
- 1 4 से
- 4 से 10
- 1.5 से 3

L स्केल कितने डिग्री का कोण का होता है ?

- 90 डिग्री
- 70 डिग्री
- 75 डिग्री
- 80 डिग्री

L स्केल की कितनी भुजा होती है ?

- चार भुजा
- 2 भुजा
- एक भुजा
- 3 भुजा

L स्केल का इस्तेमाल कहां किया जाता है ?

- कोण में
- ड्राफ्टिंग में
- सिलाई में
- नाप में

L स्केल की दोनों भुजाएं कितने इंच की होती है ?

- 10 इंच से 20 इंच
- 14 इंच से 14 इंच
- 15 इंच से 24 इंच
- 12 इंच से 24 इंच

दर्जी कला कर्व किस चीज का बना होता है ?

- लकड़ी
- प्लास्टिक
- हाथी दांत
- सभी

फ्रेंच कर्व से कहां-कहां की गोलाइयाँ की जाती है ?

- गले
- घेरे
- मुद्दे
- सभी

ड्राफ्टिंग की कॉपी में ड्राफ्टिंग किस मे की जाती है ?

- इंच में
- सेंटीमीटर में

- बिना नाप से
- इनमें से कोई नहीं

दर्जी चॉक किस मिट्टी का बना होता है ?

- सफेद मिट्टी
- सभी
- पीली मिट्टी
- खड़िया मिट्टी

चित्र बनाओ

L स्केल

फ्रेंड्स कर्व

ब्रूस

दर्जी चॉक

कार्ड फुटा

लेग शैपर

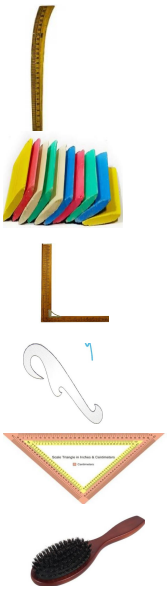

काटने के उपकरण

मसौदा तैयार करने वाले उपकरणों के बारे में जानने के बाद, आइए हम काटने के उपकरणों के बारे में जानें जो इस प्रकार है:-

1. कतरनी

ये कैंची हैं जो 10 "से 14" लंबी हैं। वे आम तौर पर मोटे कपड़ों या कपड़े की 6-7 परतों को एक साथ काटने के लिए उपयोग किए जाते हैं। कतरनी इतनी आकार की होती है कि वे आसानी से कपड़े को काट सकते हैं और उस सतह से कपड़े को कम से कम उठा सकते हैं जिस पर इसे काटा जा रहा है। हैंडल इसलिए बनाए जाते हैं ताकि अंगूठा एक में फिट हो जाए और दूसरे में 2-3 उंगलियां। निचला ब्लेड सीधा है और ऊपरी ब्लेड एक कोण पर है।

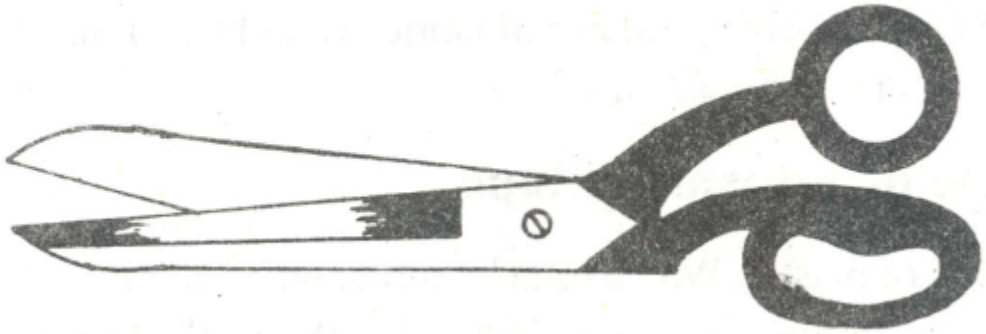

कैंची

ये लंबाई में 7 "से 10" हैं। ये आमतौर पर घरों में प्रकाश सामग्री को काटने के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह वजन में काफी हल्का होता है। दोनों ब्लेड समान आकार के होते हैं।

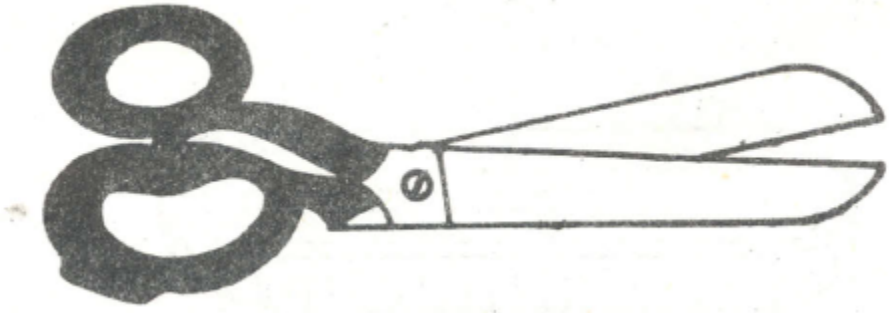

ट्रिमिंग कैंची

ये लंबाई में लगभग 4 "से 5" हैं। इनका उपयोग किसी परिधान की सिलाई करते समय या सिलाई के बाद परिधान को खत्म करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग लेस काटने, पाइपिंग रिबन, स्ट्रिंग्स और कढ़ाई धागे के लिए भी किया जाता है।

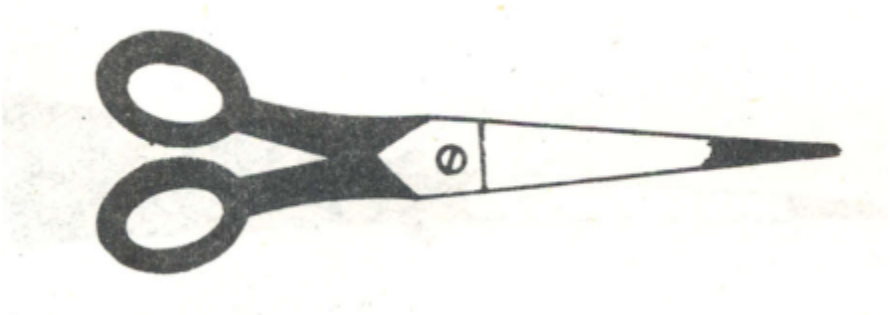

पिंकिंग कतरनी

ये लंबाई में लगभग 8 "से 10" हैं। वे ब्लेड जो पायदान किनारों है के साथ डिजाइन कर रहे हैं. उनका उपयोग सीम के कच्चे किनारों को खत्म करने के लिए किया जाता है ताकि किनारे न हों। इन कतरनी द्वारा काटा गया किनारा zig zag दिखाई देता है। यह फिनिश आमतौर पर महिलाओं और बच्चों के कपड़ों में दिया जाता है।Pinking

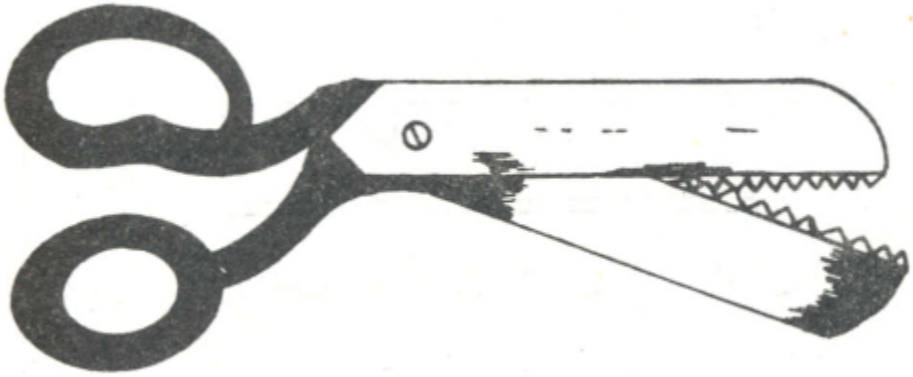

बटनहोल कैंची

इसका उपयोग बटनहोल बनाने के लिए किया जाता है। ये कैंची लंबाई में 4 "से 6" हैं। वे बटन छेद को 1/2 से लंबाई में 6 अंक तक काट सकते हैं। एक पेंच है जिसका उपयोग बटनहोल के लिए कट की लंबाई को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। पेंच को कसकर कटौती को छोटा किया जा सकता है और पेंच को ढीला करके लंबा किया जा सकता है।

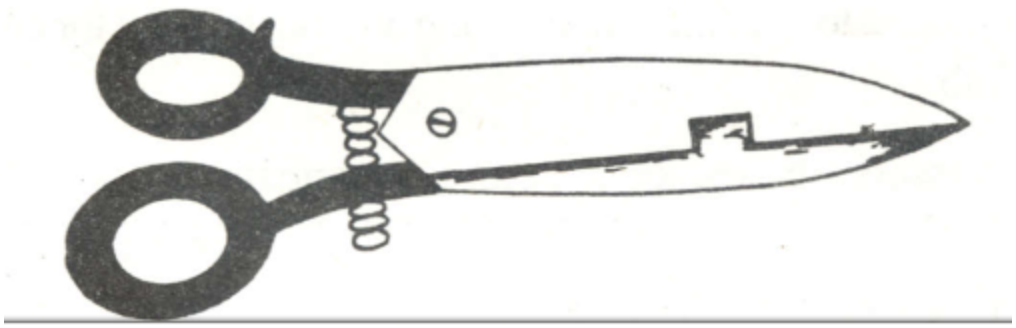

पोकर

इसे 'होल मेकर' के नाम से भी जाना जाता है। यह आमतौर पर मेटाआई से बना होता है और इसका उपयोग छेद करने के लिए किया जाता है। यह एक सिरा से तेज और नुकीला और दूसरे छोर पर एक लकड़ी के हैंडल के साथ रॉड के आकार का है।

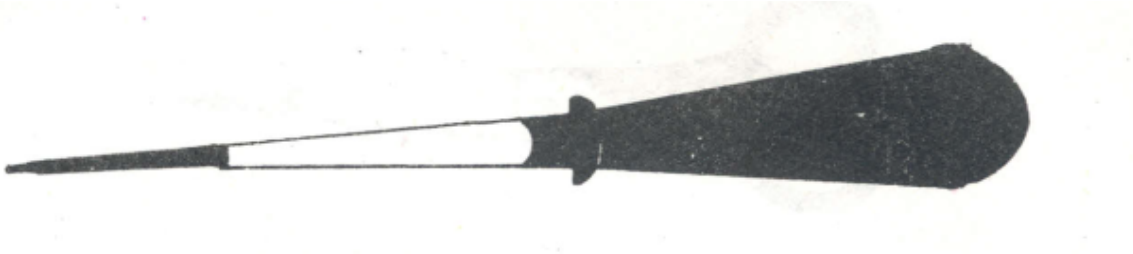

नॉचिंग कैंची

इसे 'ट्रक मार्कर' के रूप में भी जाना जाता है। यह धातु से बना है। निचले किनारे पर नॉच होते हैं जिनका उपयोग टक या प्लीट्स को चिह्नित करने के लिए किया जाता है।

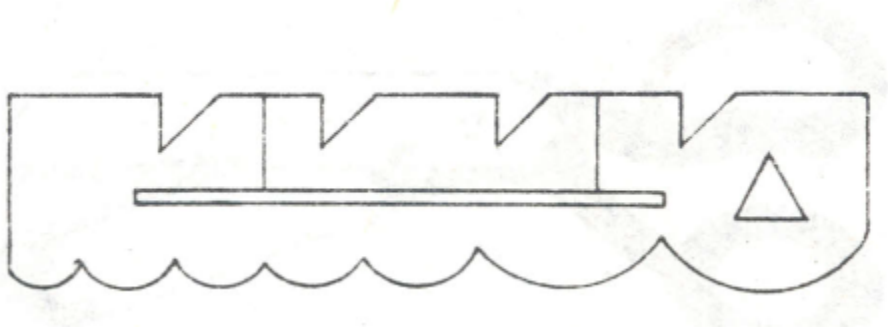

सिलाई उपकरण

सिलाई में दो प्रकार की सुइयों का उपयोग किया जाता है (मशीन सुई, हाथ सुई):-

i. मशीन सुई दो तरह के होते हैं-

फ्लैट हेड सुइ

इस प्रकार की सुई एक तरफ सपाट और दूसरी तरफ गोल होती है। यह आमतौर पर घर पर उपयोग की जाने वाली सिलाई मशीनों में उपयोग किया जाता है। सुइयों के विभिन्न आकार हैं और उन्हें तदानुसार

गिना जाता है। मोटी सुइयों का उपयोग मोटी या मोटे सामग्री के लिए किया जाता है और महीन सुइयों का उपयोग महीन सामग्री की सिलाई के लिए किया जाता है।

राउंड हेड सुई

इस प्रकार की सुई का एक गोल सिर होता है। यह आमतौर पर बिजली, औद्योगिक सिलाई मशीनों में उपयोग किया जाता है। मशीन सुई सिंगर, पुफ, उषा आदि जैसे कई ब्रांडों में उपलब्ध हैं। आप केवल अच्छी गुणवत्ता की सुइयों को खरीदने के लिए ध्यान दें । सभी मशीन सुइयों को 9 से 24 तक गिना जाता है। सुई की संख्या इसकी मोटाई के साथ बढ़ जाती है। 9 नंबर वाली सुई बारीक सुईयां हैं।

सुई संख्या 9-11

ये बहुत महीन सुई हैं। इनका उपयोग बहुत महीन और नाजुक सामग्री पर सिलाई या कढ़ाई के लिए किया जाता है।

ii) सुई संख्या 12-14

ये सुईयाँ थोड़ी मोटी और बड़ी होती हैं। ये कलिकोस, लिनन, सूती और रेशमी कपड़े पर प्रयोग किया जाता है।

सुई नंबर 15

इन सुइयों का उपयोग कैम्ब्रिक, ऑर्गेनडी, वोइला आदि जैसे कपड़ों पर किया जाता है।

iv) सुई संख्या 16

इन सुइयों का उपयोग किसी भी प्रकार के कपड़े जैसे पॉपलिन, लंबे कपड़े आदि को सिलाई करने के लिए किया जा सकता है।

v) सुई संख्या 18

इन सुइयों का उपयोग जींस, टसर, कॉर्डरॉय और ऊनी कपड़े की सिलाई के लिए किया जाता है।

(vi) सुई संख्या 19

इन सुइयों का उपयोग पैराशूट, कैनवास आदि की सिलाई के लिए किया जाता है।

vii) सुई संख्या 21 से 24

ये सुई बहुत मोटी होती हैं और आमतौर पर कारखानों में उपयोग की जाती हैं। वे तिरपाल सिलाई और सिकुड़े हुए मोटे कपड़े के लिए उपयोग किए जाते हैं ।

हाथ सुई

हाथ की सुई कई प्रकार की होती है - कुछ लंबी, कुछ छोटी, कुछ बारीक और कुछ मोटी होती हैं। छोटी, मोटी सुइयों का उपयोग जेंट्स कपड़ों में बास्टिंग और हेमिंग के लिए किया जाता है। ये सुई मजबूत होती हैं। सुविधा के लिए इनकी गिनती भी की जाती है। सुई की बारीकी के साथ संख्या बढ़ जाती है और सुई मोटी होने के साथ कम हो जाती है। हाथ की सुइयों को 0 से 12 तक गिना जाता है। इनका उपयोग कपड़े के अनुसार किया जाता है।

सुई नंबर 0-1

ये मोटी सुई हैं। उनका उपयोग सूटकेस सिलाई करने के लिए, गद्दे को रजाई के लिए और बोरियों, तिरपालों की सिलाई के लिए और चमड़े के काम के लिए किया जाता है।

सुइ संख्या 2-3

इन सुइयों का उपयोग असबाब के काम के लिए किया जाता है। सुई नंबर 3 का उपयोग स्वेटर सिलाई के लिए किया जाता है। इसकी एक लंबी आंख होती है। इसका उपयोग कॉलर के बिंदु को बनाने के लिए भी किया जाता है।

सुई संख्या 4-5

इनका उपयोग सैन्य वर्दी की सिलाई के लिए और मोटे ऊनी कपड़ों को बास्टिंग के लिए किया जाता है। सुई संख्या 4-5 का उपयोग जेंट्स कपड़ों में बटनहोल बनाने के लिए किया जाता है।

सुई संख्या 6-8

ये सुईयाँ ठीक और लंबी होती हैं और कपास पर हेमिंग करने के लिए उपयोग की जाती हैं और रेशमी वस्त्र ।

सुई नंबर 9-10

ये सुइयां बहुत महीन और नाजुक होती हैं। वे शिफॉन, नायलॉन, टेरिलीन, आदि पर कढ़ाई काम के लिए उपयोग किया जाता है

सुई नंबर 11-12

ये सुइयां बालों की तरह महीन होती हैं। छेद सुनहरे रंग का है। ये सुई आम तौर पर कढ़ाई के लिए प्रयोग किया जाता है.

अंगुश्ताना

यह हाथ की सिलाई के दौरान उंगलियों की सुरक्षा के लिए एक सहायता है। यह कठोर प्लास्टिक या धातु से बना है । यह दो प्रकार के होते हैं - एक छोटे से कांच के आकार का और दूसरा एक के आकार का छोटे कांच दोनों सिरों पर खुलते हैं। यह आमतौर पर दाहिने हाथ की मध्य उंगली पर पहना जाता है ताकि कि सुई आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है अभी तक उंगली की रक्षा रखने के लिए. बाहरी सतह है नी मरने के आकार के छोटे निशान। एक थिंबल का उपयोग करना हाथ सिलाई के लिए दक्षता उधार देता है।

<u>अभ्यास</u>

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

- बिजली कैंची का प्रयोग _____ में किया जाता है ।
- बिजली कैंची से एक बार में _____ तंहे इकट्ठे काटी जाती है ।
- काज वाली कैंची का प्रयोग _____ में होता है ।
- कटावदार कैंची का प्रयोग में _____ होता है ।
- छीदरक का प्रयोग _____ कपड़े पर निशान उतारने के काम आता है ।

- छोटी कैंची का प्रयोग _____ काटने के लिए होता है ।
- बड़ी कैंची का प्रयोग _____ काटने के लिए होता है ।
- फिरकी मारका का प्रयोग कपड़े _____ पर निशान उतारने के काम आता है।

सही गलत

- छिद्रक का प्रयोग पतले कपड़े पर निशान उतारने के लिए करते हैं । ( )
- फिरकी मारका का प्रयोग मोटे कपड़े पर निशान उतारने के लिए करते हैं । ( )
- बिजली की कैंची से एक बार में एक कपड़ा काटा जाता है । ( )
- बांडकीन धागे निकालने में काम आती है । ( )
- कटावदार कैंची से सूट की कटिंग करते हैं । ( )
- बड़ी कैंची का प्रयोग उद्योग शालाओं में होता है कटाई में मेज पर कपड़े की कटिंग की जाती है। ( )
- बिजली वाली कैंची का प्रयोग घर में होता है। ( )

मिलान करें-

छिदरक

फिरकी मार्का

छोटी कैंची

बड़ी कैंची

कटावदार कैंची

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम दीप्ति है मैंने पांचवी क्लास तक पढ़ाई की है, घर की आर्थिक हालात कमजोर होने के कारण आगे नहीं पढ़ पाई। एक दिन मैं घर पर ही थी कि तभी घर पर सर्वे करने एक मैडम आई। सर्वे में मैडम ने J.S.S सेंटर के बारे में बताया। जिसमे कई तरह के कोर्स होते है, जैसे पार्लर, अगरबत्ती, सिलाई, कढ़ाई, मैंने J.S.S सेंटर में सिलाई का कोर्स किया जिसको करने से

मैं सिलाई करके बाहर के कपड़े सिलने से ₹8000 कमा लेती हूं जिससे घर की आर्थिक हालत में सुधार हुआ जिस कारण मैंने अपने पिताजी के जीविका चलाने में सहायक बनी। जिससे मेरे पिता को बहुत मदद मिली।

- ❖ विधार्थी का क्या नाम है ?
- ❖ विद्यार्थी कौन सी कक्षा तक पढ़ी है ?
- ❖ विद्यार्थी में कौन से सेंटर से कोर्स करा है ?
- ❖ विद्यार्थी को J.S.S सेंटर के बारे में किसने बताया।
- ❖ विधार्थी ने कौन सा कोर्स कब किया ?
- ❖ विद्यार्थी को किस कोर्स से किस प्रकार से फायदा हुआ।

Question on job role

1. कपड़ों की कटिंग के लिए मेज क्यों आवश्यक है ?
2. कटिंग कटावदार कैंची का क्या महत्व है ?
3. छिद्रक का प्रयोग कौन से कपड़ों पर निशान उतारने के लिए किया जाता है ?
4. फिरकी मारका का प्रयोग कौन से कपड़ों का निशान उतारने के लिए प्रयोग किया जाता है ?
5. बॉडकिन का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
6. बिजली वाली कैंची का प्रयोग कहां किया जाता है ?
7. कांच वाली कैंची का प्रयोग कहां होता है ?
8. छोटी कैंची का प्रयोग कहां होता है ?
9. बड़ी कैंची का इस्तेमाल कहां किया जाता है?
10. कटाई में मैच की क्या आवश्यकता है ?
11. बिजली वाली कैंची का प्रयोग कहां किया जाता है और एक बार में बिजली की कैंची कितने कपड़ों को काट सकती है ?
12. कटाई में छिद्रक क्यों आवश्यक है ?
13. कटाई में फिरकी मारका क्यों आवश्यक है ?
14. काज वाली कैंची का प्रयोग कहां किया जाता है नाम बताओ ?

15. बड़ी कैंची का प्रयोग कहां किया जाता है और बड़ी कैंची से एक बार में कितने कपड़ों को काटा जा सकता है ?
16. कटाई में छोटी कैंची का क्या महत्व है?
17. कटाई में कटावदार कैंची किस काम आती है ?
18. कटावदार कैंची का प्रयोग कौन-कौन से कपड़ों पर करते हैं?

बहु विकल्पीय प्रश्न

बिजली की कैची से एक बार में कितने कपड़े कट किए जा सकते हैं ?

- 100 से 200 तक
- 800 से 500 तक
- 500 से 700 तक
- 100 से 600 तक

काज वाली कैंची का प्रयोग कहां किया जाता है ?

- घर पर
- ऑफिस में
- दुकान पर
- औद्योगिक क्षेत्र पर

काज की कैंची के प्रयोग से कपड़े में काज कैसे बनते हैं ?

- मोटे
- पतले
- बड़े
- छोटे

छिद्रक के सहायता से निशान कौन-कौन से कपड़े पर उतारे जाते हैं ?

- हल्के
- पतले
- मोटे
- सभी

फिरकी मारका की सहायता से निशान कौन से कपड़े पर उतारे जाते हैं ?

- ऊनी
- हल्के
- सभी
- मोटे

बोडकिन किसका बना होता है ?

- प्लास्टिक
- लकड़ी
- सभी
- हाथी दांत

बोर्डकिन की सहायता से क्या कार्य किया जाता है ?

- धागे लगाए जाते हैं
- धागे हटाए जाते हैं
- कपड़े की कटिंग की जाती है
- कपड़े की सिलाई की जाती है

शरीर मापन

परिचय

वस्त्र बनाने के लिए जिस व्यक्ति के लिए वस्त्र बन रहा है, उसका माप लेना आवश्यक है। यदि माप ठीक से नहीं लिया जाता है तो परिधान की फिटिंग खराब होगी। मापने के कुछ नियम हैं और इसे करने के कई तरीके हैं। लेकिन हम पहले यह पता लगाएंगे कि सही ढंग से मापना क्यों आवश्यक है, माप लेते समय बरती जाने वाली सावधानियां, आदि।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आप निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

- इंच टेप सही ढंग से उपयोग करना;
- मापने के विभिन्न तरीकों का उपयोग करना;
- मापने के दौरान सावधानियों का पालन करना;
- माप व्यवस्थित रूप से लेना।

मापने के लिए इंच-टेप का उपयोग करना

माप लेने के लिए उपयोग किए जाने वाले टेप को "इंच-टेप" के रूप में जाना जाता है। यह आमतौर पर कपड़े या प्लास्टिक से बना होता है। इसमें एक छोर पर 3 "और दूसरे छोर पर 1/2" की एक धातु की पट्टी लगी होती है चौड़ाई और परिधि को मापने के लिए उपयोग किया जाता है 3" पट्टी के साथ अंत लंबाई और छोटी पट्टी के साथ पक्ष को मापने के लिए उपयोग किया जाता है । टेप को एक तरफ इंच में चिह्नित किया गया है और दोनों सेंटीमीटर और रिवर्स पर इंच में हर इंच को 8 अंकों में चिह्नित किया गया है। ताकि सटीक माप लिया जा सके। इस तरह, मापने वाले टेप का उपयोग किया जा सकता है वस्त्र बनाने के लिए शरीर के किसी भी भाग को मापना।

सही ढंग से मापना

एक परिधान का फिट कपड़े के काटने और सिलाई पर निर्भर करता है। वस्त्र को ठीक से काटने का आधार माप है क्योंकि केवल जब उचित माप लिया गया है तभी आप अच्छी कटाई कर सकते हैं। इसलिए, एक शुरुआत के लिए विभिन्न माप लेने के तरीके को जानना आवश्यक हो जाता है ताकि एक अच्छी तरह से फिटिंग परिधान तैयार किया जा सके माप लेने के दो तरीके हैं

i. छाती मापन प्रणाली:

   इस प्रणाली में छाती का माप बाकी सभी मापो के आधार के रूप में लिया जाता है।

ii. प्रत्यक्ष मापन प्रणाली

   इस प्रणाली में, शरीर के विभिन्न भागों को ठीक से मापा जाता है ताकि एक अच्छी तरह से फिटिंग वस्त्र प्राप्त किया जा सके।

मापते समय निम्नलिखित का निरीक्षण करें:

i. इंच-टेप को किसी भी स्थान पर मोड़ा या कर्ल नहीं किया जाना चाहिए।

ii. परिधि को मापते समय, टेप के नीचे, अंदर 2-3 उंगलियों को रखें और बाहर की ओर अंगूठा।

iii. चौड़ाई और परिधि और 3 "पट्टी पक्ष को मापने के लिए 1/2' पट्टी अंत का उपयोग लंबाई के लिए करें।

मूल रूप से तीन प्रकार के उपाय हैं: -

1. लंबाई - परिधान की पूरी लंबाई, कंधे से कमर, आस्तीन की लंबाई, आदि और कम कपड़ों के लिए - कमर से नीचे की लंबाई, क्रोच लंबाई, आदि

2. चौड़ाई - कंधों के पार, पीठ भर में, आदि |

. 3. परिधि - इंच टेप मापा करने के लिए गोल छाती, गोल आस्तीन, पतलून नीचे, गोल घुटने, कूल्हे, गोल कमर, दौर गर्दन, आदि क्षेत्र के चारों ओर लपेटा जाता है

मानव शरीर मापनको सुविधाजनक बनाने के लिए आठ माप क्षेत्रों में विभाजित किया गया है । इसे 'आठ हेड सिद्धांत' के रूप में भी जाना जाता है। ये क्षेत्र हैं:

सिर के ऊपर से ठोड़ी तक

चिन से निप्पल तक

निप्पल से नाभि तक

नाभि से श्रोणि आर्क तक

श्रोणि आर्क से मध्य जांघ

पैर सेमध्य जांघ

पैर के निचले हिस्से से निचले पैर तक

एड़ी से निचला पैर

कूल्हे के नीचे का क्षेत्र।
घुटने के नीचे संकीर्ण क्षेत्र
काफ के नीचे संकीर्ण क्षेत्र
आठ हेड विभाजन पैर की उंगलियों पर खड़े एक वयस्क की ऊंचाई पर लागू होता है। योग्य शरीर के इन आठ क्षेत्रों का ज्ञान वस्त्र बनाने के लिए सही माप प्राप्त करने में बहुत सहायक है।

माप लेते समय सावधानियां
किसी को भी नापते समय निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए:-
1. मापे जा रहे व्यक्ति के दाईं ओर खड़े हो जाओ.
2. एक दर्जी के रूप में सख्त आत्म नियंत्रण
3. जितनी जरुरत हो उतनी ही बातें करें
4. विनम्र और व्यवहार में सरल हो.
5. नापे जा रहे व्यक्ति के सामने खड़े होने से बचें।
6. कुछ लोग शर्मीले होते हैं परिधान का डिजाइन, आदि, बारे में पूछकर उन्हें सहज करना चाहिए
7. व्यवस्थित और अनुक्रमिक रूप से माप लें।
8. दूसरे व्यक्ति को अनावश्यक रूप से छूने से बचें।
9. यह देखने के लिए सावधान रहें कि टेप को मापने के दौरान किसी भी स्थान पर मुड़ता है या गुना नहीं करता है।
10. लंबाई को मापने के लिए 3 "धातु पट्टी के साथ अंत का उपयोग करें और दूसरे छोर को चौड़ाई और परिधि मापने के लिए उपयोग करें।
11. माप लेने के लिए दूसरे व्यक्ति को वूलन जैसे भारी अतिरिक्त कपड़ों को हटाने के लिए कहें,
12. परिधि को मापने के दौरान टेप के नीचे, दो - तीन उंगलियों को अंदर रखें
और बाहर की ओर अंगूठा।
13. एक नोटबुक में एक साथ माप नीचे नोट.
14. मापने के दौरान विशेष समायोजन की जरूरतों के लिए शरीर का निरीक्षण करें।
'L' पैमाने का उपयोग
यह लकड़ी, प्लास्टिक या धातु से बना है। यह अंग्रेजी के अक्षर 'L' के आकार का है इसलिए यह इसे 'L' स्केल कहा जाता है। यह एक तरफ 24 "लंबा और दूसरी तरफ 12" चौड़ा है। यह आमतौर पर दर्जी द्वारा उपयोग किया जाता है क्योंकि यह उनके काम को सुविधाजनक और आसान बनाता बनाता है।

मापन लेने का अनुक्रम

माप हमेशा एक अनुक्रम में लिया जाना चाहिए। सभी लंबाई को मापने के लिए सावधान रहें यदि लंबाई को मापा जा रहा है या यदि चौड़ाई को मापा जा रहा है, तो एक ही समय में सभी चौड़ाई को मापें। बेतरतीब ढंग से माप लेना, अर्थात्, एक लंबाई और फिर एक चौड़ाई और फिर फिर से एक लंबाई में वापस आना सही नहीं है। इसलिए, किसी को उस अनुक्रम को जानना चाहिए जिसमें माप लिया जाना चाहिए।

1. गोल आकार मापन

i) गोल छाती

इस उपाय को महिलाओं के लिए 'राउंड बस्ट' और पुरुषों के लिए 'गोल छाती' कहा जाता है। सही माप लेने के लिए, टेप को बाहों के नीचे, पीछे की ओर पास करें और छाती के केंद्र में, सामने के छोर को पकड़ें।

गोल कमर

यह भी एक प्रकार का गोल माप है। मापी जाने वाली जगह छाती के नीचे और कूल्हों के ऊपर संकीर्ण हिस्सा है।

गोल कूल्हे

उभरा हुआ, पीछे की ओर विस्तारित हिस्सा, कूल्हे का क्षेत्र है। क्षेत्र के गोल माप को गोल कूल्हे कहा जाता है। इसे महिलाओं के लिए 'हिप' और पुरुषों के लिए 'सीट' कहा जाता है। मापते समय टेप के नीचे दो उंगलियां डालने की सलाह दी जाती है।

गोल गर्दन

यह गर्दन के लिए गोल माप है। छोटी पट्टी के साथ टेप के अंत का उपयोग इस माप को लेने के लिए किया जाना चाहिए: टेप के नीचे एक उंगली को अंदर रखना सबसे अच्छा है और बाहर की ओर अंगूठे।

घुटने का मापन

व्यक्ति की पसंद के अनुसार माप लिया जाता है। यह आमतौर पर तंग फिटिंग निचले शरीर के कपड़े बनाने के लिए लिया जाता है, जैसे कि चूड़ीदार पायजामा, आदि। टेप को घुटने के नीचे से पारित किया जाता है और घुटने के शीर्ष पर लाया जाता है। इस माप को लेते समय, व्यक्ति को आदर्श रूप से एक कुर्सी पर बैठने के लिए कहा जाना चाहिए, जिसमें घुटने को समकोण पर मोड़ा जाता है।

काफ

घुटने के नीचे पैर के मांसपेशियों के हिस्से को बछड़ा कहा जाता है। यह माप अच्छी तरह से फिटिंग वाले निचले वस्त्रों जैसे चूड़ीदार पायजामा आदि के लिए लिया जाता है।

vii) राउंड बॉटम

यह माप ऊपरी और निचले शरीर के कपड़ों दोनों के लिए लिया जाता है। ऊपरी शरीर के वस्त्रों में इसे गोल तलीली आस्तीन और निचले शरीर के वस्त्रों में इसे लोअर राउंड बॉटम कहा जाता है, जैसे कि पतलून, पजामा आदि में। यह माप प्रचलित फैशन के साथ भिन्न होता है।

चौड़ाई माप

(i) कंधे

इसे पीछे की तरफ से लिया जाना है। माप कंधों के एक छोर से दूसरे छोर तक है।

छाती के पार

इसे सामने से लिया जाना है। इसे छाती के सबसे संकीर्ण से दूसरी तरफ के आर्म साइस के बीच से। भाग पर मापा जाता है

3. लंबाई उपायों

3. लंबाई माप

i) आस्तीन की लंबाई

टेप के अंत को कंधे के शीर्ष पर रखा जाता है और वांछित आस्तीन की लंबाई को तब मापा जाता है।

कंधे से कमर तक

यह माप गर्दन के आधार पर नल के अंत को रखकर और कमर तक मापकर पीछे की ओर से लिया जाता है जो छाती के नीचे संकीर्ण हिस्सा है।

पूर्ण लंबाई

ऊपरी शरीर के कपड़ों के लिए पूरी लंबाई अंत रखकर सामने से ली जाती है। गर्दन के आधार पर टेप की और परिधान की वांछित लंबाई लंबाई तक माप

लंबाई को निचले शरीर के कपड़ों जैसे पतलून, आदि के लिए मापा जाता है, रखकर

टेप का अंत नाभि के नीचे एक इंच और पैर की अंगुली तक मापने के लिए। इस लंबाई

वांछित के रूप में विविध किया जा सकता है।

Crotch लंबाई

इस लंबाई को उस बिंदु से मापा जाता है जहां दोनों पैर मिलते हैं और इसे पैर के अंदर लिया जाता है

MEASUREMENTS FOR CHILDREN

Age	Chest	Waist	Hip	Across Back	Neck	Sleeve	Natural Waist (Shoulder to waist)	Length Short	Length Frock	Length
1 Year	18" 46cm	18" 46cm	18" 46cm	8" 20cm	9" 23cm	10" 25cm	7" 18cm	9" 23cm	15"-16" 38-41cm	16"-18" 41-46cm
1-2	20" 51cm	20" 51cm	20" 51cm	8½ 22cm	9½ 25cm	11" 28cm	7½ 19cm	10" 25cm	16"-18" 41-46cm	18"-20 46-51cm
3-4	22" 56cm	22" 56cm	22" 56cm	9" 23cm	10" 25cm	12" 31cm	8" 21cm	11" 28cm	20"-22" 51-56cm	20"-22" 51-56cm
5-6	24" 61cm	22" 56cm	24" 61cm	10" 25cm	11" 28cm	14" 36cm	9" 23cm	12" 31cm	24" 60cm	22"-24" 56-61cm
7-8	26" 66cm	23" 58cm	28" 71cm	11" 28cm	11½ 29cm	17" 43cm	10" 25cm	13" 33cm	26" 66cm	26"-28" 66-71cm
9-10	28" 71cm	24" 61cm	30" 79cm	12" 31cm	12½" 32cm	19" 48cm	11½" 29cm	14½" 37cm	28" 71cm	28"-30" 71-76cm
11-12	30" 76cm	25" 64cm	33" 84cm	13" 33cm	13" 33cm	21" 54cm	13" 33cm	16" 41cm	30" 77cm	30"-32" 76"-81"

MEASUREMENTS FOR ADOLESCENTS AND LADIES

Age	Bust (Breast)	Waist	Hip	Across Back	Neck	Sleeve Length	Natural Length	Frock Length	Blouse
13-14	30" 76cm	25" 64cm	33" 84cm	13" 33cm	13" 33cm	21" 54cm	13" 33cm	32"-34" 81-86cm	13½" 35cm
15-16	32" 81cm	26" 66cm	35" 89cm	13½ 35cm	13½" 35cm	22" 56cm	13½" 35cm	35" 89cm	3½" 35cm
17-18	33" 86cm	26½" 69cm	36" 94cm	13½" 36cm	13½" 36cm	22" 56cm	13½" 36cm	36" 94cm	14" 37cm
19-20	35" 86cm	27½" 69cm	38" 94cm	14" 36cm	14" 36cm	22½" 56cm	14½" 36cm	38" 94cm	15" 37cm
21-22	35" 88cm	27½" 70cm	38" 97cm	14" 36cm	14" 36cm	22½" 58cm	14½" 37cm	38" 97cm	15" 38cm
23-24	36" 91cm	28" 71cm	40" 102cm	14" 36cm	14" 36cm	23" 58cm	15" 38cm	40" 102cm	16" 41cm

MEASUREMENTS FOR GENTS

Age	Chest	Waist	Hip	Across Back	Yoke	Round Neck	Sleeve	Neck to Waist	Shirt Length	Bush Length	Short Length	Pant Length	Crotch Length
13-14	30" 76cm	27" 69cm	33" 84cm	6½ 17cm	15" 38cm	13½" 34cm	22" 56cm	14" 36cm"	28" 71cm	26" 66cm	15" 38cm	37" 94cm	27" 69cm
15-16	32" 81cm	28" 71cm	34" 86cm	6 3/4" 17cm	16" 41cm	13 3/4" 35cm	22½" 57cm	14½" 37cm	29" 74cm	27" 69cm	15½" 39cm	38" 97cm	28" 71cm
16-17	33" 84cm	29" 74cm	35" 89cm	7" 18cm	16½" 42cm	14" 36cm	23" 59cm	15" 38cm	30" 76cm	27½" 70cm	16" 41cm	39" 99cm	28½" 72cm
18-19	34" 86cm	30" 76cm	36" 91cm	7 1/4" 19cm	17" 43cm	14½" 37cm	23½" 60cm	15½" 39cm	30½" 76cm	28" 71cm	16½" 42cm	40" 102cm	29" 74cm
20-21	35" 89cm	31" 79cm	37" 94cm	7½" 19cm	17½" 45cm	14½" 37cm	24½" 61cm	16" 41cm	3" 79cm	29" 74cm	17" 43cm	41" 104cm	29½" 75cm
22-23	36" 91cm	32" 81cm	38" 97cm	8" 20cm	18" 46cm	15" 38cm	24" 61cm	16½" 42cm	32" 82cm	30" 76cm	17½" 45cm	42" 107cm	30" 76cm
23-24	37" 94cm	33" 84cm	39" 99cm	8" 20cm	18" 46cm	15" 38cm	25" 64cm	16½" 42cm	33" 85cm	31" 79cm	18" 46cm	42" 1087cm	30" 76cm

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- कपड़े को व्यवस्थित करने का नाम _____ होता हैं।
- रीढ टरवने और कलाई के जोड़ों को _____ कहते हैं ।
- शरीर नाप लेने वाले फिन्ते को _____ कहते हैं ।
- चेस्ट का माप लेते समय _____ डालकर मापते हैं।
- शरीर माप लेते समय _____ खड़ा होना चाहिए।
- शरीर नाप लेते समय व्यक्ति को दोनों _____ जोड़कर सीधा खड़ा होना चाहिए।

सही गलत –

- शरीर नाप लेते समय व्यक्ति को सीधा खड़ा होना चाहिए। ( )

- कपड़े को व्यवस्थित करने को ड्राइंग कहते हैं । ( )
- रीढ रखने और कलाई के जोड़ों को ग्लाइडिंग कहते हैं । ( )
- शरीर माप का प्रयोग पेसिंग के लिए किया जाता है । ( )
- शरीर माप का सिद्धांत तीस प्रकार आधारित होता है । ( )

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ कौन सा सिद्धांत शरीर आकृति के अनुपात का वर्णन करता है ?
- ❖ कपड़े पर पैटर्न को व्यवस्थित करने का नाम क्या है ?
- ❖ शरीर का नाप लेने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरण कौन सा है?
- ❖ शरीर का नाप लेने का सही तकनीक क्या है?
- ❖ लंबाई नापते समय टेप की पट्टी वाला सिरा कहा होना चाहिए?
- ❖ शरीर का नाप लेते समय ध्यान देने वाली सावधानियां बताइए?
- ❖ शरीर का माप किन 2 सिद्धांतों आधारित हैं विस्तार में बताइए?
- ❖ परिधान बनाने में पैटर्न किस प्रकार सहायक है ?
- ❖ शरीर का नाप लेने में इंची टेप और पैटर्न का क्या महत्व होता है ?
- ❖ लेआउट और पैटर्न के उत्तर बताओ? शरीर का नाप लेने का सही तरीका क्या है और किस कर्म से लिया जाता है ?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम नेहा है। मैंने आठवीं तक पढ़ाई की है। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण आगे नहीं पढ़ पाए एक दिन मैं घर पर थी तभी घर पर सर्वे करने के लिए घर पर एक मैडम आई।

सर्वे के दौरान मैडम ने J.S.S सेंटर के बारे में बताया, उन्होंने बताया यहाँ अगरबत्ती, पारलर, सिलाई-कढाई सिखाई जाती है। फिर मैंने सिलाई के कोर्स में दाखिला लिया और मैंने इसे सिखने के बाद पहले तो अपने परिवार के कपड़े सिले बाद में आस-पड़ोस यह कपड़े सिले जिस कारण आज मैं 8 से ₹10000 महीना कमा लेती हूं। इस कारण हमारे घर की आर्थिक स्थिति

में सुधार आया है। पापा को बहुत सहायता हुआ है। हमारे घर में खुशी का माहौल है जे एस एस सेंटर का आभार प्रकट करती हूं। अब मैं अपने पैरों पर खड़ी हूं।

- ❖ विधार्थी का क्या नाम है ?
- ❖ विधार्थी कौन सी कक्षा तक पढ़ी है?
- ❖ विद्यार्थी ने जे एस एस सेंटर से कौन सा कोर्स किया ?
- ❖ विद्यार्थी को J.S.S सेंटर का पता कहां से चला ?
- ❖ विधार्थी महीने में कितना कमा लेती है ?

बहु विकल्पीय प्रश्न

किस प्रकार की शरीर माप बिना विकृति के चौराई और ऊंचाई का अनुपात शामिल है ।

- सीधा आंकृति
- लंबा और पतला आँकृति
- खड़ी आकृति
- सामान्य आकृति

वाणिज्यिक पैटर्न कौन सा है

- व्यक्तिगत पैटर्न
- तैयार किए गए पैटर्न
- मानक पैटर्न
- मेनूअट पेटर्न

रीढ़ टखने और कलाई के जोड़ों का क्या नाम है

- ग्लाइडिंग जोड़
- बाल और साकेट जोड़
- काज जोड़ों (कोहिनी)
- काज जोड़ (घुटने)

माप का उपयोग क्या है

- लेबलिंग
- सही फिटिंग
- पैकिंग
- प्रेसिंग

कपड़े को व्यवस्थित करने का क्या नाम है

- लेआउट
- प्रारूपन
- ड्राइंग
- डिजाइनिंग

पैटर्न को एक शैली से दूसरी शैली में बदलने में बदलने के लिए किस विधि का उपयोग किया जाता है

- प्रारूपण विधि
- ड्रेपिंग विधि
- ग्रेडिंग विधि
- हेर फेर विधि

बुनियादी टांके

वहां टांका जिस का प्रयोग हम कपड़ो पर हाथ से करते है उसे हम टांके कहते है जैसे तुरपाई ,कच्चा ,छोटा कच्चा आदि

टांके दो प्रकार के होते है:-

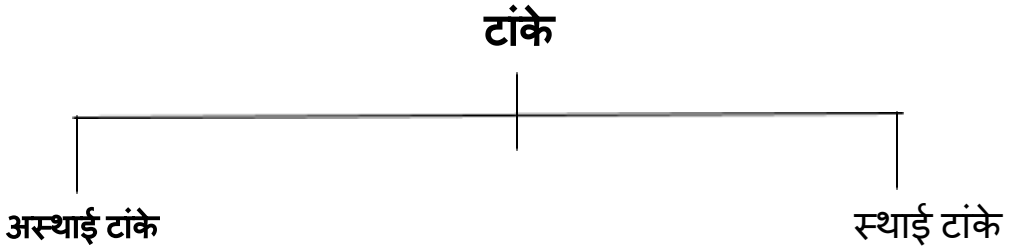

अस्थाई टांके -जो टांके बनाने के बाद खोल दिए जाते है उसे हम अस्थाई टांके कहते है जैसे कच्चा ,आदि

स्थाई टांके -जो टांके बनाने के बाद नहीं खोले जाते उसे स्थाई टांके कहते है जैसे तुरपाई ,छोटा कच्चा ,काज ,बटन ,हुक ,व् आई आदि

अस्थाई टांके के प्रकार व् प्रयोग

कच्चा टांका -कपडे के दो भागों को जोड़ने के लिए कच्चा टांका प्रयोग में किया जाता है और कपडे में अस्तर लगाने के लिए भी कच्चा टांके का प्रयोग होता हे जो की सूट बनाने के बाद खोल दिया जाता है |

टेड़ा कच्चा -यह कच्चा इसके नाम के अनुरूप अथार्त तिरछे आकार में किया जाता है इस का प्रयोग जेनो के मुँह पर किया जाता है और जेन बनाने के बाद इसे खोल दिया जाता है

स्थाई टांके के प्रकार व् प्रयोग १ बखिया का टांका -बखिया दो प्रकार का होता हे हाथ की बखिया व मशीन का बखिया यहां कपडा बनाने के बाद नहीं खोला जाता है |

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- टाँके ___ प्रकार के होते हैं |
- अस्थाई टाँके पक्का करने के बाद _____ दिए जाते हैं |
- _____ में थ्रेड मार्क भी आती है |

- थ्रेड मार्क _____ कपड़ों पर निशान बनाने के काम आता है |

सही गलत का निशान लगाएं-

- अस्थाई टाँके पक्के टाँके होते है | ( )
- अस्थाई टाँके कच्चे टाँके होते हैं | ( )
- अस्थाई टाँके में थ्रेडमार्क नहीं आता है | ( )
- अस्थाई टाँके में टेढ़ा टांका भी शामिल है | ( )
- कच्चा टांका अस्थाई टांका नहीं है | ( )
- कच्चा टांका स्थाई टांका होता है | ( )

मिलान करें-

अस्थाई टांका	मोटा कपडा
थ्रेड मार्क	बड़ा टांका
कच्चा टांका	कच्चा टांका

प्रशन और उत्तर

- ❖ अस्थाई टाँके कौन कौन से होते हैं ?
- ❖ अस्थाई में थ्रेड मार्क किस कपडे पर बनाने के काम आता है ?
- ❖ टेढ़ा टांका को कैसे बनाया जाता है ?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम सुमन है| मैंने जे ऐस ऐस के द्वारा बुनियादी टाँके सजावटी टाँके का कोर्स किया है | मैं आठवीं पास हूँ, मैं शिवराम पार्क में रहती हूँ, मुझे मेडम के द्वारा सर्वे के दौरान जे ऐस ऐस के बारे में पता चला, मैंने वहाँ दाखिला लिया, अब मैं बुनियादी टांको, सजावटी टांको को अच्छी तरह से बनाना सिख लिया, और अब मैं एक टेलर की दूकान पर तुरपाई और हुकाई का काम करती हूँ | एक दिन में मैं 200 से 250 कमा लेती हूँ | और अपने घर की आर्थिक स्तिथि को सुधारने के लिए अपने पति की मदद कर रही हूँ | मैं आज अपने परिवार में बहुत खुश हूँ |
ऊपर दिए गए गद्यांश को पढ़ कर उत्तर दें-

- ❖ सुमन कितनी पढ़ी है ?
- ❖ सुमन ने जे ऐस ऐस से कौनसा कोर्स किया ?
- ❖ सुमन ने अपने परिवार की मदद कैसे की ?

- ❖ सुमन अब क्या करती है और एक दिन में कितना कमा लेती है ?

प्रशनो की व्याख्या कीजियो-

- ❖ बुनियादी टांको की जानकारी विस्तार पूर्व दीजिये ?
- ❖ बुनियादी टांको के नाम बताएं |
- ❖ बुनियादी टाँके कौन-कौन से होते हैं?

बहु विकल्पीय प्रश्न

अस्थाई टांका कौनसा है?

- कच्चा टांका
- पक्का टांका
- तुरपाई
- हुक व आई

थ्रेड मार्क कहाँ किया जाता है ?

- मोटे कपडे पर
- पतले कपडे पर
- कपडे के सीधी ओर
- कपडे के उलटी ओर

टेढ़ा टांका कौनसा है?

- अस्थाई टांका
- बखिया टांका
- पक्का टांका
- थ्रेड मार्क

तुरपाई का टांका -जिन वस्त्रो के किनारो पर मशीन का बखिया नहीं चलता है वहां पर तुरपाई का प्रयोग किया जाता है जैसे सूट का गला ,
स्थाई टाँके-

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- बखिया टांका _____ टांका है
- स्थाई टाँके _____ होते हैं
- तुरपाई कपडे के _____ ओर की जाती है |
- हुक आई ____ टांको में शामिल है |

सही गलत –

- बखिया टांका कच्चा टांका है | ( )
- बखिया टांका कपड़ो को पक्का करने में काम आता है | ( )
- बखिया टांका स्थाई टांका है | ( )
- हुक और टाँके अस्थाई टांको में शामिल है | ( )
- काज के साथ _____ बटन लगाए जाते हैं | ( )
- हुक और आई महिलाओं के कपड़े में लगाए जाते हैं | ( )

मिलान करें-

बखिया	काज
हुक	बटन
बटन	पक्का टांका
टीच	आई

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ स्थाई टाँके कौन- कौन होते हैं?
- ❖ स्थाई टांको के नाम बताइये?
- ❖ स्थाई टाँके किस काम आते हैं?
- ❖ हुक और आई का प्रयोग बताइये ?

सजावटी टाँके

कपड़ो को सजाने के लिए हम जिस टाके का प्रयोग करते है उसे हम सजावटी कहते है जैसे डंडी टाका , क्रास स्टीच , फिश बोन टाका , आईलेट स्टीच , शैतान ताका।, लेजिडेटि टाका ,पैच वॉर्क , चैन स्टीच , स्मोकिंग फ्रिल बी.

फिश बोन टाका : - इसका प्रयोग भी वस्त्र के किनारे से सजाने के लिए ही किया जाता है, इसको बनाते समय दो बार टांका ऊपर से निचे से तथा निचे से लेते हैं अर्थात्त दोनों सिरों पर डंडी बनती है |

डंडी टाका :- इसका प्रयोग कढ़ाई करते समय फूल आदि बनाने के लिए किया जाता है |

क्रॉस स्टीच :- इस टाके का प्रयोग सूती केसमेंट कपड़ो पर किया जाता है, इस टाके की लम्बाई व् चौड़ाई बराबर रखी जाती है, और यह कढ़ाई क्रॉस में बनती है और इस कढ़ाई का जो भी डिज़ाइन होता है उस में हम क्रॉस को गईं कर बनाते हैं |

साटन टांका :- इसको गोल कढ़ाई भी कहते हैं, इसमें छोटी छोटी पत्तियां भरवा बनाई जाती है | इससे तकिया के गिलाफ, चादर, मेजपोश, साडी आदि काढ़े जाते हैं, इस्ला तांका ऊपर निचे से एक जैसा आता है |

आइलेट स्टीच :- इतहां टांका पेटीकोट, ब्लाउज की बाजु व् पिछले हिस्से पर बकिया जाता है, इसे बनाने के लिए गोल गोल नींदी बनाकर उसपर कच्चा करते हैं | तथा फिर कील से या हॉल मेकर से छेड़ करके उसे साटन टाँके से भरते हैं,|

लेजी डेजी टांका :- लेजी डेजी का टांका भी कढ़ाई का एक भाग है, फूल पत्तियों में इसका प्रयोग किया जाता है |

पैच वर्क :- वस्त्रों को सजाने के लिए पैच वर्क का इस्तेमाल किया जाता है, यह बाज़ार में बना बनाया मिलता है |

चेन स्टिचेस :- सुन्दर डिज़ाइन बनाने के लिए या कपडे की तारों को बंधा रखने के लिए इसका पप्रयोग किया जाता है , यह टांका बनाने के लिए सुई के आगे धागा घुमाकर रखते हैं और सुई निकलते चले जाते हैं |

स्मोकिंग :- जिस प्रकार गढ़े -गढ़े शहद के छत्ते होते हैं में ठीक उसी

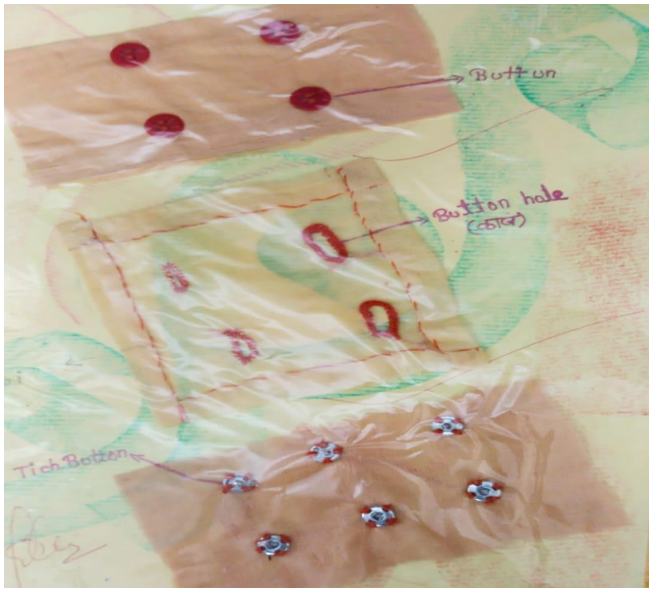

प्रकार ही इस टाँके में गढ़े से आते हैं, यह क्रिच ना पड़ने वाले कपड़ों में आसानी से बनाया जाता है जैसे साटन आदि |

फ्रिल ;- झालर को फ्रिल कहते हैं, वस्त्रों को सजाने के लिए फ्रिल का इस्तेमाल किया जाता है

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- फुलकारी कढ़ाई _____ में मशहूर है |
- साटन टांका को _____ कढ़ाई भी कहते हैं |
- लेजी-डेजी का टांका भी _____ का एक भाग है |
- चेन स्टीच कपड़ों पर _____ से बनाया जा सकता है|
- स्मोकिंग महिलाओं और _____ के कपड़ों को सजाने के काम आता है |
- स्मोकिंग टांको को बनाने के लिए _____ कपडा चाहिए |
- फ्रिल को _____ भी कहा जाता है |

सही गलत –

- फुलकारी कढ़ाई कोई कढ़ाई नहीं है | ( )
- साटन टांको को गोल टांका नहीं कहते हैं | ( )
- लेडी -डेजी टांका कढ़ाई का भाग नहीं है | ( )
- स्मोकिंग टांका पुरुषों के कपड़ों के काम आता है | ( )
- चेन स्टीच मोटे कपड़ों पर नहीं की जाती | ( )

मिलान करें-

फुलकारी	महिलाओ और बच्चों के कपड़ों पर
साटन टांका	चेन स्टीच
स्मोकिंग	गोल टांका
पेंच वर्क	पंजाब

एक शब्द में उत्तर दीजिये-

- फुलकारी कौन से राज्य में प्रसिद्ध है ?
- स्मोकिंग टाँके को बनाने के लिए कितना कपडा चाहिए?
- पेंच वर्क कहाँ प्रयोग होता है?
- चेन स्टीच बनाने का सही तरिका बताएं

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम निरंजना है | मैंने जे ऐस ऐस सर्वे के दौरान अपना दाखिला जे ऐस ऐस में करवाया, जहाँ पर मैंने सजावटी टांको का कोर्स किया, कोर्स करने के बाद मुझे जे ऐस ऐस से डिप्लोमा मिला | जिसे मिलने के बाद मेरी नौकरी एक छोटे से स्कूलों में लग गयी, जहाँ मैं विधार्थियों को सजावटी टांको के बारे में सिखाती हूँ, स्कूल से मैं जो कमाती हूँ उससे मैं अपने बच्चों के स्कूल फीस, ट्यूसन फीस और अपने घर के खर्चों में अपने पति की मदद करती हूँ | आज मैं एक खुशाल जिंदगी जी रही हूँ और जे ऐस ऐस का धन्यबाद देना चाहती हूँ |

ऊपर का गद्यांश पढ़ कर सही उत्तर दें-

- निरंजना कहाँ काम करती है?
- निरंजना अपने कमाए हुए पैसे से क्या करती है?
- निरंजना अब किसकी मदद करती है ?
- निरंजना को जे ऐस ऐस में कोर्स करने के बाद क्या मिला?

निचे दिए हुए प्रश्नों के उत्तर संछिप्त में दें-

- सजावटी टांको के नाम बताएं |
- सजावटी टाँके क्या है?

- ❖ सजावटी टाँके का प्रयोग कहाँ कहाँ होता है ?

बहु विकल्पीय प्रश्न

सजावटी टांका कोसना है ?
- बखिया
- तुरपाई
- चेन स्टीच
- तुरपाई

फुलकारी कहाँ प्रसिद्ध है ?
- पंजाब
- हरियाणा
- लखनऊ
- गुजरात

कास स्टीच क्या है?
- सजावटी टांका
- पक्का टांका
- कच्चा टंका
- तुरपाई

लेजी-डेजी टांका किस काम आता है ?
- फूल को भरने के लिए
- पत्तियां बनाने के लिए
- पेंच लगाने के लिए
- कपडे को जोड़ने के लिए

डार्टस

डार्ट्स :- डार्ट्स का इस्तेमाल कपड़ो में फिटिंग और फुल्नेस्स के लिए किया जाता है |

डार्ट्स दो प्रकार के होते हैं |

*एक नोक वाली डार्ट्स

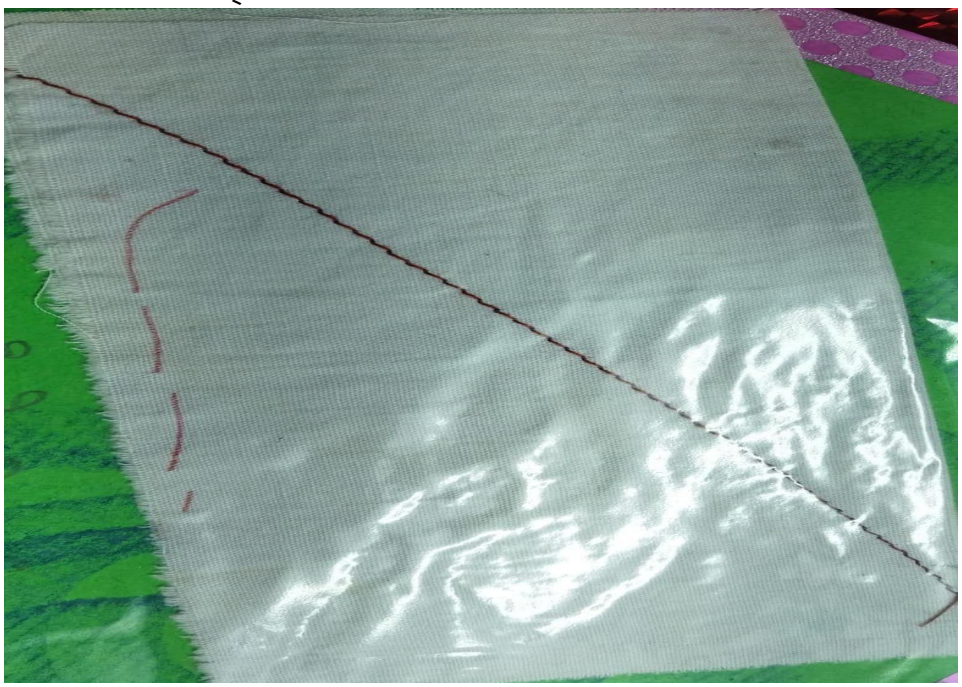

*दो नोक वाली डर्ट्स

एक नोक वाली डार्ट्स :- इसका प्रयोग हम ब्लाउज, पेंट, पेटीकोट आदि में करते हैं |

दो नोक वाली डार्ट्स :- इसका प्रयोग हम स्त्रियों की कमीज में करते हैं |

प्लीट्स

प्लीट्स :- ज्यादा घेर को काम करने के लिए प्लीट्स का इस्तेमाल किया जाता है, जैसे स्कर्ट, सलवार आदि |

प्लीट्स कई परकार की होती है

एकतरफा प्लीट्स :- इसका प्रयोग हम सलवार में करते हैं, इसमें कपडा उठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर एक ही रुख में रखा जाता है |

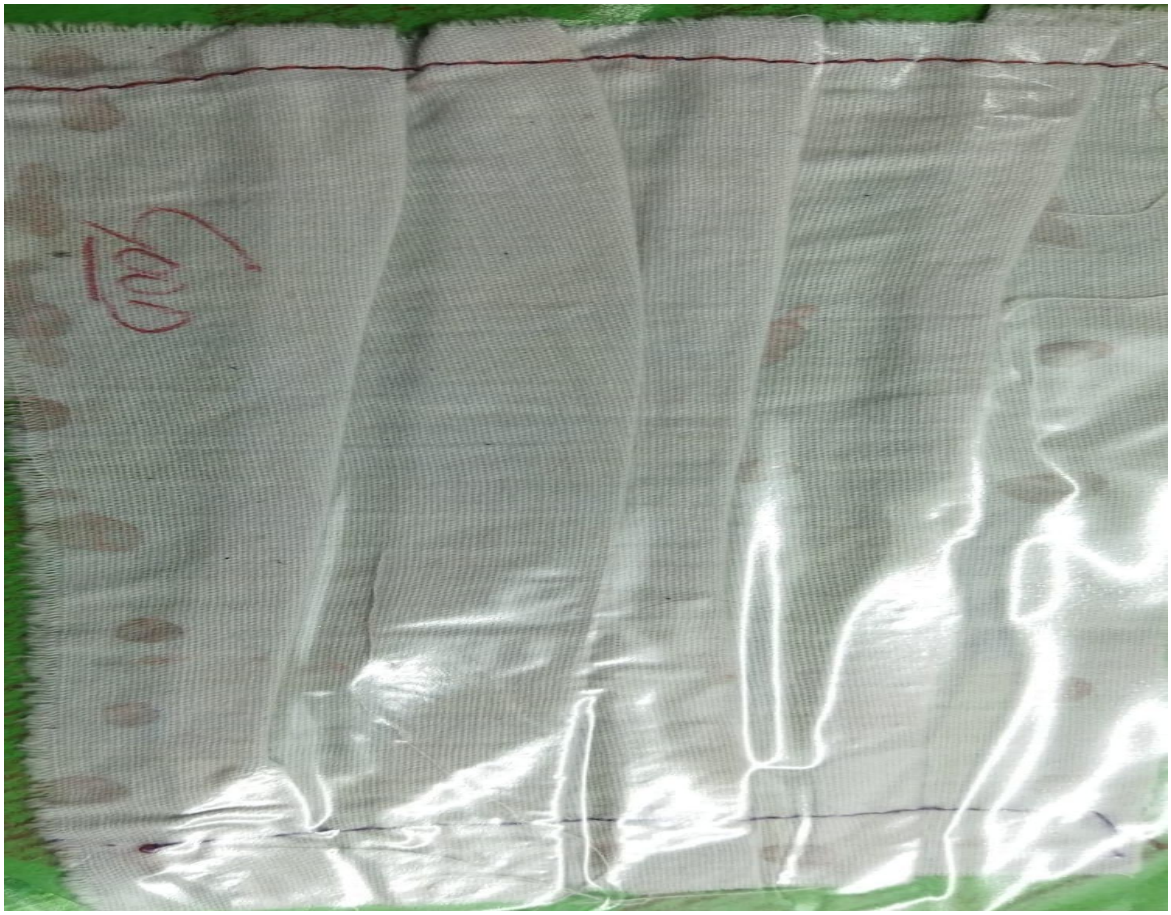

मीट प्लीट्स :- दोनों ओर से कपडा उठाकर एकदम मध्य में रखकर निचे व् ऊपर के किनारों की सिलाई जब लगाईं जाती है उसे मीट प्लीट्स कहते हैं |

बॉक्स प्लीट्स :- ये मीट प्लीट्स की तरह ही बनाते हैं , पर इसमें ऊपर की तरफ ही सिलाई लगाते हैं , निचे की और सिलाई नहीं की जाती है |

नाइफ प्लीट्स : इसका प्रयोग डिज़ाइन बनाने के लिए किया जाता है, यदि ४ इंच अर्थात 10 से.मि में इस प्लीट द्वारा डिज़ाइन देना हो तो ढाई से.मी ऊपर व् ढाई से.मी निचे सिलाई कर देते हैं, और उलटी ओर से बिच का भाग खुला छोड़ देते हैं, फिर प्रेस से चीर कर प्रेस कर देते हैं |

<u>अभ्यास</u>

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- डार्ट्स का उपयोग कपडे में सुंदर _____ के लिए प्रमुख स्थान है |
-
- डार्ट्स _____ प्रकार के होते हैं |
-
- डार्ट्स का प्रयोग _____ प्रकार के कपड़ों में किया जाता है |
-
- डार्ट _____ और _____के नाम से भी जाना जाता है |

सही गलत –

- डार्ट्स दो प्रकार की होती हैं| ( )
-
- डार्ट्स छः प्रकार के होते हैं| ( )
-
- डार्ट्स कपडे के सीधी ओर लगाईं जाती है | ( )
-
- डार्ट्स कपड़े के उलटी और लगाईं जाती है | ( )

मिलान कीजिये-

डार्ट्स	दो डार्ट
एक डार्ट	डार्ट्स
सुंदर फिटिंग	दो प्रकार
कपडे के उलटी तरफ	डार्ट्स

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ डार्ट्स कितने प्रकार के होते हैं?
- ❖
- ❖ एक डार्ट और दो डार्ट में क्या अंतर् है ?
- ❖
- ❖ डार्ट्स का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
- ❖
- ❖ सभी प्रकार के डार्ट्स के बारे में बताएं ?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम प्रेमलता है मैंने जे ऐस ऐस के सर्वे के दौरान अपना दाखिला सिलाई में लिया| जिसमे मैंने मेडम के दवारा सिलाई के काम को बहुत ध्यानपूर्वक किया | और अब मैं सिलाई का पूरा काम कर लेती हूँ | और अपने घर में ही सिलाई क रती हूँ, और कमाए गए पैसों से अपने घर की आर्थिक स्तिथि सुधारने मै सफल हुई हूँ| आज मैं अपने परिवार के साथ साथ जे ऐस ऐस का धन्यवाद करती हूँ जिनकी वजह से मैं आत्मनिर्भर बन पायी |

ऊपर दिए गद्यांश को पढ़ कर उत्तर दें-

- प्रेमलता ने जे ऐस ऐस से कौनसा कोर्स किया?
- प्रेमलता अपने कमाए पैसों का क्या करती है ?
- डार्ट्स कौन कौन से कपडे पर बनाया जाता है ?

बहु विकल्पीय प्रश्न

- डार्ट्स कितने प्रकार की होती है |
    - एक
    - दो
    - तीन
    - छः
- डार्ट्स क्यों लगाईं जाती है ?
    - कपड़ों की फ़िटिंग के लिए
    - कपड़ों को बड़ा करने के लिए
    - कपड़ों को मोटा करने के लिए
    - कपड़ों के फाटे हिस्से को छिपाने को
- डार्ट्स के नाम बताए|
    - एक नोक
    - चार नोक
    - छः नोक
    - तीन नोक

टक्स

टक्स :- कपड़ों को सजाने के लिए हम टक्स का इस्तेमाल करते हैं, टक्स हमें तीन गुना कपडा ज्यादा लेना होता है और टक्स बनाने के लिए हमें पिन की नोक के बराबर सिलाई लगाना चाहिए |

टक्स कई प्रकार के होते हैं -
*लम्बाई के टक्स

*चौड़ाई टक्स

*क्रॉस टक्स

*ग्रेडूएटीव टक्स

अभ्यास-

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- टॅक्स _____ प्रकार की होती है ?
- टॅक्स का प्रयोग _____ के निचे किया जाता है |
- टॅक्स टांको की सिलाई _____ होनी चाहिए |
- टॅक्स टाँके _____ द्वारा लगाए जाते हैं |

सही या गलत का निशान लगाएं-

- टॅक्स टाँके दो प्रकार के होते हैं| ( )
- टॅक्स टाँके छः प्रकार के होते हैं | ( )
- टॅक्स टाँके कपड़ों को सुंदर बनाने के लिए लगाए जाते हैं | ( )
- टॅक्स टाँके मशीन द्वारा लगाया जाता है | ( )

- टॅक्स टाँके हाथ द्वारा बनाया जाता है | ( )

टॅक्स टांको की सिलाई आदी तिरछी लगाई जाती है | ( )

मिलान कीजिए-

टॅक्स	टॅक्स टाँके
मशीन द्वारा	लम्बाई और चौड़ाई
क्रॉस टॅक्स	छः प्रकार
पिन टॅक्स	एक समान टाँके

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ टैक्स टाँके कितने प्रकार के होते हैं ?
- ❖ टॅक्स टांके को कौनसे नाम से जाना जाता है ?
- ❖ टॅक्स टांको की सिलाई किस प्रकार से लगानी चाहिए ?

अपठत गद्यांश**:**

मेरा नाम रेखा है और मैंने जे ऐस ऐस से सिलाई का कोर्स पूरा किया है, मैं एक गाँव की रहने वाली हूँ| जब मैं गाँव से आयी तो मुझे कोई नहीं जानता था, तब मुझे जे ऐस ऐस की मेडम सर्वे के दौरान मिली और उन्होंने बड़े प्यार से मुझे जे ऐस ऐस में चल रहे कोर्स के बारे में बताया | मैं काम पढ़े लिखे होने की वजह से नहीं जाना चाहती थी, पर मेडम ने मेरा हौशला बढ़ाया और सिलाई सिखाई | अब मैं एक फेक्ट्री में पेकिंग और सिलाई का काम करती हूँ, जो मेरे घर के पास शिवराम पार्क में है| अब मैं पैसे कमा कर घर वालों की आर्थिक मदद करती हूँ, मैं जे ऐस ऐस का धन्यवाद् करती हूँ की उन्होंने मुझे इस काबिल बनाया |

ऊपर दिए गद्यांश को पढ़ कर उत्तर दे-

- ❖ रेखा कहाँ की रहने वाली है ?
- ❖ रेखा वर्तमान में कहाँ पर रह रही है ?
- ❖ रेखा सिलाई सिख कर क्या कर रही है ?
- ❖ रेखा अब किसका धन्यवाद करती है ?

निचे दिए प्रशनों के उत्तर संछिप्त में दे

- ❖ टक्स टाँके क्यों बनाए जाते हैं? और कितने होते हैं ?

बहु विकल्पीय प्रश्न

टक्स टाँके कितने प्रकार के होते हैं ?

- छः
- सात
- दो
- चार

टक्स टांको का प्रयोग क्यों किया जाता है?

- कपडे को बड़ा करने के लिए
- कपड़े को मोटा करने को
- कपडे को लम्बा करने को
- कपडे को सुंदर बनाने को

सिम्स (सिलाइयाँ)

सिम्स :- दो कपड़ों को जोड़ने के लिए जो सिलाई लगायी जाती है उसे हम सिलाई कहते हैं |

सिलाई कई प्रकार की होती हैं- जैसे सादा सिलाई, गुम सिलाई, ऊपरी सिलाई, चपटी सिलाई, स्वयं किनारों को बांधने वाली सिलाई |

सादी सिलाई :- किसी भी कपडे की दो तहों को जोड़ने के लिए जो सिलाई लगाईं जाती है उसे सादा सिलाई कहते हैं |

गुम सिलाई :- इसको चोर सिलाई भी कहते हैं अर्थात गुम करना या छिपाना, इस सिलाई में कपडों के सीधी ओर से एक पॉइंट का बखिया लगाते हैं फिर उस सिलाई को प्रेस द्वारा पलट कर दूसरी ओर अर्थात उलटी ओर से दो पॉइंट के दुरी पर सिलाई लगाते हैं | एक बखिये के लगाने के बाद सीधी ओर की सिलाई वाला कपडा दिखाई नहीं आना चाहिए |

ऊपरी सिलाई :- कपड़ों के दोनों किनारों को मिलाकर प्लेन सीम लगाने के बाद उसके किनारो पर भी जो सिलाई लगायी जाती है उसे टक्स सीम या ऊपरी सिलाई कहते हैं | इसका प्रयोग सूट के गले बाजू आदि में करते हैं |

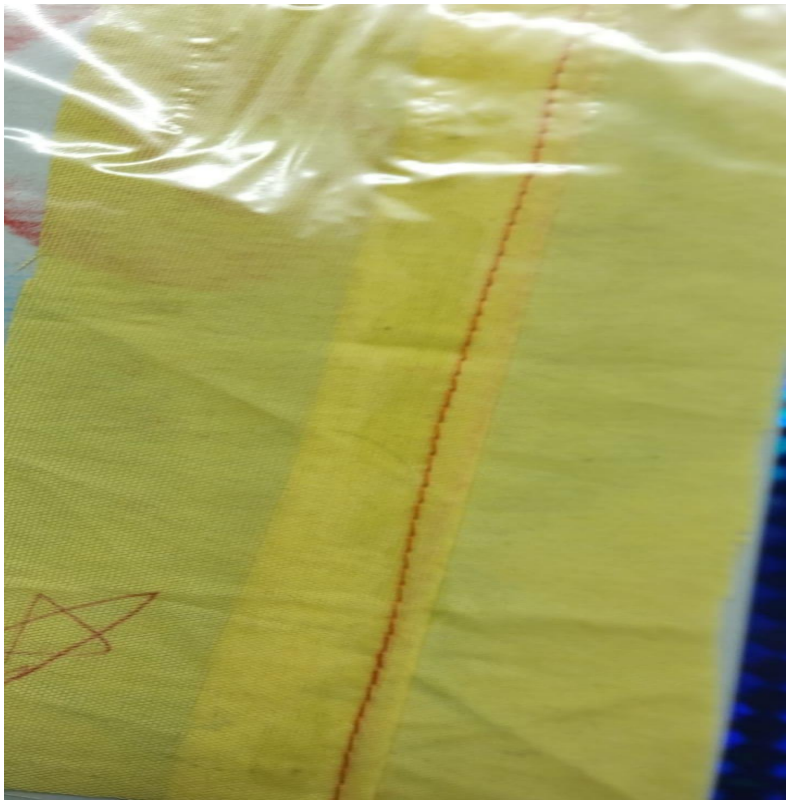

चपटी सिलाई :- इस सिलाई का प्रयोग लेडीज सूट में किया जाता है,यह सिलाई डिज़ाइन के रूप ,में भी क्या जाता है |

स्वयं किनारो को बांधने वाली सिलाई :- इस सिलाई के लिए प्लेन सीम वाले भाग को चीर कर किनारे से मोर कर जब उनपर बखिया लगाते हैं तो उसे स्वयं किनारो को बांधने वाली सिलाई कहते हैं |

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1. डार्ट _____ प्रकार की होती है |
2 गुम सिलाई को _____ सिलाई भी कहा जाता है |
3. पेंबंद के कपडे का रंग _____ कपडे के अनुसार होना चाहिए |
4. कपडा फट जाने पर _____ करते हैं |
5. टक्स टाके का प्रयोग कपडे को _____ के लिए किया जाता है |
6. कोनो के आकर वाला रफू ____ आकर में होता है |
7. टांके दो प्रकार के होते हैं स्थाई और _____ |

8. सिंगर और आर्गन नाम की _____ होती है |
9. टॅक्स टाके ____ प्रकार के होते हैं |
10. हाथ की सुई ____ से ____ नंबर तक की होती है |

सही और गलत

1. जब कपडा फट जाए तब उस पर सजावटी पेबंद लगाया जाता है | ( )
2. कपडे के कट या फट जाने पर रफू की जाती है | ( )
3. पेबंद गोल और त्रिकोण भी लगाया जाता है | ( )
4. डार्ट और प्लीट्स एक ही होते हैं | ( )
5. गुम सिलाई को सादा सिलाई कहते हैं | ( )
6. रफू करते समय कपडे के ताने और बाने पर ध्यान नहीं दिया जाता है | ( )
7. किसी कपडे की तहों को जोड़ने के उद्देश्य को सादा सिलाई कहते हैं | ( )
8. बखिया टांका दो प्रकार का होता है | ( )
9. काज का प्रयोग प्रायः सभी कपड़ों पर होता है | ( )
10. कच्चा टांके को स्थाई टांका कहते है | ( )

मिलान करें

एक मीटर	झालर
एक इंच	सजाने वाला टांका
फ्रिल	बटन
स्मोकिंग	100 सेमी.
काज	स्थाई टांका
तुरपाई	ढाई सेमी.
सूती	एक चौथाई, 1.6
बाउन पेपर	पेबंद
डाफटिंग स्केल	पैटर्न
मरम्मत	कपडा

मसौदा तैयार करना और पैटर्न बनाना

5.1 परिचय

एक परिधान के लिए एक कागज पैटर्न का मसौदा तैयार करना और बनाना एक कला है। में विभिन्न चरणों में हैं

परिधान बनाना जैसे माप लेना, विशेष समायोजन के लिए शरीर का अवलोकन करना

जरूरत है, परिधान का मसौदा तैयार करना, एक कागज पैटर्न काटना, आदि। प्रमुख काम अनुवाद कर रहा है

एक परिधान में मसौदा तैयार करना। एक कुआं पाने के लिए कपड़े का ठीक से मसौदा तैयार करना महत्वपूर्ण है

फिटिंग वस्त्र। आइए अब देखते हैं कि मसौदा तैयार करने का क्या मतलब है, इसे क्यों किया जाना चाहिए और

यह कैसे किया जा सकता है।

5.2 उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आप निम्नलिखित करने में सक्षम होंगे:

• एक मसौदा तैयार करना और कागज पैटर्न सही ढंग से करना;

• मसौदा तैयार करने और एक कागज पैटर्न बनाने की आवश्यकता और लाभों की व्याख्या करें;

• पैटर्न को ठीक से काटें।

5.3 अर्थ और आवश्यकता

परिधान का मूल मसौदा, जो कपड़े या कागज पर शरीर के माप के अनुसार बनाया जाता है, को 'ड्राफ्टिंग' के रूप में जाना जाता है।

मसौदा तैयार करने की आवश्यकता

1. एक अच्छा फिट के लिए

अंतिम परिधान में एक अच्छा फिट पाने के लिए, एक मसौदा तैयार करना आवश्यक है। मसौदा तैयार करना शरीर के माप के अनुसार बनाया जाता है और यह एक बड़े के लिए सीमा, परिधान की फिटिंग निर्धारित करता है।

2. समय बचाने के लिए

मसौदा तैयार करने से समय की बचत होती है क्योंकि किसी भी दोष को इस स्तर पर ही ठीक किया जा सकता है और .एक बाहर तेजस्वी और कपड़े को फिर से सही करने के लिए सिलाई में समय बर्बाद नहीं करता है

3. परिवर्तन को रोकता है

चूंकि मसौदा तैयार करना बहुत सावधानी से किया गया है, इसलिए अंतिम परिधान की संभावना कम है किसी भी बदलाव की जरूरत है।

(b) मसौदा तैयार करने के प्रकार

मसौदा तैयार करना दो तरीकों से किया जा सकता है।

1. स्केल ड्राइंग

एक नोट बुक में, कम पैमाने पर किए गए प्रारूपण को एक पैमाने पर बनाया जाता है, उसे एक पैमाना कहा जाता है ड्राइंग (मसौदा तैयार करना)।

2. मसौदा तैयार करना

परिधान का मसौदा तैयार करने के लिए कपड़े, कागज या मिल्टन कपड़े पर बनाया जाता है
माप लिया गया। एक अच्छा मसौदा तैयार करना एक अच्छी तरह से फिटिंग परिधान सुनिश्चित करता है और इसलिए है बहुत महत्वपूर्ण है।

कागज पैटर्न का अर्थ

मसौदा तैयार करने के बाद एक पेपर पैटर्न बनाया जाता है। जब भूरे रंग पर किया गया मसौदा तैयार किया जाता है

कागज या समाचार पत्र को मसौदा तैयार करने की तर्ज पर काटा जाता है, इसे एक पेपर पैटर्न कहा जाता है।

कागज पैटर्न के लिए की जरूरत कपड़े को काटने से पहले कागज का पैटर्न बनाने के निम्नलिखित फायदे हैं:-

1. समय बचाता है

यदि हमें एक ही आकार के एक से अधिक वस्त्र बनाने हैं, तो एक ही कागज पैटर्न का उपयोग किया जा सकता है जो समय बचाता है।

2.दोष निकालना

कोई भी दोष जो हो सकता है, उसे कागज बनाने के समय ठीक किया जा सकता है नमूना।

3. डिजाइनिंग

विभिन्न डिजाइनों को पैटर्न पर ही आजमाया जा सकता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कौन सा उपयुक्त है एक। इससे फैब्रिक पर डिजाइनिंग आसान हो जाती है।

4. लेआउट

कपड़े पर पैटर्न लेआउट करना आसान हो जाता है। इस तरह, हम आसानी से कर सकते हैं आवश्यक कपड़े की मात्रा का अनुमान लगाएं और कपड़े के उपयोग को अनुकूलित करें पैटर्न के सभी टुकड़ों को सही ढंग से बिछाना। कपड़े की कोई भी बर्बादी और त्रुटियाँ जबकि काटने इस प्रकार कम से कम है.

5. रिकॉर्ड बनाए रखें

किसी भी व्यक्ति विशेष के लिए विकसित पेपर पैटर्न को रखा जा सकता है और वही लेने के बिना उस व्यक्ति के लिए अन्य कपड़ों की सिलाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है ताजा माप.

5.4 मसौदा तैयार करना और कागज पैटर्न बनाना

(a) मसौदा तैयार करना

मसौदा तैयार करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

1. शुरू करने से पहले तैयार सभी उपकरणों की जरूरत है.
2. सुनिश्चित करें कि आप सही माप है
3. मसौदा तैयार करने के लिए एक बड़ी तालिका या एक बोर्ड का उपयोग करें।
4. एक कागज पर मसौदा तैयार करते समय ऊर्ध्वाधर दिशा में कागज का उपयोग करें।
5. मसौदा पिन का उपयोग कर मसौदा तैयार करने बोर्ड पर कागज पिन.
6. एक कागज पर मसौदा तैयार करते समय सभी पक्षों पर 1 "का मार्जिन छोड़ दें।
7. सबसे पहले, कागज के लंबे पक्ष के साथ 'आधार रेखा' आकर्षित करें।
8. आधार रेखा के लिए लंबवत अन्य आधार रेखाओं को आकर्षित करें। ये पंक्तियाँ 'शीर्ष' हैं
लाइन' और 'नीचे की रेखा'। निचली रेखा हमेशा बाईं ओर और शीर्ष रेखा पर होती है हमेशा दाईं ओर होना चाहिए।

कंधे से छाती, कंधे से कमर, कंधे जैसे सभी लंबाई के उपायों को चिह्नित करें कूल्हों के लिए, गर्दन की गहराई, आदि लंबाई की रेखा के साथ।

9. इन निशानों के आधार पर, गर्दन की चौड़ाई की तरह चौड़ाई के उपायों को चिह्नित करें,
कंधों, गोल छाती, गोल कमर, आदि के पार
10. मसौदा तैयार करने में मदद करने के लिए 'दिशानिर्देश' का उपयोग करें।
11. फ्रेंच वक्र की मदद से आर्महोल, गर्दन की रेखा, आदि को आकार दें।
12. सुनिश्चित करें कि सभी रेखाएं सीधी और पतली हैं।
13. एक डिजाइन आकर्षित करने के लिए एक रंगीन पेंसिल या स्केच पेन का उपयोग करें।
14. कपड़े पर मसौदा तैयार करते समय, सुनिश्चित करें कि यह हमेशा कपड़े के गलत पक्ष पर किया जाता है।
15. मसौदा तैयार करने पर अक्सर रगड़ से बचें.

16. मसौदा तैयार के रूप में संभव के रूप में साफ होना चाहिए.

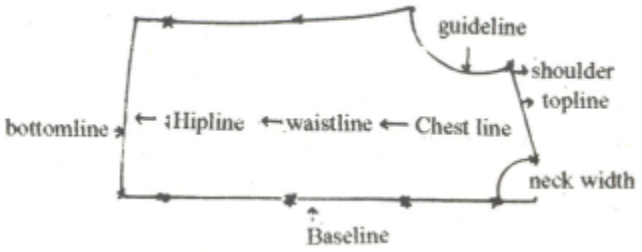

एक कागज पैटर्न बनाना

जब ड्राफ्टिंग को बाहरी रेखाओं के साथ सावधानीसे काटा जाता है, तो इसे 'पैटर्न' के रूप में जाना जाता है। पैटर्न

काटने से पहले कपड़े पर रखा जाता है। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है।

नोट बुक को तैयार संदर्भ के लिए पास में माप के साथ रखें।

पैटर्न बनाए जाने वाले परिधान के वास्तविक आकार का होना चाहिए।

मसौदा कागज के किसी न किसी तरफ किया जाना चाहिए।

मसौदा तैयार करने पर अतिरिक्त या बेकार लाइनों की मदद से रद्द कर दिया जाना चाहिए

चाक।

कागज पर मसौदा तैयार करने के लिए हमेशा एक पूर्ण पैमाने का उपयोग करें।

एक पैटर्न बनाते समय सीम, टर्निंग, इन-टेक्स आदि के लिए भत्ते रखें।

पैटर्न पर ही बनाया जा करने के लिए डिजाइन सेट करें।

डार्ट्स को चिह्नित करें, इकट्ठा करें, मोड़ें, आदि पैटर्न पर।

9. इसके अलावा जेब, बटन और buttonholes और पैटर्न को चिह्नित करें.

10. काटने से पहले पैटर्न पर सभी घटता की जाँच करें.

11. यह एक भाग है जो दो समान है के केवल आधे के लिए एक पैटर्न विकसित करने के लिए समझदार है पक्ष जैसे सामने का आधा या पीछे का आधा। आदि।

12. पहले पैटर्न पर बड़े भागों बनाओ और फिर छोटे भागों बनाओ.

13. जबकि एक पैटर्न सबसे बड़े हिस्से पर सभी माप नीचे नोट बनाने

पैटर्न का।

(c) पैटर्न काटना

1. काटने से पहले पूरे पैटर्न को ध्यान से जांचें।

2. लाइनों के साथ ध्यान से पैटर्न में कटौती.

3. पैटर्न पर 'संतुलन' और 'notches' का उपयोग करें. इससे ट्रांसफर की सुविधा होगी

कपड़े पर जेब, डार्ट्स, आदि के लिए निशान की।

4. बराबर notches बनाओ.

5. पैटर्न के सभी भागों को बहुत सावधानी से काटें।

6. एक भूरे रंग के कागज आवरण में पैटर्न के सभी भागों रखें और नीचे नोट
विवरण और आवरण के शीर्ष पर अन्य जानकारी.

(घ) प्रारूपण के दौरान उपयोग किए जाने वाले संक्षिप्त रूपों का विवरण

C.F. Centre Front

C.B. सेंटर बैक

N.W. गर्दन से कमर तक

एन.पी. गर्दन बिंदु

एस.पी. शोल्डर प्वाइंट

U.A.P. आर्म पॉइंट के तहत

BM बस्ट मापन

Ch छाती माप

एच हिप माप

एन.एल. नेकलाइन

SH कंधे

AR(X.R) पीछे की ओर

A.C{X.C) छाती के पार

टी.ए. शीर्ष हाथ

D.C. Crotch की गहराई

एस.जी. सीधे अनाज

W.G. चौड़ाईवार अनाज

बीजी पूर्वाग्रह अनाज

कागज पैटर्न के प्रकार

नीचे बताए गए विभिन्न प्रकार के पेपर पैटर्न हो सकते हैं:

1. साधारण पैटर्न

जिस पैटर्न को पहली बार काटा जाता है, उसे साधारण पैटर्न के रूप में जाना जाता है। इस पैटर्न को मानक माप के अनुसार या विशिष्ट दिए गए मापों के अनुसार काटा जा सकता है।

2. व्यक्तिगत पैटर्न

एक व्यक्ति के माप के अनुसार काटे गए पैटर्न को एक के रूप में जाना जाता है
व्यक्तिगत पैटर्न. इस प्रकार के पैटर्न का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति के लिए नहीं किया जा सकता है।

3. रेडीमेड पैटर्न

ये केवल विदेशों में उपलब्ध हैं। इन्हें विभिन्न आकार मानकों में बेचा जाता है । विदेशों में महिलाएं सिलाई करना जानती हैं लेकिन काटना नहीं जानती हैं। इसलिए यह सही आकार के पैटर्न को खरीदने और घर पर इसका उपयोग करने के लिए सुविधाजनक हो जाता है।

4. अंतिम पैटर्न

वह पैटर्न जो सभी मामलों में सही है और सभी दोषों से मुक्त है, उसे अंतिम पैटर्न जाता है । अंतिम पैटर्न ग्राहक पर कोशिश के बाद बनाया जाता है परिधान देखे गए दोषों को पैटर्न में ठीक किया जाता है।

5. ब्लॉक पैटर्न

दिए गए मापों के अनुसार केवल मानक शिथिलता के साथ बनाया गया पैटर्न ब्लॉक पैटर्न के रूप में जाना जाता है। इस तरह के पैटर्न में कोई अन्य भत्ते नहीं हैं जैसे कि सीम, टर्निंग, ओवरलैप, आदि के लिए के रूप में। ब्लॉक पैटर्न पर केवल डार्ट्स और संतुलन चिह्न डाल रहे हैं।

6. वर्गीकृत पैटर्न

जिस पैटर्न पर अलग-अलग आकार अंकित होते हैं, उसे एक वर्गीकृत पैटर्न के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए, 32 ", 34", 36" के सीने के आकार शायद एक पैटर्न पर ही चिह्नित किए गए हैं। क्रमिक आकारों के बीच 2 "का अंतर है। आवश्यक आकार के अनुसार पैटर्न को काटा जा सकता है ।

7. पोशाक पैटर्न

डिजाइन, सीवन भत्ता, मोड़, इनले, ओवरलैप, आदि के साथ बनाया गया पैटर्न, एक पोशाक पैटर्न के रूप में जाना जाता है

फिटिंग

19.1 परिचय

जो परिधान शरीर पर अच्छी तरह से फिट बैठता है वो अच्छा दिखता है | अक्सर जब किसी के पास कपड़ों की फिटिंग का पर्याप्त ज्ञान नहीं होता है, तो वह फिट कपडे नहीं बना पाता| इसलिए एक दर्जी के लिए यह जानना आवश्यक है कि किसी भी कपडे की अच्छी फिटिंग के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि एक अच्छी फिटिंग प्राप्त की जा सके |

19.2 उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आप यह करने में सक्षम होंगे:

• कपड़ों में फिटिंग की व्याख्या करें;

• फिटिंग में दोषों की पहचान और सुधार;

• कपड़ों के लिए एक अच्छी फिटिंग दें।

19.3 फिटिंग

कोई भी परिधान जो शरीर पर अच्छी तरह से बैठता है, उसे अच्छी 'फिटिंग' कहा जाता है। एक अच्छी फिटिंग पाने के लिए, अंतिम परिष्करण से पहले परिधान पर प्रयास करना आवश्यक है ताकि किसी भी दोष को फिटिंग में पहचाना और हटाया जा सकता है। एक परिधान जिसमें अच्छी फिटिंग नहीं होती है पहनने पर अच्छा नहीं लगता है। क्योंकि माप ठीक से नहीं लिया तो फिटिंग में दोष हो सकता है । जब एक परिधान पर कोशिश की जाती है, तो इन दोषों को ध्यान में रखा जा सकता है और परिणामी परिधान एक अच्छी तरह से फिटिंग प्राप्त हो जाएगा। परिधान मिस-शेपन फिट हो सकता है खोला गया है बार-बार फिटिंग के लिए। इसलिए, अंतिम सिलाई से पहले परिधान पर प्रयास करना आवश्यक है और खत्म।

19.4 फिटिंग देने के लिए कैसे

जब किसी परिधान पर कोशिश की जाती है, तो देखें कि यह ठीक से किया गया है या नहीं। परिधान सही होना चाहिए शरीर के सभी बिंदुओं पर। यदि किसी भी स्थान पर दोष हैं, तो उन स्थानों को परिधान में चिह्नित करें और बाद में दोषों को ठीक करें।

19.5 फिटिंग दोषों के लिए कारण

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, फिटिंग में दोषों को परीक्षण के दौरान चिह्नित किया जाना चाहिए और बाद में सही किया जाना चाहिए। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण इन दोषों के कारणों को जानना है ताकि भविष्य में, इनसे बचा जा सकता है। एक दर्जी अनुभव के माध्यम से सीखता है कि ये कारण क्या हो सकते हैं और अधिक अनुभवी वह दर्जी है जो कम कपड़ों में बनाता है|. फिटिंग दोष आमतौर पर निम्नलिखित कारणों से होते हैं-

1. खराब काटना

कपडा खराब तब होता है, जब कोई कपडे की कटाई के दौरान सतर्क नहीं होता है, उसका ठीक से निरीक्षण नहीं करता है तो कपडा खराब हो जाता है | उचित अनुभव होने से कपडा काटने में मदद मिलती है, इस काम को बड़े ध्यान से करना चाहिए काटने से पहले कपडे का निरीक्षण करें |

2. खराब सिलाई

एक परिधान में एक खराब फिटिंग होगी यदि काटने और सिलाई दोषपूर्ण है। यहां तक कि अगर एक कपड़े को ठीक से काट दिया है, लेकिन परिधान खराब सिला है, यह होगा फिटिंग में दोष, इसलिए, किसी को काम करते समय बहुत सावधान रहना चाहिए, वस्त्र में दोषों से बचने के लिए।

3. गलत अंकन

कभी-कभी ऐसा हो सकता है कि कपड़े पर निशान बनाए जाते हैं ताकि कुछ दोषों को सुधारें। लेकिन एक दोष को ठीक करने की कोशिश करने की प्रक्रिया में, कुछ अन्य दोष उत्पन्न होता है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि दोष सुधार के लिए रखा गया अंकन गलत तरीके से चिह्नित किया जा सकता है।

4. गलत लेआउट के साथ काटना

यदि कपड़े पर लेआउट सही नहीं है और कपड़े को सीम और टर्निंग के लिए भत्ते के बिना काटा जाता है, तो परिधान दोषपूर्ण होना तय है। ग्राहकों की प्राथमिकताएं कभी-कभी, भले ही परिधान अच्छी तरह से बनाया गया हो, यह ग्राहक की व्यक्तिगत पसंद के लिए नहीं हो सकता है। प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकताएं होती हैं और इन्हें सिलाई से पहले स्पष्ट रूप से पूछा जाना चाहिए ताकि बाद में, परिधान व्यक्ति को उसकी पसंद के अनुसार फिट बैठता है।

6. कपड़ा

कपड़े का चुनाव कभी-कभी फिटिंग दोषों की ओर जाता है। उदाहरण के लिए, यदि दो सलवारों को एक सूती कपड़े से और दूसरा साटन के साथ बनाया जाता है, तो समान माप के साथ, सूती कपड़े से बना एक अच्छी तरह से फिटिंग होगा लेकिन साटन से बना एक बहुत लंबा होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि साटन का वजन इसे नीचे खींचता है और यह लंबा प्रतीत होता है। इसलिए दर्जी को यह ज्ञान होना चाहिए कि ऐसे कपड़ों के लिए, पूरी लंबाई को थोड़ा कम रखा जाना चाहिए ताकि अंतिम परिधान एक अच्छा फिट दे।

7. अवर trimming

एक हमेशा अच्छी गुणवत्ता की trimming का उपयोग करना चाहिए. खराब गुणवत्ता वाली ट्रिमिंग का उपयोग फिटिंग में दोषों को जन्म दे सकता है।

8. उधम मचाने वाले ग्राहक

कुछ लोग अपने कपड़ों को लेकर बेहद उधम मचाते हैं। इसलिए, यहां तक कि कपड़े जो अच्छी तरह से बनाया गया है और अच्छी तरह से फिटिंग उन्हें बीमार फिटिंग दिखाई दे सकता है.

9. कटर और दर्जी के बीच अंतर

यदि कटर और दर्जी के पास एक पारस्परिक समझ नहीं है कि एक दूसरे को कैसे काम करना है, परिणामी परिधान में कुछ दोष हो सकते हैं।

10. खरब कारीगरी

एक गरीब कामगार एक गरीब कपड़ा बनाता है। अच्छा प्रशिक्षण और अनुभव एक अच्छा दर्जी के लिए एक जरूरी है. तभी वे अच्छे वस्त्र बना सकेंगे।

11. Unshrunk कपड़े

यदि कपड़े को काटने से पहले भिगोया और सिकुड़ा नहीं गया है, यह सिकुड़ जाएगा तो आकार में छोटा हो जाएगा। और सिलने के बाद धोया और सिकुड़ गया तो कपडा खराब हो जाएगा |

12. वृद्धि के लिए भत्तों की अवहेलना

जब बड़े होने वाले लोगों के लिए कपड़े बनाए जाते हैं, तो उचित भत्ते होने चाहिए रखा अन्यथा परिधान जल्द ही छोटा / तंग हो जाता है।

रिक्त स्थान भरो

1. शिशुओं के वस्त्रो को बनाते समय _____ रंगो का इस्तेमाल करना चाहिए |

2. शिशुओं के वस्त्रो को हम _____वर्क इत्यादि से सजा सकते है |

3. शिशुओं के वस्त्र _____नहीं होने चाहिए |

4.शिशुओं की रजाई समान्यता _____कपडे में तैयार हो जाती है |

5. शिशुओं की रजाई में _____के कपडे इस्तेमाल किये जा सकते है

6. मशीन नीडल पर _____ दिशा से प्रकाश ढीक आता है |

7. वर्कशॉप में काम करते समय _____ पहने |

8. क्रेच कर्व के प्रयोग को _____कहते है |

9. कपड़ो पर निशान लगाने के लिए दर्जी _____ का प्रयोग करते है |

10. _____ धागे अधिक सुन्दर आकर्षक तथा नमूने दार होते है |

11. लड़को की स्पोर्ट शर्ट में निम्न प्रकार की सीम _____ प्रयोग की जाती है |

12. वर्कशॉप में प्रेस करने के लिए _____ का प्रयोग होता है |

13. बिना परिष्कृत किये गए वस्त्रो को _____ कहते है |

14. _____गले की आकृति गोल होती है |

15. वस्त्र डिजानिंग का कार्य करने वाले व्यक्ति को _____ कहते है |

16. तिरछी जेब _____कपडे में लगाई जाती है |

17. पुरुषो के कपड़ो में एक _____जेब होती है |

18. साइड पॉकेट कमर से नीचे से शुरू होकर _____ तक बनाई जाती है |

19. कुर्ते में _____ पॉकेट लगाई जाती है |

20. पेंट में _____जेब का प्रयोग किया जाता है |

21. वस्त्रो में जो बाजु साधारण तरीके से लगाई जाती है उसे _____ कहते है |

22. _____स्लीव का आकार घंटी की तरह होता है |

23. _____बाजु जापानी ड्रेस की विशेषता है |

24. दो भागो से बनने वाली बाजु को _____ कहते है|

25. वस्त्र के उभार के कारण स्त्रियों के वस्त्रो के सामने के भाग की चौड़ाई पिछले भाग से _____ कुछ अधिक रखी जाती है

26. स्त्रियों के कंधे की चौड़ाई पुरुषो के कंधे के _____ अनुपात से कम होती है |

27. पुरुष के छाती ,कमर -नाप में स्त्री -नाप की तरह अधिक _____ नहीं होता है |

28. स्त्री नाप में कमर ,छाती का अंतर जितना अधिक होता है उतना ही वह अच्छा _____ माना जाता है |

29. नाप लेते समय _____ उल्टा ना हो जाए इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए |

30. पटियाला सलवार _____ कपड़े बनते हैं |

31. बिना बेल्ट की सलवार में _____नहीं पड़ती है |

32. बिना बेल्ट वाली सलवार का आसन _____ लेते है |

33. डेर मीटर की सलवार अलग _____ से काटी जाती है |

34. सलवार के पोंचे में _____ लगाई जाती है |

35. बेल्ट वाली सलवार में आसन की लम्बाई _____लेते है |

36. सलवार की कटिंग करते समय कपडे को _____में रखा जाता है |

37. मर्दानी कमीजों में _____लगता है |

38. _____ टी शर्ट में लगाया जाता है |

39. _____कॉलर में जोड़ नहीं आता है |

40. बच्चो की फ़्रोको पर _____-कॉलर लगाया जाता है |

41. नेहरू कॉलर कमीज एवं _____में लगाया जाता है |

42. सूट में सबसे पहले _____लिया जाता है

43. सूट की चौड़ाई में छाती का _____भाग लिया जाता है

44. सूट में कमर ,चेस्ट एवं _____ का नाप गोलाई में लिया जाता है |

45. सूट का गला पट्टी एवं _____से भी बनाया जाता है | |

46. तीरे का नाप दाई ओर से ____ओर लिया जाता है |

47. सूट में फिटिंग के लिए पीछे _____ भी डाली जाती है |

48. सूट के गले में ____ भी लगाई जाती है |

49. सूट के लिए कपडा _____ तह में रखा जाता है |

50. पटियाला सूट में नीचे की तरफ _____होती है |

51. सूट की कटिंग से पहले ब्राउन पेपर पर _____बना लेना चाहिए |

52. सादा ब्लाउज़ में आगे की तरफ _____ प्लेट डाली |

53. प्रिंस कट ब्लाउज़ आगे _____ भाग काटेजाते है |

सही गलत

1. हमें शिशुओं के लिए टेरीकॉट के कपड़ो का इस्तेमाल करना चाहिए |( )
2. शिशुओं के लिए हलके रंग के कपड़ो का इस्तेमाल करना चाहिए | ( )
3. बिब या फीडर का प्रयोग 2 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चो के लिए करना चाहिए | ( )
4. बच्चो के कपड़ो को सजाने के लिए लेस कढ़ाई वर्क करना चाहिए | ( )
5. शिशुओं के वस्त्र फिटिंग में सिलने चाहिए |( )
6. इंचीटेप से नाप लिया जाता है |( )
7. इंचीटेप में पीतल की पत्ती लगी होती है | ( )
8. सी. पी. जी. मेजरिंग टेप से सूट का नाप लिया जाता है |( )

9. अस्तर का प्रयोग पतले कपडे पर किया जाता है | ( )
10. सुई का चपटा हिस्सा अंदर की साइड होता है | ( )
11. ड्राफ्टिंग के लिए ब्राउन पेपर का प्रयोग किया जाता है | ( )
12. पतले कपडे पर पतली सुई का प्रयोग किया जाता है |( )
13. कपडा काटते समय निशान उल्टी तरफ से लगाना चाहिए | ( )
14. चार कली और छह कली के पेटीकोट की कटिंग अलग अलग तरीके से होती है | ( )
15. बड़ी कैंची का प्रयोग उधोग शालाओ में होता है | ( )
16. बेल्ट पॉकेट नेहरू जैकेट में प्रयोग की जाती है ( )
17. साइड पॉकेट कमर में नीचे से शुरू होती है ( )
18. नेहरू कुर्ते में साइड पॉकेट लगाई जाती है ( )
19. पुरुषो के कपड़ो में एक गुप्त जेब भी होती है ( )
20. कमीज में बॉक्स पॉकेट लगती है ( )
21. एल्बो स्लीव की लम्बाई कोहनी तक होती है ( )
22. बैल स्लीव दिखने में घंटी की तरह होती है ( )
23. बैल स्लीव बच्चो एवं स्त्रियो के वस्त्रो में प्रयोग की जाती है ( )
24. पफ बाजु में चुनट दोनों तरफ होती है ( )
25. पफ एवं मास्टर स्लीव की कटिंग अलग अलग तरीके से होती है ( )
26. वस्त्रो की सही फिटिंग सही नाप पर निर्भर करती है ( )
27. बच्चो व वृदो के वस्त्र तंग होने चाहिए ( )
28. जहाँ तक संभव हो नाप शरीर से लेना चाहिए उसके कपड़ो से नहीं |( )
29. इंचीटेप से गोल नाप लेते समय एक अंगुली की ढील रहनी चाहिए |( )
30. व्यक्ति को ऊनी कपडे पहनने पर ही नाप लेना चाहिए |( )
31. आजकल कई प्रकार की सलवार बनती है | ( )
32. पटियाला सलवार दो तह में कपडा रख के काटी जाती है | ( )
33. बिना बेल्ट के भी सलवार बनाई जाती है | ( )
34. पटियाला और सादा सलवार में अंतर होता है | ( )
35. धोती सलवार दो मीटर कपडे में बनती है |( )
36. बेबी कॉलर बच्चो की फ्रॉक में लगाया जाता है | ( )
37. टेनिस कॉलर बच्चो के कॉम्बिनेशन सूट एवं नाईट सूट में लगाया जाता है | ( )
38. वन पीस कॉलर में जोड़ आता है | ( )

39. स्टैंड कॉलर हमेशा गोलाई में खड़ा रहता है | ( )
40. बंगाली कुर्ते में कंठी कॉलर लगता है | ( )
41. सूट की कटिंग में कपडा चार तह में रखते है | ( )
42. सूट के गले में लेस लगा कर सजाया जाता है | ( )
43. सूट की फिटिंग के लिए व्यक्ति को शरीर का नाप लेना जरुरी है | ( )
44. सूट काटने से पहले ग्राहक को पूछना चाहिए कि उसे किस प्रकार का सूट बनवाना है | ( )
45. सूट के गले कई प्रकार से बनाए जाते है | ( )
46. चूड़ीदार पजामी के लिए कपडे की लम्बाई ज्यादा ली जाती है ? ( )
47. सादा पजामी में कपडे चार तह में रखे जाते है ? ( )
48. थैले वाली पजामी में पहले थैला तैयार किया जाता है ? ( )
49. समोसा कट पजामी में कपडा समोसे की तरह रखा जाता है ? ( )
50. बिना बेल्ट के भी पजामी बनाई जा सकती है ? ( )
51. पजामी की कटिंग करने से पहले ब्राउन पेपर पर ड्राफ्ट बनाया जाता है ( )
52. सादा पजामी के लिए कपडा दो तह में रखा जाता है ? ( )
53. समोसा कट पजामी के लिए कपडा तिकोना रखा जाता है ? ( )
54. थैला बनाने के लिए कपडे को तिरछा पकड़ा जाता है ( )
55. सादा और चूड़ीदार पजामी के लिए कटिंग अलग अलग होती है ? ( )
56. क्या थैले वाली पजामी के लिए कपडे को तिरछा सिला जाता है ? ( )
57. चूड़ीदार पजामी में मोहरी पर चुडिया बनाने के लिए कपडा ज्यादा क्यों लिया जाता है ? ( )
58. सादा ब्लाउज़ में चार प्लेट पड़ती है | ( )
59. चोली कट में ब्लाउज़ में 4 प्लेट डाली जाती है | ( )
60. ब्लाउज़ कटिंग से पहले ड्राफ्ट लगाया जाता है | ( )
61. चोली कट ब्लाउज़ में आगे की साई तीन भागो में कटते है ( )

मिलान करो

लंगोट	मेटनी सेट
सुनसुट	झबला
बिछौना	जांघिया
मेग्यात	रोम्बर

बिब	फीडर
सलवार	सूट
गोल दामन	अम्ब्रेला बाजु
पटियाला	बिना कटिंग मुददा
मगयार बाजु	पंजाबी सलवार
अम्ब्रेला सूट	वन पीस कटिंग

एक शब्द में उत्तर दें

- सिर पर पहने जाने वाले फैशन उपसहायक को क्या कहते है ?
- एक गोल पहिया जिसको घुमाने पर सिलाई मशीन कार्य करती है उसको क्या कहते है ?
- सुई को मशीन में फिट करने वाली चुटकी क्या कहलाती है ?
- सिलाई में इंचीटेप का क्या प्रयोग होता है ?
- बटन होल किसे कहते है ?
- गोलाई वाली सीवन को दबाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है ?
- किसी सिलाई मशीन में सुई को जकड़ने वाले पुर्जे को क्या कहते है ?
- सिलाई मशीन के फर्स्ट एड बॉक्स में क्या रखा जाता है ?
- जेवे कितने प्रकार की होती है ?
- साइड पॉकेट किसमे लगाई जाती है ?
- तिरछी जेब किस कपडे में लगाई जाती है ?
- पुरुष के कपड़ो में कौन सी गुप्त जेब होती है ?
- कट पॉकेट किस आकार में बनाई जाती है ?
- थ्री कोन पॉकेट कौन से कपडे में प्रयोग की जाती है ?
- मास्टर स्लीव बाजु किसे कहते है ?
- कौन सी बाजु जापानी ड्रेस की विशेषता है ?
- मास्टर स्लीव एवं पफ स्लीव में अंतर स्पष्ट करो ?
- अभी हाल ही में कौन सी बाजु चली हुई है नाम बताओ ?
- नाप लेते समय क्या क्या सावधानिया बरतनी चाहिए ?
- क्या पुरुष नाप व महिला नाप में अंतर होता है ?

- वस्त्रो की ड्राफ्टिंग करते समय क्या क्या कया ध्यान रखना चाहिए ?
- बच्चो व बुजुर्गों के वस्त्र हमेसा कुछ ढीले होना चाहिए |
- कपड़ा कटिंग करते समय क्या सविधानिया होनी चाहिए |
- सलवार कितने प्रकार से बनाई जाती है |
- सलवार की कटिंग करने के लिए कौन -कौन से नाप की ज़रूरत हैं |
- कटिंग करते समय हमें किस बात का ध्यान रखना चाहिए |
- मुख्यता सलवार कितने प्रकार की होती हैं | नाम बाताओ |
- 58) कपड़ो में कॉलर क्यों लगाया जाता है ?
- बेंड या कंठी कॉलर की चौड़ाई अधिक से अधिक कितनी ली जा सकती है ?
- कौन सा कॉलर खुला दिखाई देता है और इसमें जोड़ नहीं आता है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- छोटी सलवार (वन पीस)व मध्यम नाप की सलवार में अंतर स्पष्ट करो ?
- सलवार के पोंचो को किस किस प्रकार सजाया या बनाया जा सकता है ?
- पटियाला व बेल्ट वाली नार्मल सलवार में अंतर बताइए ?
- सूट के नाप के लिए शरीर के नाप में क्या क्या लेना चाहिए ?
- सूट व सलवार सिलते समय क्या क्या सावधानिया बरतनी चाहिए ?
- सूट बनाने के लिए किस प्रकार का कपडा उत्तम होता है ?
- अस्तर वाला सूट कैसे बनाया जाता है ?
- क्या सूट का गला मन चाहा बनाया जा सकता है ?
- पटियाला सूट कैसा होता है ?
- प्लैन कपडे का फेन्सी सूट कैसे बना सकते है ?
- सूट के गले की लम्बाई एवं चौड़ाई कितनी लेनी चाहिए ?
- क्या धोती के कपडे से भी सूट बनाया जा सकता है ?
- सूट से आप क्या समझते है ?
- अम्ब्रेला सूट में कपडा सादा सूट से ज्यादा क्यों लगता है ?
- क्या सूट में कई प्रकार की बाजु लगाई जा सकती है ?
- अम्ब्रेला सूट एवं सादा सूट में अंतर स्पष्ट करो ?
- सूट काटने से पहले ड्राफ्टिंग क्यों करनी चाहिए ?
- क्या पटियाला सूट की कटिंग अलग तरीके से होती है ?
- आज कल कई प्रकार के सूट बनाए जाते है किसी दो फैंसी सूट का नाम लिखो ?

- सादा सूट का एक ड्राफ बनाओ ?
- सूट में कॉलर क्यों और कितने प्रकार की लगाई जाती है ?
- आज कल अलग अलग तरीके से कुर्ती कैसे बनाई जाती है ?
- कुर्तिओ को लेस एवं बटन आदि से कैसे सजाया जाता है ?उदाहरण दीजिये |
- कुर्ती और सूट में क्या अंतर है स्पष्ट कीजिये ?
- क्या कुर्तिओ के गले हम मनचाहे बना सकते है ?
- सूट की कटिंग करते समय हमें किन किन बातो को ध्यान में रखना चाहिए ?
- कोई भी कपडा काटने से पहले हमें ड्राफ क्यों बनाना चाहिए
- सूट या कुर्ती बनाने के लिए शरीर के कौन कौन से भाग का नाप लिया जाता है ?
- किन्ही पांच गले के डिजाइन पेपर पर बनाए ?
- सूट में पीछे की साइड कई प्रकार के गले के डिजाइन बनाए जा सकते है ? किसी दो के नाप लिखो |
- पेपर पैटर्न पूरा करने हेतु पैटर्न बनाने की प्रणाली एक सीरीज पर निर्भर करती है ? उसे क्या कहते है ?
- चूड़ीदार पजामी और सादा पजामी में अंतर स्पष्ट करो ?
- पजामी में सलवार की तरह बेल्ट क्यों लगाई जाती है ?
- पजामी के लिए कौन कौन से अंग का नाप लिया जाता है ?
- रेशमी कपड़ों पर किस प्रकार की सिलाई की जाती है ?
- कपड़े के रंग के सामान धागा लेकर टाका लगाने से कौन -सा टांका ज़्यदा अच्छा लगता है ?
- शरीर के कौन-कौन से हिसे का नाप गोलाई में लिया जाता है ?
- दाए कंधे से बांये कंधे तक का नाप क्यों लिया जता है ?
- वस्त्रो को धारण क्यों किया जाता है ?
- पांच वर्ष की बालिका की बेबी फ्रॉक बनाने में कितना कपड़ा लगता है ?
- कटाई से पहले कपडे पर चिन्ह लगाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है ?
- कपडा काटने का उचित स्थान कौन -सा होता है |
- कपड़ा सिलने से पहले ड्राफ्टिंग क्यों की जाती है |
- मशीन में तेल क्यों डाला जाता है ?
- साधारण वस्त्र को सिलने के लिए मशीन में कौन -सा न० की सुई लगाई जाती है ?
- सिलाई कला से आप क्या समझते है|

सिलाई फिट क्या है ?

- मशीन
- उपकरण
- थैला

- कोई नहीं

कटाई से पहले कपडे पर चिन्ह लगाने के लिए प्रयोग किया जाता है ?

- पेंसिल
- खड़िया
- चिन्ह चाक
- इनमे से कोई नहीं

रेडीमेड कपड़ो के निर्माण में नाप की किस विधि का प्रयोग किया जाता है ?

- चेस्ट सिल्म
- डायरेक्ट सिस्टम
- दोनों
- कोई नहीं

सिलाई करते समय अस्तर का कपडा जोड़ने के लिए लगाते है ?

- कच्चा टांका
- बिरछी कच्ची सिलाई
- हेमिंग

वस्त्र पर पेपर पैटर्न के सभी हिस्सों को सही तरीके से बिठाना कहलाता है ?

- नाप लेना
- ले आउट
- केलिंग
- ऑस्पिल

सूट में सबसे पहले नाप लिया जाता है :-

- लम्बाई का
- तीरे का
- छाती का
- कमर का

सूट की कटिंग में नाप लिया जाता है |

- कमर का
- हिप का
- लम्बाई का
- इन सभी का

सूट में कपडे को रखते हे |

- एक तह में
- तीन तह में
- चार तह में
- पांच तह में

सूट में कपडा लगता है |

- एक मीटर
- दो मीटर
- पांच मीटर
- दस मीटर

सूट की लम्बाई व चौड़ाई के लिए मार्जन रखना चाहिए |

- 1/2 "( )
- 5 "( )
- २ " ( )
- 4 " ( )

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम काजल हैं | में दसवीं कक्षा तक पढ़ी है | मैं एक गरीब परिवार से है | मेरे पिता और माता मकान बनाने में मजदूर का काम करते है | मेरे परिवार में हम दो बहन एक भाई है | पुरे परिवार में पांच सदस्य है | हम सभी अभी पढ़ाई कर रहे है | हम किराये के मकान पर रहते है एक दिन शाम के समय में घर के बाहर बैठी थी तभी अचानक एक मैडम ने मुझसे पूछा आप क्या करती हो | फिर उन्होंने मुझसे कहा कि, हम सिलाई सिखाते है जिसमे हम सिखने वालों से कोई पैसा नहीं लेते (फ्री ऑफ़ कॉस्ट), हमारे यहां 3 व 6 महीने का सिलाई का कोर्स होता हैं | जिससे आप अपने व बाहर के कपड़े सिलाई करके घर की

आर्थिक स्तिथि को सुधार सकते हैं | उन मैडम की बातें सुनकर मैंने कहा की मैडम मेरे पास पैसा नहीं है लेकिन मैं सिलाई सीखना चाहती हु | मैडम ने कहा पैसा नहीं चाहिए बेटा अगर आप से और मेहनत लगन व मेहनत से सीखोगी तो आपको सिलाई आ जाएगी, हमारे यहां (jss) पटेल नगर के द्वारा सेंटर चलाया जाता है | कोर्स के बाद में सर्टिफिकेट भी दिया जाता हैं, जिसकी मदद से आप अपना काम शुरू कर सकते हैं या कहीं पर नौकरी पा सकते सकते हैं |

- विधार्थी का न क्या है ?
- विधार्थी ने किस काम का कोर्स किया ?
- विधार्थी के घर में कितने सदस्य है ?
- कोर्स कराने वाले सेंटर का क्या नाम है ?

तकिया का गिलाफ

- परिचय :यह पिलो कवर हर घर में प्रयोग होने वाला वस्त्र है | तकिये को सजाने के लिए इसके कवर को कई तरीके से सजाया जाता है |
- कपडा : यह पापलीन शीटीग केस्मेत मैटी तथा तरिकोट के बनाए जा सकते है |प्रिंटेड चादरों के साथ उन्ही कपड़ो में से भी पिलो कवर बनाते है |
- अनुमानित कपडा : से.मी. अर्ज का कपडा 4 मी. लगेगा पूरी लम्बाई लेने के बाद जो कपडा बचेगा उसमे से (उरेब बॉर्डर क्रोस पट्टी) डबल अर्ज का कपडा लगेगा एक लम्बाई तकिये तथा बचे हुए कपडे में से क्रोस बॉर्डर बनेगा |

दबाव व मोड़: तकिये के चारों तरफ नाप से 1/2 -1/2 सिलाई के लिए मार्जन रखा जाएगा तथा बॉर्डर में भी आधा इंची का दबाव रखा जाएगा |

सावधानिय : उरेब बॉर्डर लगाते समय बॉर्डर को फोल्ड करके पहले प्रेस कर ले तथा तैयार लम्बाई से 4 इंच फालतू तिरछा कार्नर के लिए काट लें | दोनो पत्तियों के कार्नर के खोल कर सिलाई लगाए सिलाई लगाकर कार्नर को पलटते समय उसमे ध्यान रखें की झोल न आए |

<u>जांघिया</u>

परिचय:- यह शिशु एवं छोटे बच्चों के प्रयोग के लिए होता है, भिन्न-भिन्न डिजाइनों तथा सजाकर यह बनाया जाता है | इलास्टिक तथा सादा दोनो प्रकार के होते हैं |

कपडा:- यह पापलीन लोन, नेट आदि के बनाए है डेलिकेट कपड़ों के नेट आदि में स्तर तथा फ्रिल लगाकर बनाए जाते हैं |

अनुमानित कपडा :- 69 से.मी. अर्ज में से 2 ल. जांघिय + नेफा कपडा लगेगा एक साइड के कपडे से झालर लगाईं जा सकती है | 90 से.मी. अर्ज से लेकर 114 से.मी अर्ज में से 1 ल. जाघिया + नेफा (5 से.मी) लगेगा साइड की पट्टी से दुसरे जांघिया की एक साइड बन सकती है या झालर आदि लगाईं जा सकती है |

दबाव व मोड़:- नेफा के लिए 4 से.मी. से 5 से.मी तक साइड में 1 से.मी दबाव ठीक मात्र में रहता है उपर गोलाई वाले जांघिया में नेफा नहीं रखेंगे | केवल 1 से.मी फाल से हेम के लिए दबाव रखा जाएगा |

भाग – विभाग :- 1-2 ल. वाले में एक भाग होगा तथा 1 ल. वाले में 2 भाग बनेंगे दुसरे में भी एक भाग होगा केवल दोनो स्थानों पर दू लास्टिक डालेंगे (iii) तीसरे डिजाईन में बनाने पर भी दो भाग ही बनेंगे |

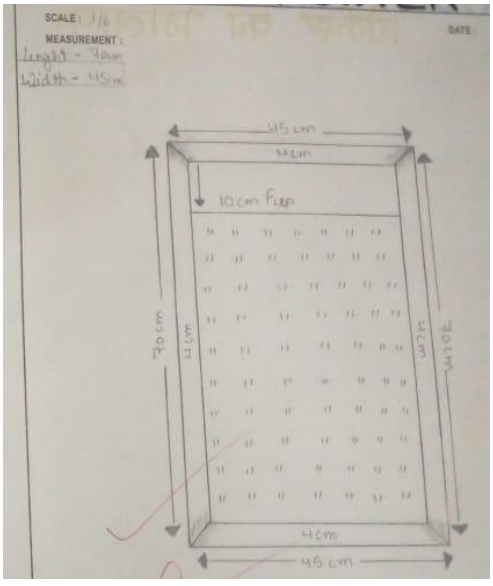

सिलाई की प्रक्रिया :- 1 नाप के अनुसार ड्राफ्ट करके पेपर पतरन तैयार करे|
2 ले आउट करके ठीक दबाव रखते हुए कपडा कांटे |
3 यदि निचे की ओर कट आया है, तो उसको कटी सिलाई से जोड़ें |
4 निचे के भाग में फाल्स हेम लगा कर उस पर सजावटी टांका करें |
5 नेफा मोड़ने के लिए भी फाल्स हेम लगाकर 2 लास्टिक डालें |
6 फिनिशिंग, प्रेसिंग करके तह लगाएं |

सावधानियां :- फाल्स हेम में झोल न आने पाए | पट्टी को खीचकर न लगाएं | यदि चौड़ी फाल्स हेम लगाएं तो नम देते हुए लगाएं और उसमे चिड़ियाँ सुंदर सी बनाए|

चार कलियों का पेटीकोट

परिचय :- साडी की सुन्दरता तथा शारीर की सुरक्षा के लिए चार कलियों का पेटीकोट का प्रचलन है | यह कई प्रकार से सजाया जाता है तथा सादा भी बनाया जाता है |

कपड़ा :- लट्टा, पापलीन, साटन, क्रेप आदि कपड़ों के बनते है |

दबाव व मोर :-यदि बाटम में कटाव बनाने हो या झालर लगानी हो तो 1 से.मी पर्याप्त होगा|

अनुमानित कपडा :- 90 से.मी आज का कपडा | भारी दवीप का पेटीकोट आदि 114 से.मी अर्ज का बनाना हो तो 3 ल. में 2 पेटीकोट बनाने से ठीक बन जाएगा साइड से बेल्ट व झालर आएँगे |

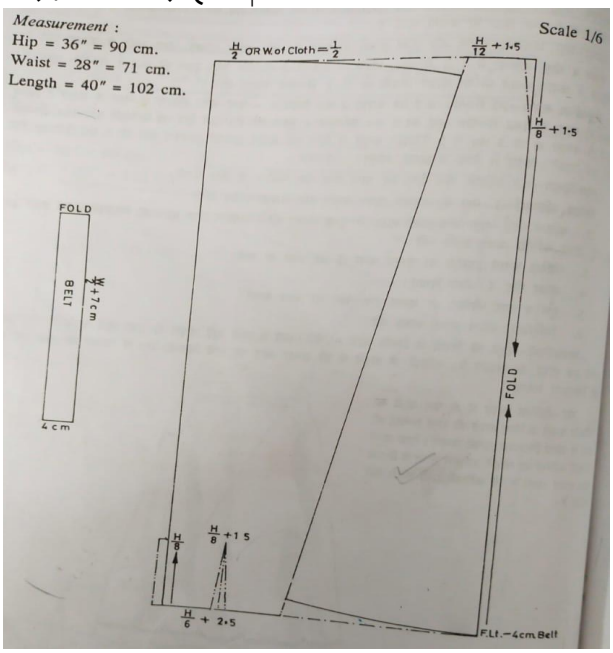

सिलाई प्रक्रिया :- 1. नाप के अनुसार ड्राफ्ट बनाए तथा कपडा कटिंग करें |

2. बाटम मोड़ दे बेल्ट लगाए |

3. हुक व आई प्लैकित पर बनाए तथा बेल्ट पर काज बनाए |

4. फिनिशिंग, प्रेसिंग, फोल्ड करें |

सावधानियां :- कभी भी तिरछी से तिरछी कलि न जोड़ें क्रम से चारों नहीं जोड़ने तो उलटे सीधे कपडे में एक साइड उलटी एक सीधी आ सकती है | बेल्ट में किनारें
की तथा एक पैर की सिलाईयाँ लगाएं |

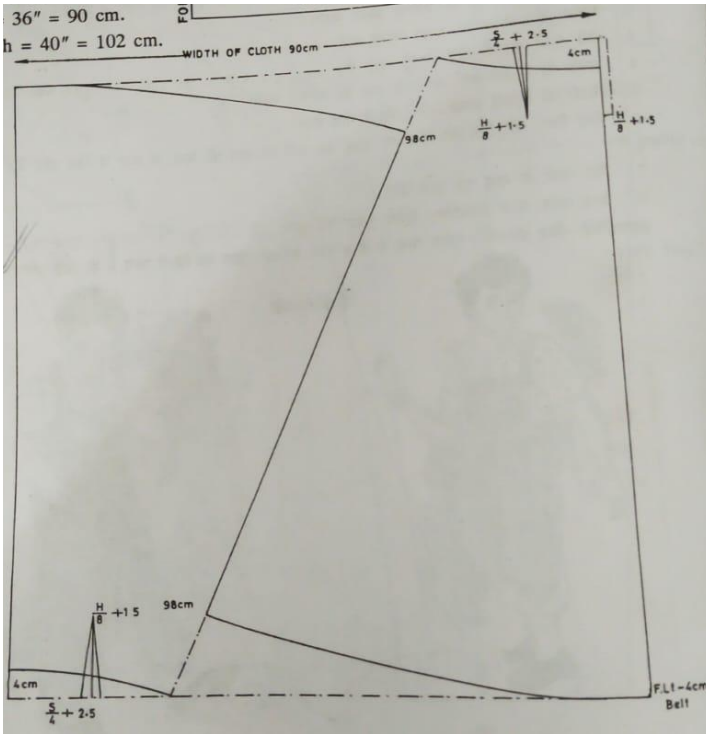

छः कलियों का पेटीकोट

परिचय :- साडी की सुंदर फाल लाने के लिए पेटीकोट का प्रयोग किया जाता है | इसमें घेर भी अधिक होता है |

कपडा :- पापलीन साटन आदि से बनाए जाते हैं |

दबाव व मोड़ :- 162 से.मी अर्ज का कपडा 1 ल. पेटीकोट + बेल्ट लगाता है | भारी हिप के 162 से.मी अर्ज से 3 ल. में से 2 बना सकते हैं |

सावधानियां :- कलियों की सिलाईयाँ ज़रा तानकर लगाए नहीं तो बैठते ही टूट जाती है |
बेल्ट को उलटी ओर से लगाकर सीधी ओर पलटे |

सादा पायजामा

परिचय :- इसका प्रारम्भ मुगलों द्वारा माना जाता है | किन्तु आज के समय में नेता एवं आम जनता भी इसका प्रयोग में लाते हैं | पहनने वाले की इक्षा अनुसार इसकी बड़ी अथवा छोटी मोहरी बनाई जाती है |

कपडा :- यह टेरीकाट धारीधार पट्टा आदि से बनाते हैं, किन्तु खदर बोस्की व सिल्क के भी संभ्रांत परिवान के पुरुष बनवाते हैं |

अनुमानित कपडा :- अर्ज का कपडा 2 लम्बाई पायजामा + नेफा + मोड़ रखते हैं | भयानि धागों की कटाई में से जोड़ वाली निकाली जा सकती है |

सावधानिया :- आसान के शुरुआत से तथा गीदरी की समाप्ति से जोड़ना शुरू करें दोनों ओर सिलाई बराबर रहे | उसमे झोल नहीं आए |

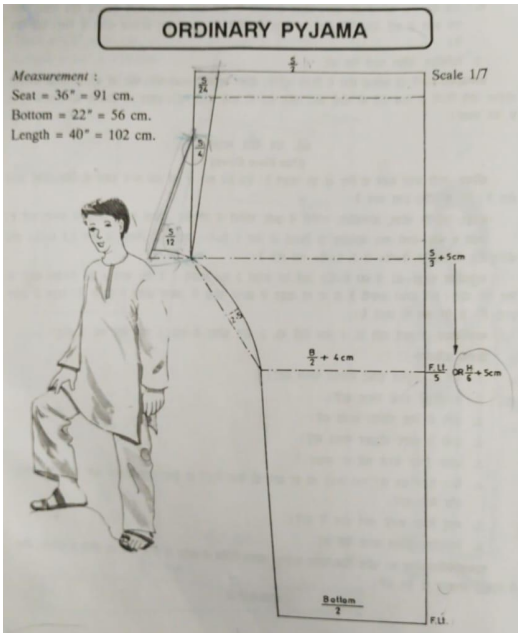

प्लाजो

परिचय :- पलजो काफी सुंदर व आकर्षित करने वाला कपडा है | इसे काफी पसंद किया
जाता है इसकी मोहरी काफी ज्यादा बनाई जाती है |

कपडा :- यह प्रिंटेड, टेरीकोट, धारीधार या नाईलान आदि से बनाए जाते हैं | इसकी
मोहरी काफी धोरदार बनायी जाती है |

अनुमानित कपडा :- अर्ज कपडा 2 लम्बाई, प्लाजो + नेफा + मोड़ रखते हैं |

सावधानियां :- दोनो ओर सिलाई बराबर रहे इसमें झोल नहीं आए |

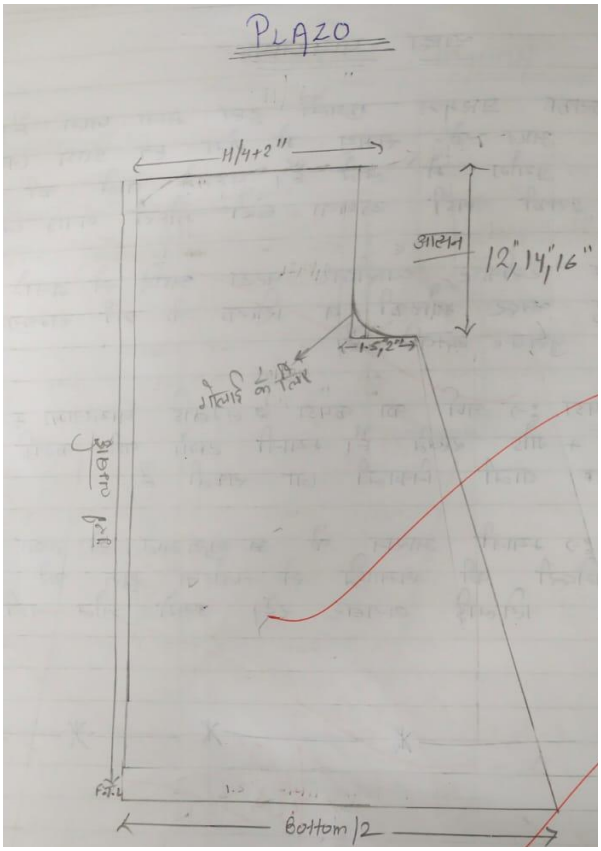

अम्ब्रेला स्कर्ट

परिचय :- स्कर्ट के अनेकों डिजाइनों में एक यह भी डिजाईन है जो बिना सिलाइयों की स्कर्ट होती है |

कपडा :- प्रिंटेड तथा नाइलान साटन, या नैट की साटन या ताफ्ता के अस्तर के साथ
बहुत सुन्दर बनती है |

दबाव व मोड़ :- उपर की ओर 1 से.मी बाटम में 5 से 7 से. मी मोड़ने के लिए दबाव रखते हैं
सावधानियां :- स्कर्ट की पलैकित बनाते समय यह ध्यान रखें की उरेब हिस्से पर न बने जो

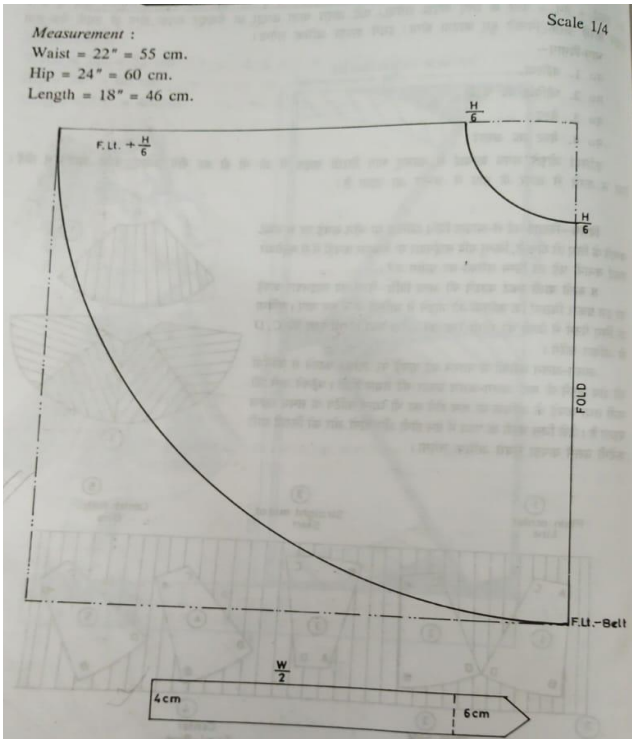

सीधी साइड है उसी पर पलैकित के लिए कट लगाएं | उरेब भाग साइड में
आने से लटक सकती है |

सल्बार

परिचय :- यह ठन्डे प्रदेशों की देन है | पहले पंजाबी ही प्रयोग करते थे, किन्तु आज सभी प्रयोग करते हैं | बड़े घैरे की सलवार प्राय: बुजुर्ग महिलाएं या पुरुष ही प्रयोग करते हैं |

कपडा :-सफ़ेद, रंगीन, लठे तैरिकोट आदि की सलवारे बनाई जाती है | नैट आदि के साथ भी तैरिकोट या रेशमी सलवारे बनती है |

दबाव व मोड़ :-नेफा में 5 से.मी. बाटम में 1 या ½ से, मी ज्यादा रखते हैं |

अनुमानित कपडा :- ढाई मीटर कपडे की सलवार 90 से.मी अर्ज का कपडा में सलवार का घेरा 2 3/9 मीटर प्राप्त होगा |

सावधानियां :- गीदरी की सिलाई उरेब होने से जरा सा खिचाव पड़ते ही टूट जाती है | सिलाई लगाते समय मशीन में अपनी ओर तान कर रखे ताकि बखिया ना टूटे 1 नेफा बराबर करें |

बेल्ट वाली सलवार

परिचय :-अत्यधिक फेशन व फिटिंग की ओर ध्यान देते हैं | सलवार की आधी लम्बाई में बेल्ट लगाते हैं, ताकि टाईट फिटिंग की कमीज के निचे सलवार भद्दी दिखाई ना दे |

कपडा :-अन्य सल्वारो के समान |

दबाव व मोड़ :-नेफा मोड़ के लिए 5 से.मी तथा सलवार के पाउचे व कुंदों में उपर 1 से.मी. दबाव रखा जाएगा

सावधानियां :-बैल्ट की ओपनिंग उलटे हाथ पर ही रखे चुन्नात्ते सलवार में चारो ओर कदाची न फैला दे नहीं तो फ़्रिस आगे होने के बजाए घूम जाएगी |

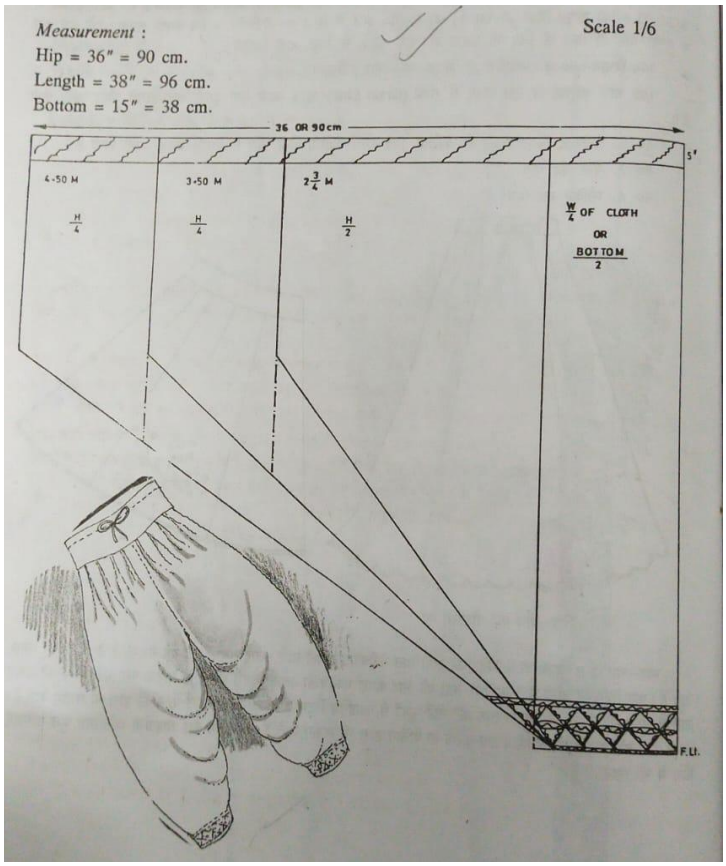

सादा कमीज

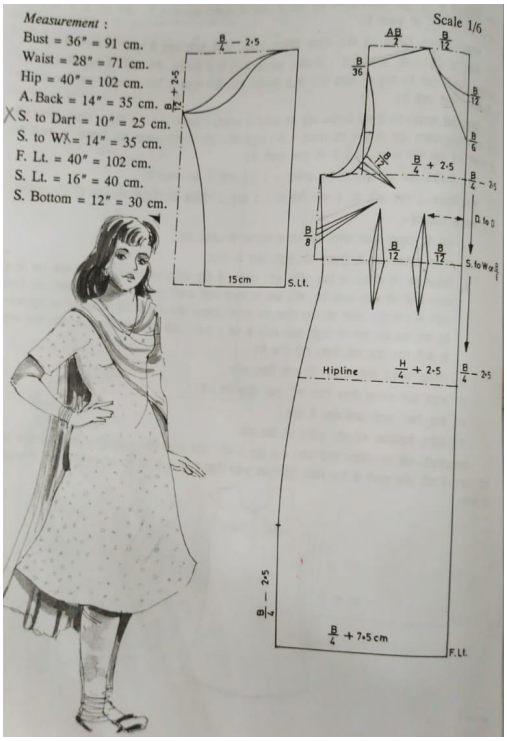

परिचय :- इसको पंजाबी पहनावे का नाम दिया जाता है | महिलाएं अधिकतर कार्य की सुविधा के लिए इसको धारण करती है | कभी आगे व पीछे 4-4 डाटर्स डाली जाती है | डाटर्स लगाने का मुख्या उद्देश्य फिटिंग व स्टाइल का काम होता है |

कपडा :- रुबिय, कौम्बिक, तैरिकोट से बनाते है | कई बार साडी के कपडे की भी कमीजे बना ली जाती है |

दबाव व मोड़ :- कंधे, आरम्होल में 1 से.मी साइड के लिए ढाई से.मी बाटम से 5 से.मी तक का दबाव रखा जाता है |

अनुमानित कपडा :-69 से.मी अर्ज का 2 ल. कमीज + हेम + 1 ल. बाजू + हेम कपडा लगेगा| सेड से बाजू आएगी |

सावधानिया :-गले में फाल्स हेम ढीली या खीचकर न लगाए बाजू तोड़ते समय पिच पॉइंट का ध्यान आवश्य रखें |

परिवर्तन

18.1 परिचय

परिवर्तन (La'kks /ku) एक कला है। एक ही बोडिस ब्लॉक को है अलग-अलग आंकड़ों के साथ अलग-अलग लोगों के लिए कपड़े बनाने के लिए बदला जा सकता । परिवर्तित ब्लॉक व्यक्ति के अनुसार बनाया जाता है। मूल bodice ब्लॉकों के परिवर्तन हमें विभिन्न डिजाइन और पैटर्न बनाने के लिए सक्षम बनाता है

18.2 उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आप यह करने में सक्षम होंगे:

• समझाओ कि परिवर्तन क्या है; ।

• एक ब्लॉक की मदद से एक पैटर्न विकसित करना;

• वांछित के रूप में एक परिधान में डिजाइन बनाने के लिए;

• परिवर्तन के विभिन्न प्रकार का प्रदर्शन।

18.3 परिवर्तन क्या है

मानक मापन के साथ किए गए ब्लॉक में किए गए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए
व्यक्ति की आकृति को परिवर्तन के रूप में जाना जाता है. ब्लॉक पैटर्न में किया गया परिवर्तन
आकृति के अनुसार, परिधान की शैली या pleats, tucks, seams या डार्ट्स के प्लेसमेंट के लिए के रूप में
प्रति फैशन पैटर्न परिवर्तन के रूप में जाना जाता है। पोशाक पैटर्न मानक से विकसित किया गया है
नमूना। पोशाक पैटर्न को पैटर्न परिवर्तन द्वारा बहुत आसानी से विकसित किया जा सकता है।
शैली को फिट करने के लिए मानक या कपड़ों का आकार पैटर्न से पैटर्न विकसित करने के कई तरीके हैं

1. विस्तार पैटर्न

जब ब्लॉक पैटर्न को विकसित करने के लिए लंबाई वार और चौड़ाईवार बढ़ाया जाता है पोशाक पैटर्न, इसे विस्तारित पैटर्न के रूप में जाना जाता है।

2. घटता पैटर्न

जब ब्लॉक पैटर्न को आवश्यकतानुसार लंबाई या चौड़ाई के अनुसार छोटा किया जाता है, इसे घटते पैटर्न के रूप में जाना जाता है।

3. डार्ट

जब एक डार्ट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाता है तो इसे डार्ट परिवर्तन के रूप में जाना जाता है। डार्ट का नाम ब्लॉक पर इसके प्लेसमेंट के अनुसार रखा गया है। अगर कमर डार्ट करने के लिए है
पैटर्न पर बदल दिया जाना चाहिए, इसे कमर डार्ट परिवर्तन के रूप में जाना जाएगा।

4. योक शैली परिवर्तन

जब डार्ट बंद हो जाता है और विभिन्न प्रकार के योक के अनुसार शैली विकसित होते हैं, यह योक शैली परिवर्तन के रूप में जाना जाता है.

5. कॉलर और लैपल परिवर्तन

कॉलर का उपयोग आंकड़ों, फैशन या शैली के अनुसार किया जाता है। में किए गए किसी भी बदलाव कॉलर के पैटर्न को कॉलर और लैपल परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।

6. आस्तीन हेरफेर

-फैशन या शैली के अनुसार आस्तीन ब्लॉक में किए गए हस्त-कौशल परिवर्तन

7. पतलून हेरफेर

जब पतलून ब्लॉक को शैली या फैशन के अनुरूप बदल दिया जाता है, तो इसे किस रूप में जाना जाता है पतलून हेरफेर जैसे - पतलून ब्लॉक के साथ जींस, पैंट, बेलबॉटम बनाना।

परिवर्तन की कला

परिवर्तन एक कला है। ब्लॉक शरीर के माप और इस ब्लॉक के अनुसार बनाया जाता है पैटर्न में कोई भी बदलाव करने के लिए उपयोग किया जाता है। बनाने के लिए एक ही ब्लॉक का उपयोग किया जा सकता है अलग-अलग परिवर्तन और नए ब्लॉक को हर बार करने की आवश्यकता नहीं है। कई प्रकार के होते हैं परिवर्तन के और वे सभी एक ही ब्लॉक का उपयोग कर बाहर किया जा सकता है. बोडिस ब्लॉक बच्चों और महिलाओं के लिए अलग हैं। उन्हें डिजाइन आवश्यकताओं के अनुसार बदला जा सकता है या पहनने वाले के आंकड़े के अनुरूप। उदाहरण के लिए, एक ही ब्लॉक को एक फ्लैट के अनुरूप बदला जा सकता है छाती वाला आंकड़ा या एक पूर्ण आंकड़ा। यह परिवर्तन की कला है। निम्नलिखित तरीके में परिवर्तन किया जा सकता है

-i) आस्तीन परिवर्तन

iI) डार्ट परिवर्तन

l) पतलून परिवर्तन

iv) कॉलर परिवर्तन

उपरोक्त सभी परिवर्तनों को ब्लॉक का उपयोग करके किया जा सकता है लेकिन विस्तृत जानकारी कैसे परिवर्तन डार्ट स्थानांतरण द्वारा किया जा सकता है, यहाँ दिया जा रहा है.

1. कंधे डार्ट स्थानांतरण करने के लिए हाथ छेद डार्ट

i) सबसे पहले, ब्लॉक बनाएं।

ii) सामने armhole पर डार्ट चिह्नित करें.

बीमार) डार्ट बनाने के बाद, इसे काट लें।

iv) कंधे डार्ट को बंद करें

v) इस तरह से कंधे डार्ट को बंद कर दिया जाएगा और हाथ के छेद में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

कंधे डार्ट स्थानांतरण केंद्र के सामने डार्ट करने के लिए

i) बोडिस ब्लॉक बनाएं।

केंद्र के सामने डार्ट को चिह्नित करें और इसे काटें।

iii) कंधे डार्ट को बंद करें। इस डार्ट को बंद करके, केंद्र के सामने डार्ट होगा

गठित

iv) इस तरह से कंधे डार्ट को केंद्र के सामने डार्ट में स्थानांतरित किया जा सकता है।

3. कंधे डार्ट कमर डार्ट करने के लिए स्थानांतरण

i) बोडिस ब्लॉक बनाएं।

यह) कंधे डार्ट बंद करो.

iii) इस डार्ट को कमर डार्ट में स्थानांतरित करें।

iv) इस तरह से कंधे डार्ट को बंद कर दिया जाएगा और इसकी पूर्णता को स्थानांतरित कर दिया जाएगा कमर डार्ट करने के लिए।

4. कंधे डार्ट स्थानांतरण पक्ष डार्ट करने के लिए

i) बोडिस ब्लॉक बनाएं।

यह) पक्ष डार्ट चिह्नित करें.

iii) साइड डार्ट को चिह्नित करने के बाद काटें।

iv) कंधे डार्ट को बंद करें।

v) इस तरह से कंधे डार्ट को साइड डार्ट में स्थानांतरित किया जा सकता है।

5. कंधे डार्ट गर्दन डार्ट करने के लिए स्थानांतरण

i) बोडिस ब्लॉक बनाएं।

ii) नेकलाइन पर गर्दन डार्ट को चिह्नित करें।

iii) डार्ट को चिह्नित करने के बाद काटें।

iv) कंधे डार्ट को बंद करें और गर्दन डार्ट खोलें।

v) इस तरह से कंधे डार्ट गर्दन डार्ट करने के लिए स्थानांतरित कर दिया जाता है।

6. कंधे डार्ट केंद्र, armhole या पक्ष डार्ट करने के लिए स्थानांतरण

i) बोडिस ब्लॉक बनाएं।

ii) पैटर्न पर सभी तीन डार्ट्स को चिह्नित करें।

iii) इन लाइनों के साथ काटें।

iv) कंधे डार्ट को बंद करें।

v) केंद्र, आर्महोल और साइड डार्ट्स को थोड़ा खोलें।

vi) इस तरह से कंधे डार्ट को केंद्र, आर्महोल और साइड डार्ट्स में स्थानांतरित कर दिया जाता है

इस तरह, कंधे डार्ट को वांछित रूप से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। डार्ट्स, एक परिधान में पूर्णता का निपटान करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आस्तीन, कॉलर और पतलून ब्लॉक इसी तरह कर सकते हैं पहनने वाले के आंकड़े के अनुरूप बदलने के लिए किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन की कला है। इसका भी इस्तेम डिजाइन बनाने के लिए किया जा सकता है ।

सिलाई मशीन एव उनके भाग

जिस सिलाई मशीन से काम लेते हैउनके कल पुर्जो की जानकारी काम करने वाले कारीगरों को होनी चाहिए I मशीन बहुत से कलपुर्जो से मिलकर बानी है, इनको ठीक प्रकार से समझने के लिया मशीन को चार भागो में बटाते है

1) आगे का भाग
2) मध्य भाग
3) दायी और का भाग
4) अंदरूनी भाग

1. आगे का भाग - बाये हाथ की और साइड में सफेद चमकीली लोहे की डिजाइन दार प्लेट होती है I उसी को फेस प्लेट के नाम से जानते है I
1 प्रैशर बार - पैर को ठीक प्रकार से जिमय लगाया जाता है, और जिसके दबाव से कपड़े पर पैर दबाव डालता है , प्रैशर बार कहलाता है
2 प्रैशर बार सक्रू -यह प्रैशर बार के ऊपर ऊपर गोल गोल पैच होता है,कपड़े पर दबाव कम या अधिक डालने के लिए इसे घूमना पड़ता है I
3 फेस प्लेट स्क्रू - सफेद चमकीली प्लेट को फिक्स करने वाला छोटा सा एक पैच होता है I
4 प्रैशर फुट - प्रैशर बार मई कपड़े पर दबाव हेतु फिट किया जाता है I
5 प्रैशर फुट स्क्रू - इसी की सहायता से प्रैशर फुट को बाद में लगाते है I
6 प्रैशर फुट लिफ्टर - इसे घोड़ा भी कहते है पैर के गज को उठाने के काम आता है। फेस प्लेट के साथ ही बाए हाथ पर लगा होता है I
7 सुई का गज - सुई जिस गज में लगायी जाती है उसे सुई का गज कहते है I
8 सुई - सिलाई करने मुख्य उपकरण सुई ही है, जोकि गज मई लगायी जाती है I

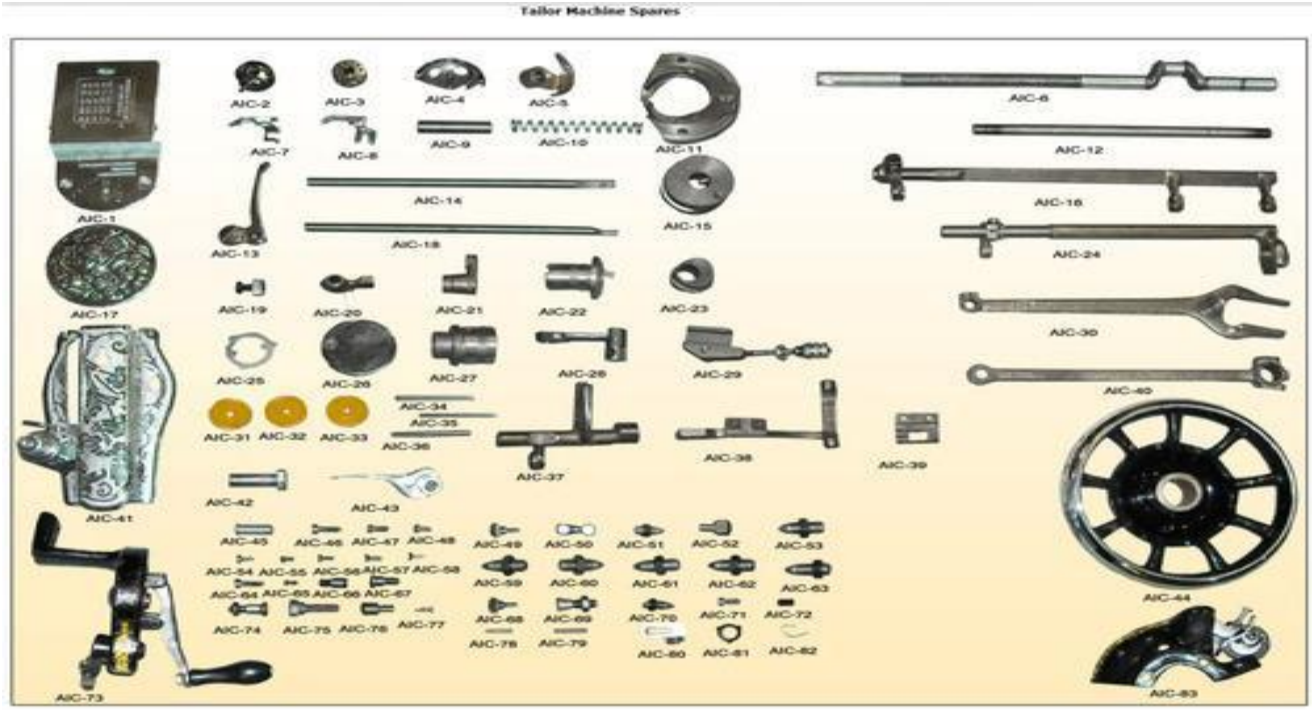

9 चुटकी - सुई के गज में सुई को इसी चुटकी की सहायता से रोका जाता है I

10 नथ - आगे की गति की नियंत्रण में रखने के लिए तथा नथ के सामान , ऊपर नीचे जाने के कारण पर्युक्त होती है I

11 थालिया - धागे की गति की इन दोनों कसी थालियों में कर के नियंत्रण में रखा जाता है, अधिक कसा होने पर धागे से यह कट जाती है I

12 तनाव वाला स्प्रिंग व नट - थालियों के आगे एक स्प्रिंग होता है तथा उससे आगे एक पेच होता है। जिसे की तनाव वाला स्पिंग व नट कहते है I

13 कुंडी - धागे की दिशा को सीधा रखने के लिये कुंडी में धागा डालते है टेंशन स्प्रिंग व् नट के नीचे की और छोटी सी कुंडी होती है I

14 कीली - यह फेस प्लेट पर ही एक डंडी के समान कीली होती है I इसी के ऊपर थालिया व स्प्रिंग लगे होते है I

15 सुई की प्लेट - इसमे दो छेद होते है एक छेद में से सुई नीचे से धागा लेती है I और दूसरे में कढ़ाई की प्लेट फ़ीट की जाती है I

16 स्लाइड प्लेट - सुई की प्लेट के बराबर ही यह होती है। इसको खिसका सकते है इसलिए इसका नाम स्लाइड प्लेट पड़ा है I इसे खिसकाकर नीचे से बॉबिन केस लगाना व निकालने का काम करता है I

17दंदराल - कपड़े को आगे सरकाने का काम यही करते है I सुई की प्लेट के नीचे लगे होते है। तथा उस प्लेट को उतार कर ही इनकी सुई की नोक से सफाई की जाती है I

मशीन के सहायक पुंजे

मशीन के सभी भागो के नाम व स्थान जानने के उपरान्त कुछ सहायक पुंजों भी हैं , जिनकी सहयता से सिलाई के कार्य में सुगमता, सरलता , सफाई तथा समय की बचत हो जाती हैं | अतः उन सहायक पुंजों के नाम व काम जानने अति आवश्यक हैं |

1. हेमर- पुर्जा दो प्रकार के हेम करता हैं-बारीक व मोटी यहां पर हेम का अर्थ हाथ की तुरपाई से नहीं हैं , वरन किनारों को बांधना हैं | कपडे को मोड़ने का कार्य हेमर स्वयं करता हैं ,तथा उसकी सिलाई ऐसी होती हैं जो सीधी तरफ से हेम के टांको के समान ही लगती हैं

2 . कार्ड हेमर- किनारों में उभार व सख्ती देने के लिए कार्ड हेमर का प्रयोग किया जाता हैं | इसके लिए पाइपिंग के कपडे में डोरी रखकर सिलाई लगाते हैं | इस पूजें की सहायता से यह काम शीघ्रता से होता हैं | कुशन कवर ,सोफ़ा सैट , फ़ॉको में डेसिंग बनाने के लिए इसका प्रयोग करना चाहिए |

3. लेस लगाने वाला हेमर -कहीं पर भी लेस लगाने से पूर्व किनारे मोड़ने पड़ते हैं ,फिर लेस कच्ची करके सिलाई लगाते हैं | किंतु इस पूजें की सहायता से दोनों कार्य भी सफ़ाई पूर्ण तथा सुरुचिपूर्ण होता हैं |

4. एडजस्टेबल हेमर - इस पुर्जे पर 0 से 2 1 /2 तक के निशान होते हैं | जितना चौड़ा हमको मोड़ना हो उतने पर हेमर का प्वाइंट निश्चित कर देते हैं और आरंभ में थोड़ा सा मोड़ कर हेमर के पैर में दे देते हैं |

5 पाईपिंग लगाने वाला - पाइपर की सहयता से पाइपिंग लगाने में आसानी होती हैं पाइपिंग लगाने समानता तथा शीघ्रता होती हैं एक ही बखिया के
द्वारा पाइपिंग लग जाती हैं |

6 टकर -टेरिंग के डिजाइन शास्त्र में टक्स का महत्वपूर्ण स्थान हैं टकर की सहायता से टक्स की दूरी एक समान तथा एक बराबर आती हैं |

7 क्विल्टर - मूल कपडे तथा लाइनिंग (अस्तर) के बीच में जब रुई या फोम की तह लगाए तो उसको मजबूती देने के लिए सिलाई लगनी आवश्यक होती हैं |

8 रफलर - यह झालर बनाने वाला पुर्जा हैं प्लेन या छपे हुए कपडे को चुन्नट द्वारा या प्लीट्स के द्वारा इकट्ठा करना रफलिंग कहलाता हैं |

मशीन में आने वाले दोष व दूर करने के उपाय

निम्न प्रकार के हैं :-

1 सुई टूटना

दोष

1 शटल रेस तथा शटल की फिटिंग ठीक न हुई हो तो टूट जाती हैं
2पैर का पेच ढीला रहने से चलते- चलते सुई टकराती हैं
3 सुई का नंबर कपड़े की मोटाई के अनुसार ही होना चाहिए |

निराकरण

1 शटल रेस के पूरे भागो की फिटिंग टीक प्रकार से देख कर करें |
2 पैर का पेच सावधानी पूर्वक कस कर लगाए |
3 सुई का नंबर कपड़े की मोटाई के अनुसार ही होना चाहिए |

<u>कटिंग टेलरिंग और ड्रेस मेकिंग करते समय सावधानियां एवं प्राथमिकता उपचार</u>

अभ्यास

i. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें **|** मार्क्स-5

1. _____ कपडे को दबाने के काम में आता है |
2. सुई लगाते समय _____ को पूरी ऊंचाई तक उठाएं |
3. हेमर पुर्जा _____प्रकार के हेम करता है |
4. कार्ड हेमर किनारों में _____ व _____ सख्ती देने के लिए प्रयोग किया जाता है |
5. इस पुर्जे की सहायता से यह काम _____ से होता है |
6. लेस लगाने वाला हेमर कहीं पर भी _____ पूर्व प्रयोग किया जाता है |
7. रेडीमेड वस्त्रों पर डिजाइन बनाने के लिए _____ पुर्जा का खूब काम आता है |
8. मशीन को थोड़ा _____ पर रखना चाहिए |
9. सुई _____ के अनुसार होनी चाहिए |
10. _____ अच्छी कवालिटी का होना चाहिए |

(ii) सही-गलत का निशान लगाएं **|**

1. गज कपडे को दबाने के काम में आता है | ( )
2. हेमर पुर्जा चार प्रकार के हेम करता है | ( )
3. रेडीमेड वस्त्रों पर डिजाइन बनाने के लिए जिगजैगार पुर्जा का खूब काम आता है | ( )
4. सुई लगाते समय टक को पूरी ऊंचाई तक उठाएं | ( )

5. कार्ड हेमर किनारों में सख्ती व उभार देने के के लिए प्रयोग किया जाता है | ( )
6. फिरकी पर धागा भरने के लिए फलाई व्हील को कसना चाहिए | ( )
7. सुई मशीन के अनुसार होना चाहिए | ( )
8. लेंस लगाने वाला हेमर कहीं पर भी लेंस लगाने से पूर्व प्रयोग किया जाता है | ( )
9. मशीन को थोड़ा निचे पर रखना चाहिए | ( )
10. स्लाइड प्लेट यह निडेल प्लेट के साथ लगी हुई होती है | ( )

बहु विकल्पीय प्रश्न

फेस प्लेट मशीन के किस भाग में होती है ?

- आगे के भाग में
- हत्थी वाला भाग
- मध्य भाग
- भीतरी भाग

किस भाग को सरका कर हम डिबियाँ को निकाल या लगा सकते हैं?

- निडिल क्लैम्प
- निडिल बार
- स्लाइड प्लेट
- निडिल प्लेट

गति चक्र मशीन के किस तरफ लगा है ?

- आगे की तरफ
- अंदर की तरफ
- ऊपर की तरफ
- दाईं तरफ

मशीन के बभीतरी भाग का हिस्सा नहीं है-

- फिरकी
- शटल
- डिबिया
- हत्थी

मोटे कपडे की सिलाई के लिए हमें किस प्रकार के टाँके का उपयोग करना है ?

- छोटे टाँके
- मोटे टाँके
- ढीले टाँके

- लम्बे टाँके

सुई किसकी सहायता से ठीक से लगती है?

- थालियां
- फिरकी
- चुटकी
- हत्थी

मशीन के कौनसे भाग में फसे रेशे, धागे अथवा मिटटी को साफ़ करना चाहिए ?

- शटल
- सामने की प्लेट
- दंतराल
- घोडा

मशीन को किस प्रकार के स्थान से दूर रखना चाहिए ?

- गरम स्थान से
- नमी वाले स्थान से
- ऊँचे स्थान से
- साफ़ स्थान से

मशीन में कौनसा तेल डालना चाहिए ?

- मिटटी का
- गोले का
- सरसों का
- मशीन का

मशीन बंद करते समय किस भाग को निचे कर देना चाहिए ?

- घोडा
- शटल
- गति रोकने वाला पेंच
- दंतराल

ऊपर निचे धागे की मोटाई एक सामान होने के लिए-

- सुई ऊँची नीची
- धागा एक सामान नहीं

- नोक घिस गयी
- पत्ती घिस गयी

धागा बार बार टूटने का कारण-

- दांतो में गन्दगी भरी होना
- धागा कपडे के अनुकूल न होना
- कपडे का दबाव अधिक होना
- बोबिन में धागा ढीला होना

टांका छोड़ने का कारण-

- धागा क्रम से न डाला गया हो
- सुई की नोंक मुड़ी या घिसी हो
- कपडे का दबाव सही नहीं है
- शटल का नोक घिस गया है

(iii). सही मिलान करें |

1. प्रेशर बार

2. प्रेशर फुट

3. सुई

4. नथ

5. चुटकी

6. प्रेशर बार स्क्रू

7. फेस प्लेट स्क्रू

8 निडेल प्लेट

9. स्लाइड प्लेट

10. गति चक्र

11. शटल नाल

12. शटल

सही मिलान करें |

प्रेसर फुट	बोबिन को फिट करने का काम करती है
दंतराल	कपडे पर दबाव डालता है
स्लाइड प्लेट	21 नंबर की सुई
मोटी सिलाई के लिए	कपडे के पीछे सिरकाने का काम करता है
फिरकी	सुई
रील	टांका
धागा	डिब्बी
कसाब	तीली
मशीन भारी चलना	धागा एक सामान होना चाहिए
बखिया ठीक न आना	सुई बदल दीजिये
धागा बार बार हटाना	तेल की कमी होना
टांका छोड़ना	धागा क्रम से डालना चाहिए

(iv). एक शब्द में उत्तर दें |

- धागे की रील को कहाँ रखते हैं ?

- मोटे कपडे के लिए कितने न. की सुई का प्रयोग करते हैं ?
- सिलाई समाप्त करने पर वह खुले नहीं इसके लिए क्या करना चाहिए ?
- मशीन की सफाई कितने प्रकार की होती है ?
- मशीन के बचाव के कोई दो तरीके लिखिए ?
- शिलाई मशीन में बखिया ठीक न आने का कारन बताइये ?
- धागे का ताना ठीक न होने पर क्या होगा?
- रफ्लर किसके लिए प्रयोग किया जाता है??
- धागे भरते समय फिरकी को कहाँ फिट करते हैं?
- फिरकी को डिब्बी में रखते समय धागे का सिरा किस ओर रखते है?
- मशीन में होने वाली कोई एक खराबी बताइये ?
- मशीन में धागों के गुच्छे पड़ने का कोई
- मशीने कितने प्रकार की होती हैं, कोई एक का नाम बताइये?
- मशीने के बचाव का कोई एक तरिका लिखिए?
- सिलाई मशीन में बखिया ठीक न आने का एक कारण बताइये?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम रिंकू है | मैंने छट्टी कक्षा तक पढ़ाई की है, क्योंकि मेरे घर वालो की आर्थिक स्तिथि ठीक नहीं थी कि मैं आगे पढाई न कर सकूं| मुझे अपने और मेरे घर के लिए कुछ करना था, तो मुझे मेरी एक मित्र ने मुझे एक संस्थान के बारे में बताय जहाँ पर सिलाई, कटाई और भी बहुत कुछ सिखाया जाता है | मैं भी वहाँ सिलाई सिखने गयी, पहले मुझे सिलाई का कुछ भी नहीं आता था | वहाँ जाने के बाद जब मैंने सिलाई सीखी तो मुझे इसमें बहुत रूचि आने लगी, तभी मैंने ये सोच लिया की मुझे आगे सिलाई में ही आगे कुछ करना है, और इसी में अपना कुछ मुकाम हासिल करना है | जब मैंने सिलाई करना शुरू किया तो मैंने देखा की मैं इस काम को अच्छे से कर पा रही हूँ, धीरे धीरे मैंने अपने साथ साथ दूसरे लोगों के कपड़े भी सिलना शुरू किया, और लोगों को मेरी की हुई सिलाई बहुत पसंद आने लगी | अब धीरे धीरे मेरे पास बहुत काम आने लगा जिससे मेरी खूब कमाई होने लगी | और उसी कमाई से मैंने अपने साथ साथ अपने घर की भी जिम्मेदारियों को भी खूब अच्छे से निभाने लगी और अपने पापा की भी घर खर्चा उठाने में मदद करने लगी | जिसे मेरे घर की आर्थिक स्तिथि पहले से बहुत बेहतर हो गयी और हमारे घर में खुशहाली छा गयी |

ऊपर दिए गद्यांश को पढ़कर उत्तर दें-

- विधार्थी का नाम क्या है ?
- विधार्थी कितना पढ़ा है ?
- रिंकू ने कौनसा सा कार्य किया है ?
- रिंकू कार्य करने के बाद किसकी मदद कर रही है ?
- कोर्स करने के बाद रिंकू क्या है ?
- रिंकू की सिलाई करना कौन लोग पसंद करते हैं ?
- क्या रिंकू को सिलाई सिखने के बाद सिलाई में रूचि थी ?
- क्या रिंकू को सिलाई सिखने के बाद कोई फायदा हुआ ?
- क्या रिंकू के सिलाई सिखने से उसके और उसके परिवार की आर्थिक स्तिथि में बदलाव आया|?
- क्या रिंकू का सपना पूरा हो पाया, और उसका क्या लाभ हुआ?
- मशीन में कार्य करते समय कौन- कौन से दोष उत्पन्न होते हैं?

- मशीन गुच्छे दे रही है, उसके लिए आप क्या करोगे ?
- मशीन में अगर कपडा इकठा होता है तो, सिलाई करते समय आप कैसे ठीक करोगें ?
- हाथ पैर की मशीन पर कार्य करते समय सही स्तिथियों का वर्णन करें |
- कार्य करते समय यदि उचित प्रकाश की वयवस्था नहीं होगी तो इसके हानि बताएं?
- सही तरीके से कार्य करने के क्या- क्या लाभ है?
- पैर वाली मशीन में पैर के भागों का वर्णन करें|
- मशीन के मध्य भाग में प्रयोग होने वाले पुर्जों का वर्णन करें |
- मशीन में उसकी नथ का महत्व बताएं |
- मशीने में बेलेंस व्हिले व स्टीच रेगुलेटर का महत्व बताएं ?
- हेमर और कार्ड हेमर में अंतर स्पष्ट करें-
- क्विल्टर किसे कहते है ?
- नीडल थ्रेडर किस काम में आती है ?
- मशीन पर कार्य करते समय हमें किन-किन बातों की सावधानिया रखनी चाहिए
- मशीन पर कार्य करते समय कैसे कपडे पहनने चाहिए ?
- मशीन में तेल की किस्म तथा उससे सम्बंधित सावधानियाँ बताएं?
- शीन में सहायक पुर्जों की आवश्यकता क्यों होती है बताइये?
- फ्रिल व टॅक्स के लिए कौन- कौन से पुर्जों का इस्तेमाल होता है और कैसे होता है?
- मशीन के मध्य भाग में इस्तेमाल होने वाले पुर्जों का वर्णन करें?
- कार्ड हेमर का कार्य एवं महत्व बताएं ?
- लेस लगाने वाले हेमर से आप किस प्रकार और क्या काम लेंगे?
-
- स्टीच फिक्चर क्या होता है ?
-
- मशीन के सहायक पुर्जे व मशीन के भाग में अंतर बताएं?

विभिन्न प्रकार के स्लीव्स

बेल स्लीव्स :- यह बाजू घंटी के प्रकार की अर्थात ऊपर से कम तथा निचे से कम फैले घेरे की होती है, घेर अधिक या काम इक्षा अनुसार लिया जा सकता | इसका प्रयोग बच्चों व् स्त्रियों के वस्त्रों पर किया जा सकता है |

पफ स्लीव्स :- यह बाजू ऊपर ओर नीचे दोनों ओर से बराबर होती है अर्थात ऊपर चुनट डालकर आर्म हॉल में जोड़ते हैं | तथा इसकी मोरी चुनट द्वारा छोटी करके पट्टी या पाइपिंग लगाकर फिनिशिंग देते हैं |

कीमोनो स्लीव्स :- यह बाजू जब जापानी ड्रेस की विशेषता है उनकी पारम्परिक पोशाक कीमोनो एक ढीला ढाला चोगा होता है, उसी के अनुसार ही यह बनाई जाती है, इसमें कोई कटिंग नहीं की जाती है इसकी विभिन्न प्रकार की कोलोर होती हैं ।

परिचय :- कपड़ो को सजाने के लिए कोलोर का इस्तेमाल किया जाता है, कॉलर का समय के अनुसार फेसन बदलता है, कॉलर का इस्तेमाल बच्चों के सूट, महिलाओं के सूट, पुरुष के कमीज के गले पर लगाया जाता है |

*बेबी कॉलर :ल- बच्चों के फ्रॉक्स में इस कॉलर का इस्तेमाल किया जाता है, किनारों को सादा सिलाई द्वारा पलट कर पाइपिंग लगाकर या लेस लगाकर सजाया जा सकता है |

टेनिस कॉलर :- यह बच्चों के कॉम्बिनेशन सूट, नाईट सूट में लगाते हैं, इस कॉलर के साथ बेंड का प्रयोग नहीं होता है |
धी बाजू होती है, इस बाजू का प्रयोग महिलाओं व् बच्चों के कपड़ों में किया जाता है |

सादी स्लीव्स :- यह बाजू सादी बाजू होती है, यह ग्राहक के अनुसार बड़ी छोटी कर सकते हैं |

विभिन प्रकार की जेबें

परिचय :- प्रारम्भ में जेबों का प्रयोग आवश्यकता के लिए ही होता था, परन्तु समय बिताते बिताते फेसन का ज़माना आ गया और इस समय सजावट का कार्य भी जेब की सहायत से होने लगा |

साइड पॉकेट :- निक्कर, पेंट व् पाजामा तथा ऊपर पहने जाने वाले वस्त्रों में जेबें लगायी जाती है, निक्कर या पजामों की साइड में लगाई जाती है |

कट पॉकेट :- जहां पर कट पॉकेट बनानी होती है उस स्थान पर जेटिंग रखकर सिलाई कर लेते हैं | यह प्रायः पेन्ट या निक्कर के पिछले हिस्से पर लगाते हैं |

पैच पॉकेट :- जब किसी भी वस्त्र पर या कटे भाग पर ऊपर से अलग अलग कपडा लगाकर जेब बनायी जाती है उसको ही पैच पॉकेट का नाम दिया जाता है | यहां जेबें अलग अलग आकार में तथा सजावटी बनायीं जाती है |

महिला सशक्तिकरण

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- सिलाई सीखने से महिलाएं _____ होती है।
- महिला दिवस दुनिया भर में _____ मार्च को मनाया जाता है ।
- महिला सशक्तिकरण की स्थापना _____ सन में की गई ।
- घर पर कपड़े सिलने से _____ होती है ।
- 1 मीटर में _____ सेंटीमीटर और _____ इंच होते हैं ।
- महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की _____ योजनाएं कौन-कौन सी हैं।

सही गलत –

- महिला दिवस 10 मार्च को मनाया जाता है । ( )
- सिलाई सिखने से महिलाएं आत्मनिर्भर होती है । ( )
- सिलाई सिखने के बाद जब महिलाएं घर पर सिलाई करती है तो पैसे की बचत होती है । ( )
- महिला सशक्तिकरण की स्थापना 1991 में हुई थी । ( )
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना भारत सरकार की है । ( )
- उज्जवला योजना भारत सरकार की नहीं है। ( )

मिलान करें-

महिला दिवस	बचत
महिला सशक्तिकरण	8 मार्च
पैसे की	1990
1 मीटर में inch	39.5
5 मीटर में सेंटीमीटर	500

महिला सशक्तिकरण की

महिलाओं के अधिकार

बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ महिला सशक्तिकरण क्या है ?
- ❖ महिला दिवस कब मनाते हैं ?
- ❖ महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की क्या योजना है ?
- ❖ महिला सशक्तिकरण की स्थापना कब की गई थी ?
- ❖ फोर्स भी कार्य सिखने के बाद महिलाएं क्या कर सकती है ?
- ❖ महिला पढ़े लिखे हो तो क्या कर सकती हैं?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम सुमन है मैं पांचवी कक्षा तक पढ़ी हूं मेरे घर की स्थिति ठीक न होने के कारण मेरे घर के सदस्यों ने मेरी शादी जल्दी कर दी जिस कारण मैं ना पढ़ पाए ना ही कुछ कर पाए इस कारण से मैं घर पर बहुत दुखी रहती थी फिर एक बार में पड़ोस में एक टीचर से मुझे ऐसे जी के बारे में पता चला कि ऐसे जिनमें हर महीने पैसे जमा करके 6 या 7 महीने बाद सरकार की तरफ से उसका पैसा आता है उस पैसे की मदद से हम अपना काम कर सकते हैं और अपने पैरों पर खड़े हो सकता है यहां सुनकर मैं बहुत खुश होगी और मैंने भी ऐसे ही ग्रुप में हर महीने ₹50 की शुरुआत की उसी की सहायता से मैं अपने घर पर ही कढ़ाई का काम कर रही हूं और अपने पति की मदद कर रही हो मैं बहुत खुश हूं

- ❖ महिला का क्या नाम है ?
- ❖ महिला को S.H.G के बारे में कैसे पता चला ?
- ❖ सुमन ने S.H.G में हर महीने कितने पैसे जमा कराया ?
- ❖ सुमन कौन सा काम कर रही है ?
- ❖ सुमन कितना पढ़ी है ?
- ❖ सुमन कहां पर अपना काम करती है S.H.G की सहायता से सुमन क्या है?

Question on job role

S.H.G क्या है?

महिला दिवस कब मनाया जाता है महिला S.H.G की सहायता से क्या कर सकती है ?

महिला पढ़ी लिखी हो तो वह महिला क्या कर सकती है ?

महिला सशक्तिकरण से आप क्या समझते हैं ?

महिलाएं के कौन कौन से अधिकार है?

बहु विकल्पीय प्रश्न

महिला सशक्तिकरण क्या है ?

- महिलाओं का अधिकार
- महिलाओं की पढ़ाई
- महिलाओं की योजना
- महिलाओं का कार्य

महिला सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार की क्या-क्या योजना है ?

- महिलाओं की पढ़ाई
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- महिलाओं की रक्षा
- महिलाओं की पहचान

महिला दिवस कब मनाया जाता है ?

- 9 मार्च
- 20 मार्च
- 10 मार्च
- 8 मार्च

S.H.G की सहायता से महिला क्या कर सकती है ?

- अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है

- खुश रह सकती है
- अपने घर में मदद कर सकती है
- इनमें से सभी

महिला सशक्तिकरण की स्थापना कब की गई ?

- 1990
- 1992
- 1890
- 880

S.H.G में महिलाओं को कम से कम कितने पैसे जमा करने होते हैं हर महीने ?

- 100
- 50
- 40
- 10

बाजार एक्सपोजर

- महिलाओं की स्थिति और महिलाओं के उत्थान को समझने की आवश्यकता
- लैंगिक भेदभाव से लड़ना
- मेन्सवियर, चिल्ड्रनवियर और वूमेनवियर परिधान के दृश्य सर्वेक्षण के लिए बाजार (घरेलू) का दौरा
- लैंगिक समानता के संबंध में समसामयिक विषयों पर संवादात्मक चर्चा
- बाजार सर्वेक्षण/विजिट
- बाजार में उपलब्ध डिजाइनों को कक्षा के इनपुट के साथ पहचानना और सह-संबंधित करना

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

- सिलाई कढ़ाई का कार्य _____ है ।
- कपड़े पर निशान लगाने के लिए _____ का प्रयोग होता है ।
- कपड़े को नापने के लिए _____ का प्रयोग होता है ।
- बाजार में_____ प्रकार के कपड़े होते हैं ।
- बाजार में कपड़े देखने में _____ लगते हैं ।
- कपड़े को सजाने के लिए _____ प्रयोग किया जाता है ।
- बाजार में जाने के बाद हमें _____ पता चलता है।
- काथा _____ की प्रसिद्ध कढ़ाई है ।
- चिकनकारी _____ की प्रसिद्ध कढ़ाई है ।

सही गलत –

1. बाजार में कपड़ा एक प्रकार का होता है । ( )
2. कपड़ा देखने में सुंदर लगता है । ( )
3. पेट जेंट्स के कपड़े की होती है । ( )
4. बाजार में जाने के बाद हमें फैशन और डिजाइन का पता चलता है । ( )
5. औद्द्योगिक क्षेत्र में एक बार में एक ही कपड़े की कटिंग की जाती है । ( )
6. काथा पंजाब की प्रसिद्ध कराई है कपड़े को सजाने के लिए बटन का प्रयोग होता है । ( )

7. कपड़े पर टप्पे डालने से कपड़ा देखने में सुंदर लगता है । ( )
8. नेट के कपड़े को बिना अस्तर से सिला जा सकता है। ( )

मिलान करें-

1. लेस
2. बटन
3. पाइपिंग
4. काथा
5. नोट स्टिच
6. साटन
7. कटाव दार कैंची
8. बड़ी कैंची

9. कोट राइज

10.टक्स

एक शब्द में उत्तर दें-

- ❖ बाजार में कपड़ा किस नाप में लिया जाता है ?
- ❖ वस्त्र को सजाने के लिए किस यमतग्री का प्रयोग किया जाता है ?
- ❖ कपड़े कितने प्रकार के होते हैं नाम बताओ ?
- ❖ अंब्रेला स्कर्ट बनाने के लिए कितना कपड़ा लगता है 0 से 8 साल के बच्चे के लिए ?
- ❖ नेट के कपड़े को सिलते समय क्या सावधानियां रखनी चाहिए ?
- ❖ अस्तर का प्रयोग कौन से कपड़ों पर करते हैं ?
- ❖ मोटे कपड़े को सिलने के लिए कौन से नट की सुई का प्रयोग किया जाता है ?
- ❖ पॉलिस्टर सिल्क, रूणिया कपड़ों को सिलने के लिए कौन से नट की सुई का प्रयोग किया जाता है?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम नीतू है मै आठवीं कक्षा तक पढ़ी हूं । मैं अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती थी पर मेरे घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है क्योंकि मेरे पिताजी नहीं है मेरी मम्मी ही है घर का खर्च चलाती है मैं घर पर ही रहती हूं एक बार मेरे घर के पास कुछ टीचर सर्वे करने आई। टीचर से बात करके मुझे J.S.S के बारे में पता चला जिसमें कई तरह के कोर्स सिखाए जाते है, जैसे सिलाई कढ़ाई कंप्यूटर फैशन डिजाइनिंग आदि। कोर्स को करने के लिए ना के बराबर फीस लगती है यह सुनकर मैं खुश हो गई और मैंने J.S.S संस्था में सिलाई का कोर्स किया सिलाई सीखने के बाद अब मैं अपने घर पर महीने के ₹6000 कमा लेती हूं और अपने घर में अपने मम्मी की मदद कर रही हो मैं बहुत खुश हूं।

- ❖ विधायक का क्या नाम है ?

- ❖ विद्यार्थी कितना पढ़ी है ?
- ❖ विद्यार्थी महीने में कितना कमा लेती है ?
- ❖ नीतू ने कौन सा कोर्स किया ?
- ❖ नीतू को J.S.S के बारे में कहां से पता चला ?
- ❖ नीतू की आर्थिक स्थिति कैसी थी ?
- ❖ नीतू ने कोर्स करने के बाद किसकी मदद की ?

Question on job role

- ❖ बाजार में जाकर हमें क्या पता चलता है?
- ❖ बाजार में कपड़े कितने प्रकार के होते हैं ?
- ❖ गर्मी में कौन से रंग के कपड़े पहने जाते हैं?
- ❖ ठंड में कौन से रंग के कपड़े पहने जाते हैं ?
- ❖ सिले सिलाई कपड़े कितने नाप के होते हैं बताओ ?
- ❖ जेंट्स के कपड़े से क्या-क्या बनाया जाता है ?
- ❖ काले रंग के व्यक्ति को किस तरह के कपड़े पहनने चाहिए ?
- ❖ गोरे रंग के व्यक्ति को किस तरह के कपड़े पहनने चाहिए?

बहु विकल्पीय प्रश्न

बाजार में कपड़ा किस तरह नापा जाता है ?

- इंची टेप
- गंज
- हाथ
- इनमें से सभी

कपड़ों को सजाने के लिए क्या क्या प्रयोग किया जाता है ?

- लेस

- पाइपिंग
- बटन
- इनमें से सभी

काठा कहां की प्रसिद्ध कढ़ाई है ?

- बंगाल
- रूस
- पंजाब
- लखनऊ

कपड़े कितने प्रकार के होते हैं ?

- कई प्रकार के
- दो प्रकार के
- 1 प्रकार के
- इनमें से सभी प्रकार

अस्तर का प्रयोग कौन से कपड़ों पर करते हैं ?

- मोटे
- इनमें से कोई नहीं
- पतले
- ऊनी

पॉलिस्टर, सिल्क, रुनिया कपड़ों का सिलने के लिए कौन से नट की सुई का प्रयोग किया जाता है ?

- 14 नंबर
- 8 नंबर
- 7 नंबर
- 16 नंबर

मोटे कपड़े को सिलने के लिए कौन से नंबर की सुई का प्रयोग होता है ?

- 20 से 21 नंबर
- 18 से 21 नंबर
- 7 से 14 नंबर
- 8 से 16 नंबर

कढ़ाई के धागे कौन से होते हैं ?

- साटन का धागा
- कोई भी नहीं
- धागे
- उन से

प्रलेखन

प्रलेखन हर काम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। दस्तावेजों को पूरा करके यह सुनिश्चित कियाजाता है की विवरण प्रत्येक लेनदेन / घटना रिकॉर्ड की जाती है और आवश्यकता होने पर इसे एक्सेस किया जाता है।
रजिस्टर बनाये रखने की आवश्यकता को निचे समझाया गया है।

- किये गए लेने का रिकॉर्ड रखने के लिए।
- विवरण रिकॉर्ड करने में आदेश और एकरूपता बनाये रखने के लिए।
- एक क़ानूनी दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।
- पिछली घटना का विवरण जब भी आवश्यक हो पुनप्राप्त किया जा सकता है।

आवश्यकता के अनुसार दर्जी कुछ रजिस्टरों का उपयोग क्र सकता है। आमतौर पर उपयोग किये जाने वाले रजिस्टर हैं।
रजिस्टर सौंपने / लेने
आगंतुक रजिस्टर
माप रजिस्टर सामग्री रजिस्टर

एक रजिस्टर को बनाए रखते समय एक दर्जी को हमेशा निम्नलिखित
प्रमुख पहलुओं को याद रखना चाहिए।
रजिस्टर का नाम दिया जाना हैं और सभी पृष्टो को क्रमांकित किया जाना हैं।
रजिस्टर को अच्छी स्थिति में रखा जाना हैं
रजिस्टरों के पृष्टो को फता या अलग नहीं किया जाना चाहिए
प्रविष्टियाँ बनाते समय केवल नीले / काले पेन का उपयोग करें
सुधर / अधिलेखन से बचे
रजिस्टर को उसके नामित पद से स्थानांतरित न करें
एक विशेष प्रविष्टि के सभी क्षेत्रों को भरा जाना हैं
फ्लीड अपूर्ण न रखे
रजिस्टर स्वरूप - उपस्थिति रजिस्टर

RETURN MATERIAL REGISTER

FORMAT NO.:

Date	Gate Pass no.	Material Send Through	Party Name	Material description	Reason for Return	Qty	Unit	Return Date	Note, in any

लागत पत्रक

एक विवरण जो किसी केंद्र या लागत इकाई को इकट्ठा करने के लिए प्रदान करता हैं।
एक लागत पत्रक एक विशेष लेखांकन अवधि के लिए लागत के परिणाम और ब्रेक उप को जानने के लिए तैयार किया जाता है। स्तंभकार फॉर्म सबसे लोकप्रिय हैं। हालंकि लागत पत्रक प्रबंधन की आवश्यक्ताओं के अनुसार तैयार किये जाते हैं।
हालंकि लागत पत्रक प्रबंधन की आवश्यकताओ के अनुसार तैयार किये जाते हैं, एक लागत पत्रक में शामिल की जाने वाली जानकारी में प्रति इकाई लागत और वर्तमान कुल लागत , प्रति इकाई लागत और पूर्ववर्ती अवधि की कुल लागत के साथ अवधि शामिल होनी चाहिए। लागत पत्रक की तैयारी , वित्तय विवरण के डेटा का उपयोग के लिए किया जाता है। इसलिए , लागत पत्रक और वित्तय विवरण का सामंजस्य एक नियमित अंतराल पर किया जाना चाहिए।
एक अवधि के लिए उत्पाद पर किया गया व्यय वित्तीय पुस्तकों से निकाला जाता हैं और रिकॉर्ड स्टोर करें और एक ज्ञांपन बयान में सेट करें। यदि यह कथन लागतों के प्रकटीकरण तक सिमित है अवधि को विभाजित करने वाली उत्पादित इकाइयों इकाइयों में से , इसे लागत पत्रक खा जाता है।

Cost Sheet				
Date	12-03-2016	**Description**	Kameez with waist band	
Size	M	**Colour**	Blue	
Selling Price	Rs 758			
1. Material	**Meters**	**Price**	**Amount**	
Cotton	4	Rs 65/meter	Rs 260	
Lining	-	-	-	
Total Material Cost (1)				Rs 260
2. Trimmings and Accessories	**Quantity**	**Price**	**Amount**	
Buttons	4	Rs 0.5/button	Rs 2	
Pads				
Zippers				
Waist Band	1	10	10	
Elastic				
Total Trimmings and Accessories Cost (2)				Rs 12
3. Labour				
Cutting			Rs 20	
Sewing			Rs 250	
Total Labour Cost (3)				Rs 270
Total Cost (1+2+3)				Rs 542
Markup (profit)	@40 %			Rs 758

प्राथमिक चिकित्सा

प्राथमिक चिकत्सा एक अप्रत्याशिकता बीमारी या चोट से पीड़ित किसी भी व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को दी जाने वाली सहायता है जीवन को सरंक्षित करने के लिए प्रदान की गई देखभाल के साथ, स्थिति को बिगड़ने से और जल्द रिकवरी को बढ़ावा देता हैं इसमें कुशल चिकत्सा सहायता सुलभ होने से पहले एक गंभीर स्थिति के दौरान प्रारंभिक हस्तक्षेप शामिल है ,जैसे कि एम्बुलेंस के लिए प्रतीक्षा करते समय सीपीआर करना भी शामिल है क्योंकि मामूली स्तिथियो का पूरा उपचार,जैसे कि पर प्लास्टर लागू करना |

- प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करते समय हमेशा याद रखें :
- स्थिति बिगड़ने से बचाव करे /
- तेजी और आत्मविशवास से कार्य करे
- गोल्डन आवर -एक दुर्घटना के बाद पहले 60 मिनट
- प्लैटिनम अवधि -एक दुर्घटना के बाद पहले 15 मिनट
- सदमे और घुट को रोके
- खून बहना बंद करो
- घायल व्यक्ति के कपडे ढीले करे
- स्वसन प्रणाली को विनियमित करे
- भीड़ /अधिक भीड़ से बचे
- पीड़ित को सुरक्षित स्थान /अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करे
- आसानी से और बिना किसी डर के पहले आपात स्थिति में भाग ले
- अधिक करने से बचे याद रखे कि प्राथमिक उपचार देने वाला व्यक्ति डॉक्टर नहीं है

सिलाई मशीन और उसके पुर्जो को समझना |

(परिचय)

★ मशीनो का उपयोग करते समय पावर प्लग /आउटलेट की जाँच |

★ हाथ पैर सिलाई मशीन के संचालन में प्रदर्शन और अभ्यास |

★ उपकरणों और माप उपकरणों के बारे में जानकारी हैं |

<u>अभ्यास</u>

रिक्त स्थानों :-

- सिलाई मशीन में आगे के भाग को _____ कहते है ||
- मशीन में सुई को _____के साथ फिट करते है|
- सिलाई मशीन में धागे _____में डालना
- कपडा सिलाने के लिए _____की आवश्यकता होती है|
- रेशम मे सुई न _____होता है|
- सिलाई मशीन के आगे के _____भाग होते है |
- सिलाई मशीन के मध्य भाग में _____पार्ट होते है |
- सिलाई मशीन में दाई और _____भाग होते है |
- अंदरूनी भाग में _____ पार्ट होते है |
- सिलाई मशीन में पैर के _____भाग होते है |

सही या गलत पर निशान लगाओ | :-

- महीन सुई के साथ मोटा धागा प्रयोग किया जाता है |( )
- 15 न. का धागा तुरपाई में ही प्रयुक्त होता है | ( )
- हाथ की सुइओ के न.10 से 24 तक होते है | ( )
- कितने न. सुई से गद्दो में धागा डालने का कार्य होता है |( )
- 11न. की मशीन की सुई कढ़ाई के काम आती है | ( )

मिलान करना :-

• सुई	नाप
• कैंची	ड्राफ्टिंग
• इंचटेप	कपड़े को अस्थायी
• स्केल	कपड़ा कटना
• पिन	16 No.

एक शब्द में उत्तर देना :-

- ❖ सिलाई मशीन में खींचने वाली प्लेट किसे कहते है? क्या यह नीडल प्लेट के पास लगी होती है ?
- ❖ घरेलू सिलाई मशीन में कौन से नंबर की सुई लगाई जाती है ?
- ❖ मशीन में काम करते समय धागा कंहा भरा जाता है ?
- ❖ सिलाई मशीन में बखिया को छोटा -बड़ा किससे किया जाता है ?
- ❖ सिलाई मशीन में फिरकी भरते समय कौन-से पहिए को ढीला किया जाता है ?

अपठत गद्यांश:

मेरा नाम टीना हैं मेरा शुरू से ही सिलाई सिखने का सपना था लेकिन में सिख नहीं पाई | मेरी शादी सन 2013 में हुई मै घर पर ही रहती थी सर्वे के दौर मै मुझे सिलाई सेंटर के बारे में पता चला और मैने दाखिला करवा लिया साथ ही मुझे सामान भी जन शिक्षण संस्थान दवरा दिया गया सिलाई सेंटर में बहुत अच्छे तरीके से सिलाई सीखी जो क्लॉस में समझाया जाता था |

उसको पूरा किया और अगले दिन फीस से सिखा और बहुत आत्मविश्वास बढ़ा जब मेरा कोर्स पूरा हो गया तो मैं इस के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहती हूँ | इस कोर्स अवधि १२० दी गयी थी |

ऊपर दिए गद्यांश को पढ़कर उत्तर दें:-

- ❖ टीना ने कौन सा कोर्स किया था ?
- ❖ किस संस्थान में कोर्स किया था ? उस का नाम क्या है |
- ❖ कोर्स पूरा होने पर टीना को कैसे लगा |
- ❖ संसथान में कोर्स पूरा करने के लिए टीना को समय लगा |
- ❖ टीना को कोर्स में किस के द्वारा पता चला |

मिलान करों :-

● 2.5 सें.मी	2 इंच
● 5.0 सें.मी	3 इंच
● 7. 5 सें.मी	8. 9. 5 इंच
● 100 सें.मी	20 इंच
● 50 . 5 सें.मी	1 इंच

बहु विकल्पीय प्रश्न:-

1. सबसे पहले सिलाई मशीन का अविष्कार कौन से सन में हुआ था |

- 1780
- 1785
- 1790
- 1795

2.सर्वप्रथम सिलाई मशीन के निर्माण कहा किया गया था ?

- ए . बी विल्सन को
- माहजक में रीट रिंगर
- एलियास होवी को (1817 ई o) भगीरथ प्रयास)
- इनमे से कोई नहीं

3. सिलाई मशीन से क्या संभव हैं |

- सिलाई करना
- रफू करना
- पीको करना

- उपरोक्त सभी

4. सिलाई मशीन के सभी पुर्जो की जानकारी आवश्यक क्या हैं

- टाके सही प्राप्त करने के लिए
- सुई टूटने से बचाने के लिए
- धागे का न फिरना
- उपरोक्त सभी

4. मशीन का ऊपर वाला सम्पूर्ण भाग क्या कहलाता हैं ?

- गोरव
- तली
- बहु
- इनमे से कोई नहीं

5.सिलाई मशीन के ऊपर मुड़े हुए भाग को क्या कहा जाता हैं ?

- स्पूल पिन
- बहु
- पेशर फुट

6. सिलाई मशीन में उपयोग करने वाली जानकारी स्पूल पिन की विशेषता क्या हैं ?

- कुल्नुभा सरचना
- स्टील सेवन हुआ
- पिन को तरह दिखाने वाला
- उपरोक्ता सभी

7. सिलाई मशीन में धातु का बना हुआ कौनसा पुर्जे हैं जिसका आकार पैर को एड़ी के तरह होते हैं|

- स्पल पिन
- प्रेशर फुट वार
- प्रेशर फुट
- प्रेशर फुट लिफ्टर

8. प्रेशर में फुट बार का मुख्य कार्य क्या होता हैं |

- सिलाई मशीन को गत्यामक

- कपडे दवाकर सिलाई करना
- नीचे के धागो को ऊपर की ओर खींचना
- उपरोक्त सभी

9. सिलाई मशीन से सुई निडल वार में सवधिक कथन विचार कीजिए |

- यह धातु का बना होता हैं
- सुई का चपटा भाग बाहर की तरफ होना चाहिए
- सुई का गोलभाग बाहर की तरफ होना चाहिए

10. उपरोक्त में से कौन -सा से कथन असत्य हैं |

- 1 तथा 2
- 2 तथा 3
- 12 तथा 3
- इनमे से कोई नहीं

प्रश्नों के उत्तर दें :-

- ❖ पावर प्लग का सिलाई मशीन में क्या उपयोग है |
- ❖ अम्ब्रेला सिलाई मशीन में पावर प्लग इस्तेमाल क्यों करना चाहिए?
- ❖ सिलाई मशीन से कॉज और बटन क्यों नहीं होता ?
- ❖ सिलाई मशीन की कंपनी का क्या नाम है बताओ |
- ❖ हाथ की मशीन को चलाने के लिए सीखना क्यों ज़रूरी है |
- ❖ पैर की सिलाई मशीन कैसे चलानी चाहिए |
- ❖ उषा स्ट्रीट स्ट्रिच मशीन को कैसे चलाना चाहिए और उसमे बोबिन को कैसे भरा जाता हैं |
- ❖ सिलाई मशीन बार -बार टेप छोड़ रही है तो उसे कैसे ठीक करा जा सकता हैं ?
- ❖ सिलाई मशीन चलानाकैसे सीखे और उसकी विधि क्या हैं बताये |
- ❖ सिलाई मशीन जाम क्यों हो जाती हैं ?
- ❖ मशीन में धागा छोड़ -छोड़ कर क्यों आते हैं |
- ❖ धागा बार -बार क्यों टूटता हैं |
- ❖ धागा तोडना ,धागा फसना , टाप देना , भारी चलना आदि को कैसे ठीक करना चाहिए ?
- ❖ क्या उषा बड़ी मशीन होती हैं | छोटी मशीन और बड़ी मशीन में क्या अंतर हैं ?
- ❖ सिलाई मशीन में डोरी कैसे बनती हैं ?
- ❖ सिलाई मशीन को बेल्ट कैसे बनाते हैं?
- ❖ कौन से कपड़े में किस नंबर की सुई उपयोग करें ?(11 , 14 ,16 , 18 , 21)
- ❖ 11 नंबर की सुई कौन सा कपड़ा सिलाई में उपयोग किया जाता हैं?
- ❖ जैक मशीन के फ़ायदे बताओ |

- ❖ जैक मशीन का उपयोग ज़्यादा कहा उपयोग किया जाता हैं |
- ❖ एलेक्ट्रिक सिलाई मशीन कैसे चलाते हैं |
- ❖ मशीन के मीटर क्या -क्या फंक्शन होते हैं ?
- ❖ इंचीटेप में नाप कितने प्रकार के होते हैं ?
- ❖ इंचीटेप में कितने नंबर पाए जाते हैं ?इंचीटेप के बारे में पूरी जानकारी बताए |
- ❖ मेज़रमेंट टेप को कैसे पढ़े ताकि आपकी गलती ना बता पाये |

(सिलाई मशीन के पुर्जो को पहचान |)

उचित कामकाज़ के लिए मशीन के लिए मशीन के घटको को एसेम्बली सफाई और रखरखाव **|** निर्माण की गुडवत्ता के लिए सिलाई मशीन के कुछ हिस्सो को समायोजित करने को समझना बनाना **|**

अभ्यास

खाली स्थान :-

- सिलाई का प्रथम अविष्कार _____ हुआ
- सिलाई मशीन दूसरा प्रयास _____ में हुआ |
- सबसे पहले किस नाम से _____ मशीन आई |
- सिलाई मशीन के पुर्जे _____ में बने है |
- सिलाई मशीन का अविष्कार _____ ने किया |

सही व गलत :-

- सिलाई मशीन में सुई चुटकी के साथ फिट होती हैं ( )
- सिलाई मशीन में सुई का चपटा हिससा पीछे होता हैं ( )
- मशीन में धागा पीछे की तरफ से डाला जाता हैं ( )
- मशीन का ऊपर वाला सम्पूर्ण भागा को प्रेशर फुट कहते हैं ( )
- सिलाई मशीन में कोई भी तेल डाल सकते हैं ( )
- उषा सिलाई मशीन कंपनी नहीं हैं ( )
- सिगांर की सिलाई मशीन अच्छी कंपनी नहीं हैं ( )
- उषा अम्ब्रेला सिलाई मशीन ठीक नहीं हैं ( )
- लोक मशीन अच्छा काम करती हैं ( )

मिलान करो :-

- मशीन के सामने वाली प्लेट पीछे होता है

- कपड़ा दबाने पैर — सुई
- चुटकी — फिट किया जाता है |
- घोडा के मशीन — फुट
- सुई का गज — ज्यादा काम में लिया जाता है

<u>बहु विकल्पीय प्रश्न:-</u>

सिलाई मशीन का अविष्कार किसने किया |

- मैकमिलियन
- इलियास हॉवे
- जेम्स वाट
- राइह ब्रदर्स

सिलाई उधेड़ने के लिए किस औजार का इस्तेमाल करते हैं |

- सीम टॉपर
- प्रकार
- सुई
- पेन

घरेलू सिलाई मशीन का नाम क्या हैं |

- लिंक मॉडल
- फैक्ट्री मॉडल
- फॅमिली मॉडल
- स्ट्रोम मॉडल
-

फैक्ट्री उपयोग में आने वाले 9 सिलाई मशीन का क्या नाम हैं |

- टेलर मॉडल
- लिंक मॉडल
- पावर मॉडल

सिलाई करने समय कपड़े पर दबाव डालने वाला पुर्जो कौन सा हैं |

- प्रैशर फुटर
- सुई
- प्रैशर फुटर बार लिफ्टर
- सुई का कज

ट्रैनिंग सुई का आकार कैसा होता हैं |

- छोटी -सी
- बड़ी सुई
- मुड़ी सुई
- फाइन

अधिकतर फैब्रिक्स पर कौन से न० की चलाई जाती हैं |

- 9 न०
- 11 न०
- 18 न०
- 16 न०

कौन -से पुर्जे से बखिया छोटी बड़ी की जाती हैं |

- बखिया निंयत्रक
- खेक अपलीवर
- बाबिन बाईडर
- न० 1 व न० 2

बाबिन भरते समय सुई की चाल को रोकने वाला पुर्जे का नाम |

- स्टॉप मोशन स्क्रू
- छोटा गियर
- बड़ा होल

मशीन नीडल पर किस दिशा से प्रकाश ठीक आता हैं |

- दाई ओर से
- बाई ओर से
- दोनों ओर से
- ऊपर से

मशीन फुट को अच्छी दसा में रखने के लिए उसमे क्या लगाना उचित हैं |

- जूट का टुकड़ा
- सूती कपड़ा
- ऊनी कपड़ा
- रेशमी कपडा

सामन्य मशीन में तेल डालने वाले छिद्रो की संख्या कितनी हैं |

- (18)
- (24)
- (36)
- (27)

क़्वलटिंग करने वाले पुर्जो का नाम बताए |

- रफलर
- हेमर
- क़्विलटर
- वाइपर

कौन -से पुर्जे से सिलाई करते समय कपड़ा स्वयं मुड़ता जाता हैं |

- जिग जैगर
- हेमर
- क़्विलटर
- एडजस्टेबिल हेमर

मशीन में नीचे की तरफ धागे वाले पुर्जे का नाम क्या हैं |

- बाबिन केस
- बॉबिन
- चैक अपलीवर
- शटल रेस

सलवार के पहुंचे सुंदर बनाने वाले सहायक पुर्जे का नाम लिखें |

- क़्विलटर
- जिग जैगर
- टकर
- हेमर

यह कैंची 7 इंच से 10 इंच तक को \ होती हैं |

- बड़ी कैंची
- ट्रेनिंग कैंची
- बटन होल कैंची
- साधारण कैंची

इस कैंची के द्वारा काज काटे जाते है |

- कटवारदार कैंची
- छिद्रक
- कज वाली कैंची
- साधारण कैंची

यह सुई प्राय हर प्रकार का कपड़ा सिलने के लिए प्रयोग की जाती है |

- 16 सुई न o
- 18 सुई न o
- 21 सुई न o
- 11 सुई न o

यह डार्ट ब्लाउज़ फ्रॉक में डाली जाती है |

- एक्नोक वाली डार्ट
- दो नोक वाली डार्ट
- पाईपिन
- वेल्को

प्रकृति प्रदत्त काला रंग व्यक्ति की कौन सी मनोवत को प्रकट करता है |

- ख़ुशी
- आँखो की चमक
- व्यथा
- घनिष्ठता

चटक रंगो को देखकर किसी व्यक्ति की मनोदशा बताएं |

- उदासी
- मन की प्रस्त्ता
- घनिष्ठता
- अवसाद

लाल , पीला , बैंगनी जैसे रंग कौन से रंगों की विशेषता बताते है |

- नारीयोजीत
- गर्म रंग
- ठंडे रंग
- चकाचौंध

एक प्राकृतिक रंग को किसी भी एक रंग में मिलाने पर जो रंग बनते है | उसे कहते है __

- प्राकृतिक रंग योजना
- मोनोक्रोमैटिक रंग योजना
- संबधित रंग योजना
- विपरीत रंग योजना

निमन में से प्राकृतिक रंग बताएं |

- लाल
- सफ़ेद
- हरा
- पीला

निम्न में से रंगों का कौन सा गुण नहीं है |

- हेयू
- मान
- ठण्डे
- रंग व्यवस्था

दो विरोधी रंगो के मेल से बनने वाली योजना का क्या नाम है ,जिसमें एक अधिक और दूसरा कम हो |

- विपरीत रंग योजना
- संपूरक रंग योजना
- संबंधित रंग योजना
- प्राकृतिक रंग योजना

खेलने समय के अवसर पर दर्शकों को कैसे वस्त्र पहनने चाहिए |

- एक ही रंग के
- हल्के रंगों के
- गहरे रंगो के
- रंग -बिरंगे वस्त्र

एक शिक्षक के अच्छे व्यक्तित्व के क्या गुण होने ज़रूरी है |

- आलसी , सुस्त
- बातूनी
- शिष्ट व योग्य
- अवसर अनुकूल त्यौहार होने का गुण

विवाह के अवसर पर वधू के वस्त्रो का कौन सा रंग उचित है |

- काला

- लाल , पीला , महरून
- नीला
- ब्राउन

नीचे दिए गये प्रशनो के सही उत्तर दें :-

मशीन के पार्ट्स क्या होते है? मशीन के बारे में क्या जानते है? इस का आविष्कार कब हुआ ?

मशीन का इतिहास क्या है?

मशीन का आविष्कार कौन से सन में हुआ था ?

मशीन का आविष्कार करने वाले व्यक्ति का क्या नाम था और कितना समय लगा था ?

सिलाई मशीन के क्या लाभ होते है ?

सिलाई मशीन अच्छी तरह चले इस के लिए क्या सावधानी रखना चाहिए ?

एक कुशल सिलाई मास्टर को किन किन बातो का ध्यान रखना चाहिए ?

सिलाई मशीन निर्माण कौन से सन में हुआ ?उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है ?

सिलाई मशीन का परिचय व मशीन के मुख्य भाग व उनके कार्य बताओ ?

सिलाई मशीन को कितने भागो में बांटा गया है ?

सिलाई मशीन कितने प्रकार की होती है ?

सिलाई मशीन के आगे के कितने भाग होते है ?

सिलाई के पोथे के भाग के नाम बताओ ?

हाथ वाली सिलाई मशीन और पैर वाली मशीन के लाभ व हानि क्या होती है ?

सिलाई मशीन में तेल डालने वाले छिद्र कितने होते है ?

सिलाई मशीन में तेल कब और कैसे डालना चाहिए ?

सिलाई मशीन कौन कौन से नाम से आते है ?

अन्तर स्पष्ट करो |

{1} हाथ की मशीन व पैर की मशीन में

{2).सिलाई मशीन में 16 न.सुई व 18 न.की सुई

(3) सूती कपडे में काम व रेशम के कपडे में काम

(4) कंपनी की मशीन व लोकल मशीन

फेस पेलट व वील पार्ट]’’’’’0

छोटी सिलाई मशीन व बड़ी मशीन

सिलाई मशीन का धागा बार बार टूटने का कारण क्या है ?

सिलाई मशीन को परेशानी क्यों आती है ?

सिलाई करते समय कपडे में खिचाव क्यों आता है ?

ऊपर का धागा कपडे पर उपर की तरफ से ख़राब क्यों आता है ?

सिलाई मशीन में नीचे की तरफ से सिलाई क्यों ख़राब आती है ?

मशीन जाम क्यों होती है ?

सिलाई मशीन में धागा फसने पर क्या करना होता है ?

सिलाई मशीन में धागा गुच्छे जैसा क्यों आता है ?

प्रश्न: धागा टूटने के प्रकार और उसके उपाय बताओ ?

सिलाई मशीन यदि ठीक से फिट ना हो तो सिलाई मशीन में क्या दिकत होती है ?

मशीन की सुई ज्यादा नीचे लगी हो तो क्या होता है ?

सिलाई मशीन प्लेट में होल ख़राब होता है तो धागा क्यों टूट जाता है ?

मशीन में फेस प्लेट के अंदर पेच टूटने पर सिलाई में क्या दिकत आती है ?

मशीन को खोले बिना कैसे ठीक करते है ?

प्रश्न: मशीन में नीचे का धागा खराब आने का क्या कारण होता है ?

प्रश्न: सिलाई मशीन व उसके भाग के बारे में बताओ

प्रश्न: मशीन के सहायक पुर्जे की आवयश्कता बताओ ?

प्रश्न: सहायक पुर्जो का एक टेलर के लिए क्या लाभ हो सकता है ?

प्रश्न: मशीन पर कार्य करते समय क्या सावधानी रखनी चाहिए ?

प्रश्न : मशीन में आने वाले दोष व उनको दूर करने के उपाय बताओ ?

प्रश्न: मशीन की उचित देखभाल के क्या तरीके होते है ?

प्रश्न: निम्न कपड़ो पर सुई व धागो के न. बताओ

1 जींस ,मलमल ,पॉपलीन

प्रश्न:: टेलरिंग में प्रयुक्त होने वाले तकनीकी शब्द के बारे में बताओ

सैंटीमीटर ,चुटकी ,सुई ,सुई की प्लेट ,सुई का गज

प्रश्न::: मशीन की देखभाल कैसे की जाती है ?

प्रश्न: मशीन में तेल की किस्म तथा उससे सम्बंधित सावधानिया बताओ ?

प्रश्न : सिलाई मशीन में समय की बचत का क्या महत्व है ?

प्रश्न : पैर की मशीन पर कार्य करते समय बैठने की स्थिति कैसी होनी चाहिए |

प्रश्न : मशीन की सुई व उनके प्रयोग के बारे में बताओ |

महिला सशक्तिकरण:-

प्रश्न: लैंगिक असमानता से क्या आशय है ?लिंगीय असमानतापूर्ण व्यवहार की पहचान किन -किनछेत्रो में देखी | जा सकती हैं |

प्रश्न:: भारत में महिलओं की स्थिति किस प्रकार की है उस प्रकार डलना है |

प्रश्न::: प्राचीन भारत में स्त्रियों को स्थिति किस प्रकार थी |

प्रश्न: डॉक्टर अमबेडकर ने भारतीय महिलाओं के लिए क्या किया |

प्रश्न: भारतीय महिलाओं में किस किस ने भारत में विकास किया नाम बताओ |

प्रश्न: : भारतीय सविधान में महिलाओं में क्या विकास हुआ |

प्रश्न: भारत मानवाधि कार में महिलाओं पर क्या विकास हुआ |

प्रश्न: मानवाधिकार क्या है | हमे क्यों ज़रूरी हैं |

प्रश्न: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्य और सीमाएं क्या हैं |

प्रश्न: मानवाधिकार कितने प्रकार के है |

प्रश्न:: लिंग भेदभाव से लड़ना इस पर निबंध लिखो |

प्रश्न::: प्रमुख पुरुषो के वस्त्र में क्या जानकारी दें | उदहारण -दोहती, कुरता , पगड़ी |

प्रश्न: पुरुषो के वस्त्र में सिर के वस्त्र के नाम बताओं |

प्रश्न: महिलाओं के वस्त्र की जानकारी दें | -राजस्थान , लखनऊ ,दिल्ली , मुंबई |

प्रश्न:: बच्चो वस्त्र का चुनाव कैसे करना चाहिए |

प्रश्न:: : वस्त्र के कपड़ों का चुनाव कैसे करोगे |

प्रश्न:: : वस्त्र का विज्ञानं सामान्य कैसे करोगे |

प्रश्न::: वस्त्र वि क्षान का इतिहास पर निबंध लिखो |

प्रश्न::: प्राथमिक चिकित्सा की पूरी जानकारी क्या है |

प्रश्न::: फर्स्ट एवं बॉक्स में में कोन -कोन सी समान होना चाहिए |

प्रश्न: प्राथमिक चिकित्सा ट्रेनिंग दी जानी चाहिए |

प्रश्न: प्राथमिक उपचार किसे कहते है |

प्रश्न: कटिंग टेलरिंग और ड्रेसमैकिंग करते समय सुरक्षा व सविंधान लिखें |

प्रश्न: बाजार सर्वेक्षण /विजिट के बारे में जानते हैं |

प्रश्न : कपड़े का व्यापार कैसे शुरू करें |

प्रश्न-क्या कपड़े के बिज़नेस में रिस्क हैं कपड़ो का बिज़नेस कैसे शुरू करें |

प्रश्न: होल सेल से उधार कैसे लें |

प्रश्न: कपड़े के बिज़नेस लोग फ़ैल क्यों होते है |

प्रश्न: यदि ऐसे किया मोलभव तो दुकान पर क्यों नहीं आता है |

प्रश्न: नई दुकान खोलने जा रहे है नुकसान से बचाने आया हूँ |: बाज़ार में उपलब्ध डिज़ाइनों को कक्षा के इनपुट के साथ पहचाना और सह - संबधित करना

प्रश्न : नार्मल कपड़ों को महँगा कैसे दिखाए |

प्रश्न: भारत का परम्पीरिक वस्त्र बंधेज किसे कहते है |

प्रश्न: आधुनिक भारत के वस्त्र का महत्व क्या है |

प्रश्न : महिला सशक्ति करण क्या है |

प्रश्न : महिला शक्ति किन योजना किसे के द्वारा बनाई गयी है |

प्रश्न: महिला के लिए सुरक्षा और सशक्ति करण मिशन को जुड़ी |

सिलाई एवं फ़िटिंग

बच्चो के पोशाकों की श्रेणिया

परिचय

अभ्यास

रिक्त स्थान भरो |

- शिशुओं के वस्त्रो को बनाते समय _____ रंगो का इस्तेमाल करना चाहिए |
- शिशुओं के वस्त्रो को हम _____वर्क इत्यादि से सजा सकते है |
- शिशुओं के वस्त्र _____नहीं होने चाहिए |
- शिशुओं की रजाई सामान्यता _____कपडे में तैयार हो जाती है |
- शिशुओं की रजाई में _____के कपडे इस्तेमाल किये जा सकते है|
- सादा ब्लाउज़ में आगे की तरफ _____ प्लेट डाली |
- प्रिंस कट ब्लाउज़ आगे _____ भाग काटेजाते है |
- शिशुओं के वस्त्रो को बनाते समय _____ रंगो का इस्तेमाल करना चाहिए |
- शिशुओं के वस्त्रो को हम _____वर्क इत्यादि से सजा सकते है |
- शिशुओं के वस्त्र _____नहीं होने चाहिए |
- 11.शिशुओं की रजाई समान्यता _____कपडे में तैयार हो जाती है |
- शिशुओं की रजाई में _____के कपडे इस्तेमाल किये जा सकते है |
- मशीन नीडल पर _____ दिशा से प्रकाश ढीक आता है |
- वर्कशॉप में काम करते समय _____ पहने |
- क्रेच कर्व के प्रयोग को _____कहते है |
- कपड़ो पर निशान लगाने के लिए दर्जी _____ का प्रयोग करते है |
- _____ धागे अधिक सुन्दर आकर्षक तथा नमूने दार होते है |
- लड़को की स्पोर्ट शर्ट में निम्न प्रकार की सीम _____ प्रयोग की जाती है |
- वर्कशॉप में प्रेस करने के लिए _____ का प्रयोग होता है |
- बिना परिष्कृत किये गए वस्त्रो को _____ कहते है |
- _____गले की आकृति गोल होती है
- तिरछी जेब _____कपडे में लगाई जाती है |
- पुरुषो के कपड़ो में एक _____जेब होती है |
- साइड पॉकेट कमर से नीचे से शुरू होकर _____ तक बनाई जाती है |

- कुर्ते में _____ पॉकेट लगाई जाती है |
- पेंट में ___जेब का प्रयोग किया जाता है |
- वस्त्र के उभार के कारण स्त्रियों के वस्त्रो के सामने के भाग की चौड़ाई पिछले भाग से _____ कुछ अधिक रखी जाती है
- स्त्रियों के कंधे की चौड़ाई पुरुषो के कंधे के _____ अनुपात से कम होती है |
- पुरुष के छाती ,कमर -नाप में स्त्री -नाप की तरह अधिक _____ नहीं होता है |
- स्त्री नाप में कमर ,छाती का अंतर जितना अधिक होता है उतना ही वह अच्छा _____ माना जाता है |
- नाप लेते समय _____ उल्टा ना हो जाए इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए |
- पटियाला सलवार _____ कपड़े बनते हैं |
- बिना बेल्ट की सलवार में _____नहीं पड़ती है |
- बिना बेल्ट वाली सलवार का आसन _____ लेते है |
- डेर मीटर की सलवार अलग _____ से काटी जाती है |
- सलवार के पोंचे में _____ लगाई जाती है |
- बेल्ट वाली सलवार में आसन की लम्बाई _____लेते है |
- सलवार की कटिंग करते समय कपडे को _____में रखा जाता है |
- मर्दानी कमीजों में _____लगता है |
- _____ टी शर्ट में लगाया जाता है |
- _____कॉलर में जोड़ नहीं आता है |
- बच्चो की फ़्रोको पर _____-कॉलर लगाया जाता है |
- नेहरू कॉलर कमीज एवं _____में लगाया जाता है |

मिलान करो |

- लंगोट
- सुनसुट
- बिछौना
- मेग्यात
- बिब
- बॉक्स पॉकेट
- पैच पॉकेट
- थ्री कोन पॉकेट
- वाच पॉकेट

- मेटनी सेट
- झबला
- जांघिया
- रोम्बर
- फीडर

- साइड पॉकेट
- पफ स्लीव
- मास्टर स्लीव
- बेल स्लीव
- कैप स्लीव
- एल्बो स्लीव

- वस्त्रो की फिटिंग दोनों पर जोड़कर रहने के
- बच्चो के वस्त्र एक अंगुल ढीला रखे
- शरीर नाप लेते समय सही नाप पर निर्भर करती है
- नाप लेते समय कुछ ढीले होने चाहिए
- वस्त्र ग्राहक के पसंद अनुसार होने चाहिए

सही गलत:-

- हमें शिशुओं के लिए टेरीकॉट के कपड़ो का इस्तेमाल करना चाहिए |( )
- शिशुओं के लिए हलके रंग के कपड़ो का इस्तेमाल करना चाहिए | ( )
- बिब या फीडर का प्रयोग 2 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चो के लिए करना चाहिए | ( )
- बच्चो के कपड़ो को सजाने के लिए लेस कढ़ाई वर्क करना चाहिए | ( )
- शिशुओं के वस्त्र फिटिंग में सिलने चाहिए |( )
- इंचीटेप से नाप लिया जाता है |( )
- इंचीटेप में पीतल की पत्ती लगी होती है | ( )
- सी. पी. जी. मेजरिंग टेप से सूट का नाप लिया जाता है |( )
- अस्तर का प्रयोग पतले कपडे पर किया जाता है | ( )
- सुई का चपटा हिस्सा अंदर की साइड होता है | ( )
- ड्राफ्टिंग के लिए ब्राउन पेपर का प्रयोग किया जाता है | ( )
- पतले कपडे पर पतली सुई का प्रयोग किया जाता है |( )
- कपडा काटते समय निशान उल्टी तरफ से लगाना चाहिए | ( )
- सादा ब्लाउज़ में चार प्लेट पड़ती है | ( )

- चोली कट ब्लाउज़ में 4 प्लेट डाली जाती है | ( )
- ब्लाउज़ कटिंग से पहले ड्राफ्ट लगाया जाता है | ( )
- चोली कट ब्लाउज़ में आगे की साई तीन भागो में कटते है ( )
- चार कली और छह कली के पेटीकोट की कटिंग अलग अलग तरीके से होती है | ( )
- बड़ी कैंची का प्रयोग उधोग शालाओ में होता है | ( )
- बेल्ट पॉकेट नेहरू जैकेट में प्रयोग की जाती है ( )
- साइड पॉकेट कमर में नीचे से शुरू होती है ( )
- नेहरू कुर्ते में साइड पॉकेट लगाई जाती है ( )
- पुरुषो के कपड़ो में एक गुप्त जेब भी होती है ( )
- कमीज में बॉक्स पॉकेट लगती है ( )
- एल्बो स्लीव की लम्बाई कोहनी तक होती है ( )
- बैल स्लीव दिखने में घंटी की तरह होती है ( )
- बैल स्लीव बच्चो एवं स्त्रियो के वस्त्रो में प्रयोग की जाती है ( )
- पफ बाजु में चुनट दोनों तरफ होती है ( )
- पफ एवं मास्टर स्लीव की कटिंग अलग अलग तरीके से होती है ( )
- वस्त्रो की सही फिटिंग सही नाप पर निर्भर करती है ( )
- बच्चो व वृदो के वस्त्र तंग होने चाहिए ( )
- जहाँ तक संभव हो नाप शरीर से लेना चाहिए उसके कपड़ो से नहीं |( )
- इंचीटेप से गोल नाप लेते समय एक अंगुली की ढील रहनी चाहिए |( )
- व्यक्ति को ऊनी कपडे पहनने पर ही नाप लेना चाहिए |( )

<u>बहु विकल्पीय प्रश्न:-</u>

सिलाई फिट क्या है ?

- मशीन
- उपकरण
- थैला
- कोई नहीं

कटाई से पहले कपडे पर चिन्ह लगाने के लिए प्रयोग किया जाता है ?

- पेंसिल
- खड़िया
- चिन्ह चाक
- इनमे से कोई नहीं

रेडीमेड कपड़ो के निर्माण में नाप की किस विधि का प्रयोग किया जाता है ?

- चेस्ट सिल्म
- डायरेक्ट सिस्टम
- दोनों
- कोई नहीं

सिलाई करते समय अस्तर का कपडा जोड़ने के लिए लगाते है ?

- कच्चा टांका
- बिरछी कच्ची सिलाई
- हेमिंग

वस्त्र पर पेपर पैटर्न के सभी हिस्सों को सही तरीके से बिठाना कहलाता है ?

- नाप लेना
- ले आउट
- केलिंग
- ऑस्पिल

- ❖ गोलाई वाली सीवन को दबाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है ?
- ❖ किसी सिलाई मशीन में सुई को जकड़ने वाले पुर्जे को क्या कहते है ?
- ❖ सिलाई मशीन के फर्स्ट एड बॉक्स में क्या रखा जाता है ?
- ❖ जेवे कितने प्रकार की होती है ?
- ❖ साइड पॉकेट किसमे लगाई जाती है ?
- ❖ तिरछी जेब किस क. सिर पर पहने जाने वाले फैशन उपसहायक को क्या कहते है ?
- ❖ एक गोल पहिया जिसको घुमाने पर सिलाई मशीन कार्य करती है उसको क्या कहते है ?
- ❖ सुई को मशीन में फिट करने वाली चुटकी क्या कहला
- ❖ सिलाई में इंचीटेप का क्या प्रयोग होता है ?
- ❖ बटन होल किसे पडे में लगाई जाती है ?

- पुरुष के कपड़ो में कौन सी गुप्त जेब होती है ?
- कट पॉकेट किस आकार में बनाई जाती है ?
- थ्री कोन पॉकेट कौन से कपडे में प्रयोग की जाती है ?
- मास्टर स्लीव बाजु किसे कहते है ?
- कौन सी बाजु जापानी ड्रेस की विशेषता है ?
- नाप लेते समय क्या क्या सावधानिया बरतनी चाहिए ?
- क्या पुरुष नाप व महिला नाप में अंतर होता है ?
- वस्त्रो की ड्राफ्टिंग करते समय क्या क्या कया ध्यान रखना चाहिए ?
- बच्चो व बुजुर्गों के वस्त्र हमेसा कुछ ढीले होना चाहिए |
- कपड़ा कटिंग करते समय क्या सविधानिया होनी चाहिए |
- सलवार कितने प्रकार से बनाई जाती है |
- सलवार की कटिंग करने के लिए कौन -कौन से नाप की ज़रूरत हैं |
- कटिंग करते समय हमें किस बात का ध्यान रखना चाहिए |
- कपड़ो में कॉलर क्यों लगाया जाता है ?
- बेंड या कंठी कॉलर की चौड़ाई अधिक से अधिक कितनी ली जा सकती है ?
- कौन सा कॉलर खुला दिखाई देता है और इसमें जोड़ नहीं आता है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- छोटी सलवार (वन पीस)व मध्यम नाप की सलवार में अंतर स्पष्ट करो ?
- सलवार के पोंचो को किस किस प्रकार सजाया या बनाया जा सकता है ?
- पटियाला व बेल्ट वाली नार्मल सलवार में अंतर बताइए ?
- सूट के नाप के लिए शरीर के नाप में क्या क्या लेना चाहिए ?
- सूट व सलवार सिलते समय क्या क्या सावधानिया बरतनी चाहिए ? कपड़ो में कॉलर क्यों लगाया जाता है ?
- बेंड या कंठी कॉलर की चौड़ाई अधिक से अधिक कितनी ली जा सकती है ?
- कौन सा कॉलर खुला दिखाई देता है और इसमें जोड़ नहीं आता है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?
- छोटी सलवार (वन पीस)व मध्यम नाप की सलवार में अंतर स्पष्ट करो ?
- सलवार के पोंचो को किस किस प्रकार सजाया या बनाया जा सकता है ?
- पटियाला व बेल्ट वाली नार्मल सलवार में अंतर बताइए ?
- सूट के नाप के लिए शरीर के नाप में क्या क्या लेना चाहिए ?
- सूट व सलवार सिलते समय क्या क्या सावधानिया बरतनी चाहिए ?मुख्यता सलवार कितने प्रकार की होती हैं | नाम बाताओ |
- कपड़ो में कॉलर क्यों लगाया जाता है ?
- बेंड या कंठी कॉलर की चौड़ाई अधिक से अधिक कितनी ली जा सकती है ?
- कौन सा कॉलर खुला दिखाई देता है और इसमें जोड़ नहीं आता है ?
- कॉलर कितने प्रकार के होते है किसी दो के नाम लिखो ?
- कुर्ती के लिए राउंड /बैन और फुल कॉलर कैसे बनते है ?

सूट में सबसे पहले नाप लिया जाता है :-

- लम्बाई का
- तीरे का
- छाती का
- कमर का

सूट की कटिंग में नाप लिया जाता है |

- कमर का
- हिप का
- लम्बाई का
- इन सभी का
- सूट में कपडे को रखते हे |

सूट में कपडा लगता है |

- एक मीटर
- दो मीटर
- पांच मीटर
- दस मीटर

रिक्त स्थान भरो

- सूट में सबसे पहले _____ लिया जाता है
- सूट की चौड़ाई में छाती का _____ भाग लिया जाता है
- सूट में कमर ,चेस्ट एवं _____ का नाप गोलाई में लिया जाता है |
- सूट का गला पट्टी एवं _____ से भी बनाया जाता है | |
- तीरे का नाप दाई ओर से _____ ओर लिया जाता है |
- सूट में फिटिंग के लिए पीछे _____ भी डाली जाती है |
- सूट के गले मे _____ भी लगाई जाती है |
- सूट के लिए कपडा _____ तह में रखा जाता है |
- पटियाला सूट में नीचे की तरफ _____ होती है |
- सूट की कटिंग से पहले ब्राउन पेपर पर _____ बना लेना चाहिए |

सही व गलत पर निशान लगाओ

- सूट की कटिंग में कपडा चार तह में रखते है | ( )
- सूट के गले में लेस लगा कर सजाया जाता है | ( )
- सूट की फिटिंग के लिए व्यक्ति को शरीर का नाप लेना जरुरी है | ( )
- सूट काटने से पहले ग्राहक को पूछना चाहिए कि उसे किस प्रकार का सूट बनवाना है | ( )
- सूट के गले कई प्रकार से बनाए जाते है | ( )
- थैले वाली पजामी में पहले थैला तैयार किया जाता है ? ( )
- समोसा कट पजामी में कपडा समोसे की तरह रखा जाता है ? ( )
- बिना बेल्ट के भी पजामी बनाई जा सकती है ? ( )
- पजामी की कटिंग करने से पहले ब्राउन पेपर पर ड्राफ्ट बनाया जाता है ( )
- सादा पजामी के लिए कपडा दो तह में रखा जाता है ? ( )
- समोसा कट पजामी के लिए कपडा तिकोना रखा जाता है ? ( )
- थैला बनाने के लिए कपडे को तिरछा पकड़ा जाता है ( )
- सादा और चूड़ीदार पजामी के लिए कटिंग अलग अलग होती है ? ( )

- क्या थैले वाली पजामी के लिए कपडे को तिरछा सिला जाता है ? ( )
- चूड़ीदार पजामी में मोहरी पर चुडिया बनाने के लिए कपडा ज्यादा क्यों लिया जाता है ? ( )
- सूट बनाने के लिए किस प्रकार का कपडा उत्तम होता है ?
- अस्तर वाला सूट कैसे बनाया जाता है ?
- क्या सूट का गला मन चाहा बनाया जा सकता है ?
- पटियाला सूट कैसा होता है ?
- प्लैन कपडे का फेन्सी सूट कैसे बना सकते है ?
- सूट के गले की लम्बाई एवं चौड़ाई कितनी लेनी चाहिए ?
- क्या धोती के कपडे से भी सूट बनाया जा सकता है ?
- सूट से आप क्या समझते है ?
- अम्ब्रेला सूट में कपडा सादा सूट से ज्यादा क्यों लगता है ?
- क्या सूट में कई प्रकार की बाजु लगाई जा सकती है ?
- अम्ब्रेला सूट एवं सादा सूट में अंतर स्पष्ट करो ?
- सूट काटने से पहले ड्राफ्टिंग क्यों करनी चाहिए ?
- क्या पटियाला सूट की कटिंग अलग तरीके से होती है ?
- आज कल कई प्रकार के सूट बनाए जाते है किसी दो फैंसी सूट का नाम लिखो ?
- सादा सूट का एक ड्राफ बनाओ ?
- सूट में कॉलर क्यों और कितने प्रकार की लगाई जाती है ?
- आज कल अलग अलग तरीके से कुर्ती कैसे बनाई जाती है ?
- कुर्तिओ को लेस एवं बटन आदि से कैसे सजाया जाता है ?उदाहरण दीजिये |
- कुर्ती और सूट में क्या अंतर है स्पष्ट कीजिये ?
- क्या कुर्तिओ के गले हम मनचाहे बना सकते है ?
- सूट की कटिंग करते समय हमें किन किन बातो को ध्यान में रखना चाहिए ?
- कोई भी कपडा काटने से पहले हमें ड्राफ क्यों बनाना चाहिए
- सूट या कुर्ती बनाने के लिए शरीर के कौन कौन से भाग का नाप लिया जाता है ?
- किन्ही पांच गले के डिजाइन पेपर पर बनाए ?
- सूट में पीछे की साइड कई प्रकार के गले के डिजाइन बनाए जा सकते है ? किसी दो के नाप लिखो |
- पेपर पैटर्न पूरा करने हेतु पैटर्न बनाने की प्रणाली एक सीरीज पर निर्भर करती है ? उसे क्या कहते है ?

********चूड़ीदार पजामी के प्रकार**********

- चूड़ीदार पजामी कितने प्रकार की होती है
- चूड़ीदार पजामी और सादा पजामी में अंतर स्पष्ट करो ?
- पजामी में सलवार की तरह बेल्ट क्यों लगाई जाती है ?
- पजामी के लिए कौन कौन से अंग का नाप लिया जाता है ?

******फिटिंग*******

अपठत गद्यांश:

परिचय :- जो परिधान शरीर पर अच्छी तरह से फिट बैठता है | वह अच्छा दिखता है | पर्याप्त नहीं होता है ,बनाए गए कपड़ो का ज्ञान ,अच्छी तरह से फिट नहीं है जानना आवशयक है किसी भी कपडे के बेकार फिट के लिए कारणों से बचाये जा

सकता है जबकि कपडे को नापने और काटने के लिए ताकि एक जैसी अच्छी फिटिंग प्राप्त की जा सके | यही करने के लिए आवशयक है कि अंतिम परिष्करण से पहले परिधान पर प्रयास करे ताकि फिटिंग में किसी भी दोष का ख्याल रखा जा सके|

प्रश्न -1 कपड़ो में फिटिंग की व्याख्या करे |

प्रश्न -2 फिटिंग में दोषो की व्याख्या करे |

प्रश्न -3 फिटिंग में दोषो की पहचान व सुधार करे |

प्रश्न -4 कपड़ो के लिए एक अच्छी फिटिंग कैसे देते है

अपठत गद्यांश:-

मेरा नाम काजल हैं | में दसवीं कक्षा तक पढ़ी है | मैं एक गरीब परिवार से है | मेरे पिता और माता मकान बनाने में मजदूर का काम करते है | मेरे परिवार में हम दो बहन एक भाई है | पुरे परिवार में पांच सदस्य है | हम सभी अभी पढ़ाई कर रहे है | हम किराये के मकान पर रहते है एक दिन शाम के समय में घर के बहार बैठी थी तभी अचानक एक मैडम ने मुझसे पूछा आप क्या करती है | हम सिलाई सिखाते है जो कि आपका उसमे कोई जैसा नहीं लगता (फ्री ऑफ़ कॉस्ट) हमारे यहां 3 व 6 महीने का सिलाई का कोर्स होता हैं | जिससे आप अपने व बहार के कपड़े सिलाई करके घर की

आर्थिक स्तिथि को बातें सुनकर कहा की मैडम ने कहा पैसा नहीं है लेकिन मैं सिलाई सीखना चाहती हु | मैडम ने कहा पैसा नहीं चाहिए बेटा आप की लगन व महन्त करोगी | तो आपको सिलाई आ जाएगा हमारे यहां (jss) पटेल नगर के द्वारा सेंटर चलाया जाता है | कोर्स के बाद में सर्टिफिकेट भी दिया जाता हैं | जो की यदि जाता है अपना या सरकारी काम करोगी तो वह आपके काम आएगा |

प्रश्न -1 विधार्थी का न क्या है ?

प्रश्न - 2 विधार्थी के माता -पिता का क्या नाम है ?

प्रश्न -3 विधार्थी ने किस काम का कोर्स किया ?

प्रश्न -4 विधार्थी के घर में कितने सदस्य है ?

प्रश्न -5 कोर्स करने वाले सेंटर का क्या नाम है |

- सादा ब्लाउज़ एवं चोली कट ब्लाउज़ की कटिंग होता है |
- ब्लाउज़ बनाने के लिए शरीर के किस अंग का नाप लिया जाता है ?
- ब्लाउज़ में प्लेट क्यों डाली जाती है |
- क्या ब्लाउज़ में बटन /हुक पीछे की तरफ़ भी लगा सकते है ?
- ब्लाउज़ के गले कितनी प्रकार से बनाये जा सकते है ?
- ब्लाउज़ के 5 गलो का एक चार्ट बनाये ?

- प्रिंस कट अथवा सादा ब्लाउज़ का एक ड्राफ्ट बनाये |
- पतले कपड़े का ब्लाउज़ बनाने में स्तर क्यों लगाया जाता है :?
- सादा ब्लाउज़ एवं चोली कट ब्लाउज़ में अंतर् स्पष्ट करो |
- बकर्म पर कटिंग करके गला क्यों लगाया जाता है ?
- अच्छी फ़िटिंग के लिए ब्लाउज़ में क्या करना चाहिए |
- घर में सिलाई करने से क्या -क्या लाभ है |
- सिलाई में क्या -क्या बातें सिखाई जाती है |
- वस्त्र डिजाईनिंग करने वाले व्यक्ति को क्या कहा जाता है ?
- 'L ' स्केल का दूसरा नाम क्या है ?
- अधिकतर फ़ैशन डिजाईनिंग कोर्स लगभग कितने साल के होते है |
- भीतर टांग का नाप लेने के लिए किस प्रकार के उपकरण का प्रयोग किया जाता है ?\
- स्त्रियों एवं लड़कियों में बटन हॉल किस तरफ की जाती है ?
- हेम कितने प्रकार की होती है ?
- महिलओं का कौन सा वस्त्र युगल परिधान कहलाता है |
- सोनू वालिया (भारत सुंदरी के) लिए ड्रेस डिजाइन किसने की थी ?
- किस डिजाइन को किंग फिशर आवार्ड से जनवरी 2002 में नवाज़ा गया था ?
- फ़ैशन डिजाइन के लिए कोन -कोन से उपकरण होते है ?
- फ़ैशन डिजाइन में क्या -क्या आता है |
- मशीन का निर्माण कब हुआ और किसने किया था |
- मशीन कितने प्रकार की होती है |
- "जन शिक्षण संसथान " को को पहले किस नाम से जाना जाता है ?
- 'चूड़ी दार ' पैजामी और सादा पैजामी में अंतर् समष्ट करो |
- पैजामी में सलवार की तरह बैल्ट क्यों लगाई जाती है ?
- पैजामी के लिए कौन -कौन से अंग का कनाप लिया जाता है |
- सिलाई एवं फिटिंग में जानकारी ****
- रेशमी कपड़ों पर किस प्रकार की सिलाई की जाती है ?
- कपड़े के रंग के सामान धागा लेकर टाका लगाने से कौन -सा टांका ज़्यदा अच्छा लगता है ?
- शरीर के कौन-कौन से हिसे का नाप गोलाई में लिया जाता है ?
- दाए कंधे से बांये कंधे तक का नाप क्यों लिया जता है ?
- वस्त्रो को धारण क्यों किया जाता है ?
- पांच वर्ष की बालिका की बेबी फ्रॉक बनाने में कितना कपड़ा लगता है ?
- कटाई से पहले कपडे पर चिन्ह लगाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है ?
- कपडा काटने का उचित स्थान कौन -सा होता है |
- कपड़ा सिलने से पहले ड्राफ्टिंग क्यों की जाती है |
- मशीन में तेल क्यों डाला जाता है ?
- साधारण वस्त्र को सिलने के लिए मशीन में कौन -सा न० की सुई लगाई जाती है ?
- सिलाई कला से आप क्या समझते है|

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य

1. उद्यमिता शुरू करने के लिए आवश्यक ज्ञान आधार प्रदान करना।
2. उद्यमिता के उद्देश्य और आव्श्यकता को समझने के लिए।
3. उद्यमिता को प्रभावित करने वाले कारको को आत्मसात करना।
4. उद्योग को स्कैन करने के चरणों को जानना और एक उपयुक्त उध्यमी की पहचान करना मौका
5. व्यवसाय योजना तैयार करने और व्यवसाय मॉडल तैयार करने की तरीका जानने के लिए।
6. व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया जानने के लिए।
7. उद्यमिता के लिए एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं को शामिल करना।

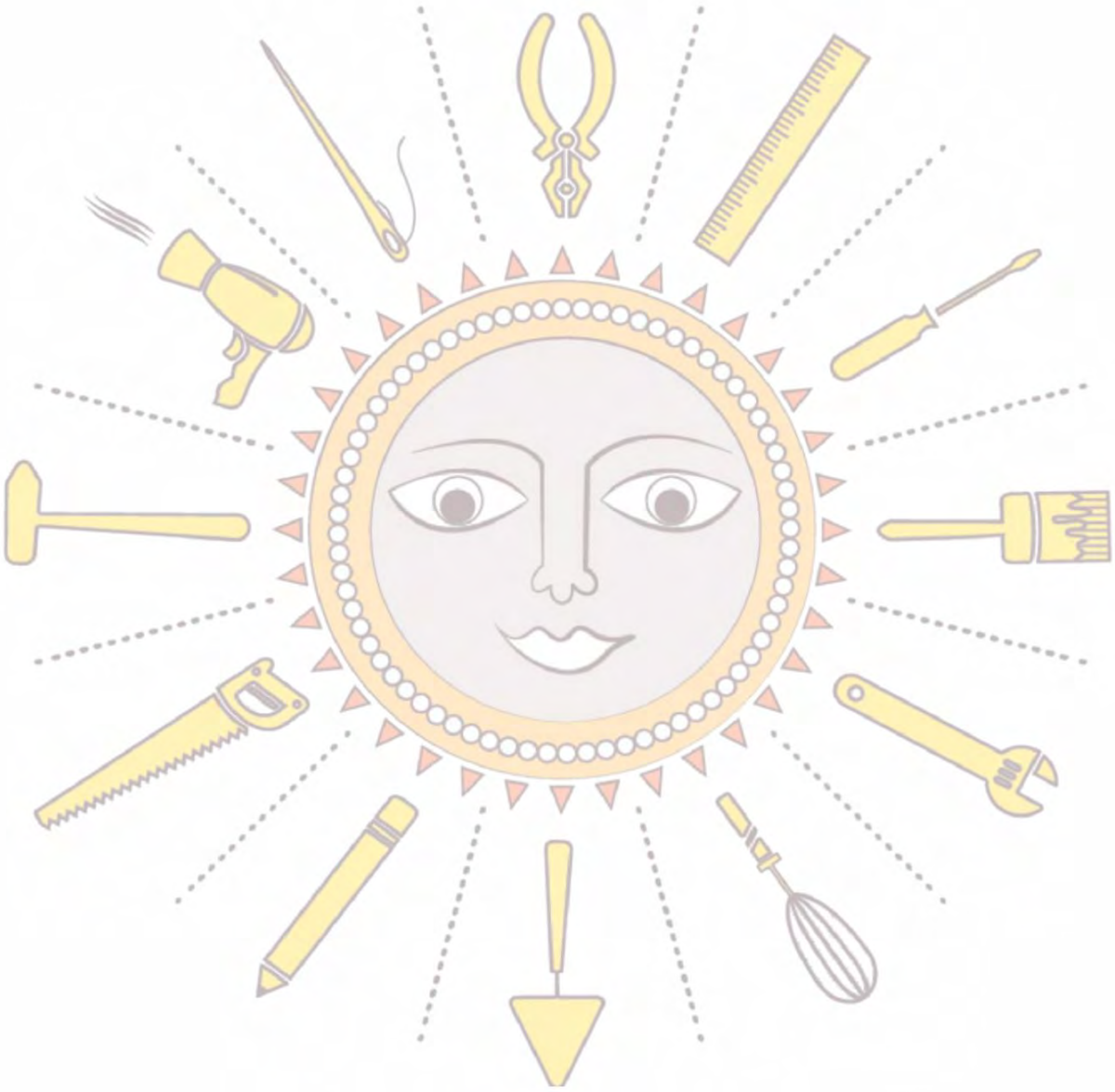

SCPwD
दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद्
Skill Council for Persons with Disability

Skill Council for Persons with Disability
Sector Skill Council Contact Details:
Address: 501, City Centre, Plot No. 5 Sector 12 Dwarka
Website: www.scpwd.in
Phone: 01120892791